6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष दशमी 09:29 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 30 नवंबर 2025, वर्ष 5, अंक 280, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ शीतकालीन सत्र में भी सुनाई देगी एसआईआर की गूंज - 12

■ महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात के लिए 80 करोड़ डॉलर का ऋण देगा एडीबी - 12

■ तूफान दितवा ने पकड़ी गति आज आधी रात पहुंचेगा तमिलनाडु तट - 13

■ दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय मुकाबले में रोहित और कोहली की होगी कड़ी परीक्षा - 14

चुनौती को अवसर में बदलने की प्रेरणा देती है गीता

मुख्यमंत्री धामी ने कुरुक्षेत्र में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव को किया संबोधित

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता के महत्व को ध्यान में रखते हुए उत्तराखंड सरकार ने राज्य के सभी विद्यालयों में प्रतिदिन गीता के श्लोकों के पाठ को अनिवार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव को संबोधित करते कहा कि धर्म क्षेत्र कुरुक्षेत्र की पवित्र भूमि पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जो दिव्य उपदेश प्रदान किया, वही श्रीमद्भगवद्गीता के रूप में मानवता का शाश्वत ज्ञान बनकर पूरे विश्व को दिशा दिखा रहा है। आधुनिक युग में भौतिकता की दौड़ में जब मानव जीवन जटिल और तनावपूर्ण हो गया है, ऐसे समय में गीता का संदेश और भी अधिक प्रासांगिक हो गया है। गीता के 18 अध्याय हमें किसी न किसी योग की शिक्षा अवश्य देते

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में प्रतिभाग करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। ● अमृत विचार

हैं। गीता में बताए गए सभी सूत्र जीवन को संतुलित, उद्देश्यपूर्ण और उच्चतम नैतिक आदर्शों के अनुरूप बनाने का शाश्वत मार्गदर्शन देते हैं। गीता की इसी सार्वभौमिकता के कारण आज विश्व के बड़े-बड़े विश्वविद्यालयों में गीता पर शोध हो रहे हैं। दुनियाभर में श्रीमद्भगवद्गीता को लीडरशिप, मैनेजमेंट और आत्मशांति के ग्रंथ के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। गीता से हमें न केवल जीवन जीने का व्यावहारिक ज्ञान मिलता है, बल्कि जीवन की प्रत्येक चुनौती को अवसर में बदलने की प्रेरणा भी प्राप्त होती है।

उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण के अमृतकाल में प्रवेश कर चुका है। हमारे गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक विरासत को आज न केवल पुनर्स्थापित किया जा रहा है, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय चेतना का आधार भी बनाया जा रहा है। हमें अपने सांस्कृतिक मूल्यों, परंपराओं और वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर गर्व है। आज हमारी सनातन संस्कृति की पताका संपूर्ण विश्व में गर्व से लहरा रही है और भारत अपनी जड़ों से जुड़ते हुए पुनः विश्वगुरु बनने की ओर तेजी से अग्रसर है।

तत्काल सुनवाई वाले मामले दो दिनों में होंगे सूचीबद्ध

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने एक दिसंबर से मामलों की सूची को सुव्यवस्थित करने के लिए कदम उठाए हैं तथा मामलों के सूचीबद्ध और उल्लेख के लिए परिपत्र जारी किए गए हैं।

परिपत्र के अनुसार, वादियों को तत्काल सुनवाई की आवश्यकता वाले अपने मामले को सूचीबद्ध करने के लिए पीठ के समक्ष उल्लेख करने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि नए मामले स्वतः ही सूचीबद्ध हो जाएंगे। परिपत्र में कहा गया है, व्यक्तियों की स्वतंत्रता से जुड़े सभी नए मामले और जहां तत्काल अंतरिम आदेश की मांग की गई है और मामले का सत्यापन हो चुका है, अगले दो कार्यदिवसों के भीतर सूचीबद्ध किए जाएंगे।

दिल्ली ब्लास्ट में दो इमाम सहित तीन से पूछताछ

संवाददाता, हल्द्वानी/नैनीताल

● बनभूलपुरा और तल्लीताल से जुड़ा मामला, गहन पूछताछ के बाद छोड़ा गया

अमृत विचार: केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी, एसटीएफ और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रूप से शुक्रवार आधी रात के बाद बनभूलपुरा क्षेत्र में दो व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसी क्रम में नैनीताल में तल्लीताल क्षेत्र में भी एक व्यक्ति से पूछताछ की गई।

बताया गया कि दिल्ली ब्लास्ट मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर आवश्यक जानकारी ली गई। शनिवार दिन भर विभिन्न बिंदुओं व पहलुओं पर संयुक्त रूप से विस्तृत पूछताछ के उपरांत सम्बंधित व्यक्तियों को नियमानुसार उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि बिलाली मस्जिद के इमाम मोहम्मद आसिम और बिजली मैकेनिक नजर कमाल के अलावा नैनीताल के तल्लीताल के इमाम मोहम्मद नईम से पूछताछ की गई। इस कार्रवाई को लेकर शुक्रवार आधी रात के बाद से शनिवार देर रात तक हल्द्वानी के बनभूलपुरा और तल्लीताल इलाके में गहमागहमी रही। एसपी सिटी हल्द्वानी मनोज कत्याल और सीओ लालकुआं दीपशिखा के नेतृत्व में लालकुआं, कालाढूंगी, हल्द्वानी, मुखानी और काठगोदाम थानों से बड़ी संख्या में पुलिस बल बनभूलपुरा पहुंचा। शनिवार को बिलाली मस्जिद और इमाम के घर के आसपास पुलिस बल तैनात रहा। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी का कहना है कि मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है।

(संबंधित पेज-3)

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, मातृत्व की चुनौतियां पेरेंटिंग का बदलता रूप व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

☞www.amritvichar.com

ए320 विमानों के सॉफ्टवेयर अपडेट से उड़ानें प्रभावित

वाशिंगटन, एजेंसी

● एयरबस ने कहा- दुनियाभर के 6000 विमानों को अपग्रेड की जरूरत

● भारतीय एयरलाइंस ने 80% विमानों का सॉफ्टवेयर अपग्रेड पूरा किया : डीजीसीए

भारत समेत दुनिया भर की विमानन कंपनियों ने शनिवार को व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक विमान ए320 के सॉफ्टवेयर को अपडेट किया, जिसके चलते कई उड़ानों में देरी हुई और कई को रद्द करना पड़ा।

जांच में पता चला कि पिछले महीने जेटब्लू के एक विमान के ऊंचाई से अचानक नीचे आने में कंप्यूटर कोड की गड़बड़ी शामिल हो सकती है। एयरबस ने शुक्रवार को बताया कि जेटब्लू की उस घटना की जांच से पता चला कि सूरज की तेज किरणें (सोलर रेडिएशन) ए320 बेड़े के विमानों के उड़ान नियंत्रण को खराब कर सकती हैं। डीजीसीए ने बताया कि प्रभावित 338 विमानों में 80 प्रतिशत में जरूरी बदलाव कर दिए गए हैं।

प्रदेश में गन्ना मूल्य वृद्धि को मंजूरी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पेराई सत्र 2025-26 के लिए उत्तराखंड राज्य की चीनी मिलों द्वारा क्रय किए जाने वाले गन्ने के राज्य परामर्शित मूल्य (एसएपी) में वृद्धि को स्वीकृति दे दी है। सीएम ने बताया कि नए पेराई सत्र 2025-26 के लिए इन मूल्यों में वृद्धि करते हुए अगेती प्रजाति का मूल्य 405 प्रति क्विंटल तथा सामान्य प्रजाति का मूल्य 395 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।

(विस्तृत पेज-2)

ऑपरेशन सिंदूर नागरिक-सैन्य समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण

मुख्य संवाददाता, देहरादून

● रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया एलबीएसएम में सीएफसी के समापन समारोह को संबोधित

अमृत विचार: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सिविल सेवा के अधिकारियों से राष्ट्रीय हितों की रक्षा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को समझने और वीर सैनिकों की तरह ही ऐसी कठिन परिस्थितियों के लिए सदैव तैयार रहने का आह्वान किया है। शनिवार को मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) में 100वें कॉमन फाउंडेशन कोर्स (सीएफसी) के समापन समारोह में अधिकारियों को संबोधित करते रक्षा मंत्री ने कहा कि, ऑपरेशन सिंदूर नागरिक-सैन्य समन्वय का एक उत्कृष्ट

उदाहरण है, जहां प्रशासनिक मशीनरी ने सशस्त्र बलों के साथ मिलकर महत्वपूर्ण सूचनाओं का संचार किया और जनता का विश्वास जीता। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बलों ने संतुलित और बिना किसी उकसावे के जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान और पीओके में आतंकी शिविरों को नष्ट कर दिया, लेकिन पड़ोसी देश के दुर्व्यवहार के कारण ही सीमा पर स्थिति सामान्य नहीं हो पाई।

उन्होंने सैनिकों की वीरता और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने महत्वपूर्ण सूचनाओं का संचार किया और देश भर में मॉक ड्रिल का सफल संचालन सुनिश्चित किया।

(संबंधित पेज-2)

YTDO TOUR & TRAVELS

08 दिवसीय
थाईलेंड टूर
दिनांक : 05 जनवरी 2026 से 12 जनवरी 2026

मुख्य आकर्षण
बैंकाक एवं पटाया
अभूतपूर्व सौंदर्य व अन्य कई
आकर्षण के साथ

Celebrate New Year at New Place

सुविधाजनक यात्राओं का एक मात्र संगठन

07 दिवसीय
DUBAI & ABU DHABI
दिनांक : 27 जनवरी, 2026 से 23 जनवरी, 2026
मुख्य आकर्षण
दुबई शहर की सैर, क्रूज में नृत्य संगीत की एक रोमांचक शाम, डेजर्ट सफारी, बुर्ज खलीफा एवं हिंदु मन्दिर दुबई। अब धाबी में शेख जायद ग्रैंड मस्जिद (बाह्य अवलोकन), बीपीएस हिन्द मंदिर और अन्य मनोरम स्थान

15 दिवसीय पूर्वी भारत यात्रा
श्री जगन्नाथपुरी धाम गंगासागर यात्रा
दिनांक : 17 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026

मुख्य आकर्षण
श्री जगन्नाथपुरी धाम पुरी, कलकत्ता, भुवनेश्वर, वाराणसी, गया, गंगा सागर एवं शिव ज्योतिर्लिंग बैजनाथ धाम

17 दिवसीय मध्य भारत यात्रा
04 शिवज्योतिर्लिंग मुम्बई एवं गोवा यात्रा
दिनांक : 20 जनवरी 2026 से 05 फरवरी 2026
मुख्य आकर्षण
हैदराबाद, 4 शिवज्योतिर्लिंग (मल्लिकार्जुन, घृष्णेश्वर भीमशंकर तथा त्रयम्बकेश्वर) ऐलोरा, शिरडी, नासिक मुम्बई एवं गोवा यात्रा

सभी यात्राओं में सुबह का नाश्ता एवं रात का भोजन भी सम्मिलित है।

Contact: Y.T.D.O. Tour & Travels, Khati Bhawan, Zoo Road, Nainital
05946-317106 (Haldwani),VMS Khati: 9412085088, Umesh Rautela: 9411197147
Ramesh Tiwari: 9411197085, BS Padiyar: 8006399064, Email: ytdotours@gmail.com
Haldwani Office :- Utthan Manch, Near Golju Mandir, Haldwani, Phone :- 05946-317106

अमृत विचार

हल्द्वानी , रविवार,30 नवंबर 2025

स्टेट ब्रीफ

कोटद्वार में पासपोर्ट सेवा केंद्र शुरू

कोटद्वार : कोटद्वार में लंबे समय से अटका हुआ पासपोर्ट सेवा केंद्र आखिरकार शनिवार को जिला प्रशासन द्वारा पोस्टल विभाग को सौंप दिया गया। इस पासपोर्ट सेवा केन्द्र के लिए सांसद बलूनी ने अपनी सांसद निधि से 12 लाख रुपये भी उपलब्ध कराए थे, जिसके बाद जुलाई में तहसील परिसर में ऑफिस का निर्माण कार्य पूरा हो गया था लेकिन प्रशासनिक उदासीनता के कारण पासपोर्ट ऑफिस पोस्टल विभाग के सुपुर्द नहीं किया जा रहा था। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि अब पासपोर्ट बनवाने के लिए देहरादून या अन्य स्थानों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।

खनन वाहन ने दो लोगों को कुचला

हरिद्वार : कलियर क्षेत्र में शनिवार को हद्दीपुर मार्ग पर अवैध खनन से भरी तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार दो व्यक्तियों को कुचल दिया जिनकी मौके पर ही मौत हो गयी। दोनों की पहचान इब्राहिमपुर निवासी मटरू और चंद्र प्रधान के रूप में हुयी। हादसे के बाद चालक ट्रॉली लेकर फरार हो गया। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शवों को सड़क पर रखकर विरोध कर प्रशासन से मुआवजा और अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

जनवरी तक गठित होंगे भाजपा के सात मोर्चे

देहरादून : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने शनिवार को बताया कि, संगठन के सभी सातों मोर्चों की राज्यस्तरीय टीम को अंतिम रूप दे दिया गया है। 15 जनवरी तक जिले एवं मंडल स्तर पर भी मोर्चा टीम गठित कर ली जाएंगी। उन्होंने विपक्ष द्वारा कुंभ, अर्धकुंभ नाम को लेकर की जा रही बयानबाजी को बेबुनियादी बताते कहा कि सनातन संस्कृति का यह सबसे बड़ा समागम, चाहे छह वर्ष में हो या 12 वर्ष में, इसे कुंभ ही कहा जाता है लिहाजा नाम की शब्दावली में किसी को नहीं पड़ना चाहिए। हमारी सरकार इस बार वहां की व्यवस्था को 12 वर्ष के कुंभ के आधार पर कर रही है।

बीएलएम ने जीती 2025-26 की ट्रॉफी

हल्द्वानी : रामपुर रोड स्थित डीपीएस में आयोजित पीएसए क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे व अंतिम दिन रोमांचक सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले गए। पहले सेमीफाइनल में एवरग्रीन स्कूल ने हेरिटेज स्कूल को हराया, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में बीएलएम अकेडमी ने इंस्पिरेशन स्कूल को मात देकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में बीएलएम अकेडमी ने शानदार खेल दिखाते हुए एवरग्रीन स्कूल को पराजित किया।

धामी सरकार ने घोली गन्ना मूल्य में वृद्धि की मिठास, किसानों को राहत

अगेती एसएपी 405 तो सामान्य प्रजाति का मूल्य 395 रुपये प्रति क्विंटल मंजूर

मुख्य संवाददाता, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को गांधी पार्क, देहरादून में एबीवीपी के 71वें राष्ट्रीय अधिवेशन में पहुंचे प्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं का स्वागत किया।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पेराई सत्र 2025-26 के लिए उत्तराखंड राज्य की चीनी मिलों द्वारा क्रय किए जाने वाले गन्ने के राज्य परामर्शित मूल्य (एसएपी) में वृद्धि को स्वीकृति प्रदान कर दी है। कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य किसानों के आर्थिक सशक्तीकरण को गति देना है और यह सुनिश्चित करना है कि गन्ना किसानों को उनकी उपज का पूर्ण और उचित मूल्य समय पर प्राप्त हो। इसी उद्देश्य के तहत वर्ष 2024-25 की तुलना में इस वर्ष गन्ना मूल्य में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है।

गत पेराई सत्र 2024-25 में अगेती प्रजाति का राज्य परामर्शित मूल्य 375 रुपये प्रति क्विंटल तथा सामान्य प्रजाति का मूल्य 365 प्रति क्विंटल निर्धारित था। मुख्यमंत्री धामी ने बताया कि नए पेराई सत्र 2025-26 के लिए इन मूल्यों में वृद्धि करते हुए अगेती प्रजाति का मूल्य 405 प्रति क्विंटल तथा सामान्य प्रजाति का मूल्य 395 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मूल्य निर्धारण की संपूर्ण प्रक्रिया में सहकारी, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की चीनी मिलों, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग, किसान संगठनों तथा संबंधित हितधारकों के साथ विस्तृत विमर्श किया गया। इसके साथ ही केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित एफआरपी, उत्तर प्रदेश में प्रभावी गन्ना मूल्य तथा राज्य की भौगोलिक एवं कृषि परिस्थितियों का समुचित विश्लेषण कर संतुलित निर्णय लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक निर्णय में किसान हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। गन्ना किसानों की आय बढ़ाना, उनकी उपज का उचित सम्मान सुनिश्चित करना तथा उन्हें सुविधाजनक, पारदर्शी और समयबद्ध भुगतान उपलब्ध कराना राज्य सरकार का दायित्व है। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि क्रय केंद्रों पर किसी प्रकार की असुविधा न हो और भुगतान बिना देरी के सुनिश्चित किया जाए। कहा कि पेराई सत्र 2025-26 के लिए घोषित यह बढ़ा हुआ मूल्य न केवल गन्ना किसानों को राहत देगा, बल्कि राज्य में गन्ना उत्पादन को प्रोत्साहन देने में सहायक सिद्ध होगा।

सीएम ने किया एबीवीपी कार्यकर्ताओं का स्वागत

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को गांधी पार्क, देहरादून में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के 71वें राष्ट्रीय अधिवेशन में देशभर से पहुंचे प्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं का पदयात्रा में पुष्प वर्षा कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। सीएम ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व में आज देश का युवा वर्ग नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। इस दौरान कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, दायित्वधारी सुरेश भट्ट भी मौजूद रहे।

तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है देश: रक्षा मंत्री

- राजनाथ सिंह ने एलबीएसएनएए में सिविल सर्विस के अधिकारियों को दिए सफलता के टिप्स

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में कॉमन फाउंडेशन कोर्स के समापन समारोह में सिविल सर्विस के अधिकारियों को सफलता के टिप्स दिए।

रक्षा मंत्री ने वर्ष 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने के लिए शासन और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच बेहतर समन्वय पर बल दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' और 'सुधार, प्रदर्शन एवं परिवर्तन' के मंत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लक्ष्य को गति देने में सिविल सर्विस के अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। जब वर्ष 2014 में हमारी सरकार बनी थी, तब आर्थिक आकार के मामले में भारत 11वें स्थान पर था। पिछले 9-10 वर्षों में, हम चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। यहां तक कि मॉर्गन स्टेनली जैसी अत्यधिक प्रतिष्ठित वित्तीय फर्म भी अब कहती है कि भारत अगले दो-तीन वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। आप केवल आदर्शवादी संरक्षक नहीं, बल्कि लोगों के सेवक हैं। आप केवल प्रदाता ही नहीं, बल्कि सशक्तिकरण के सूत्रधार भी हैं। आपका चरित्र भ्रष्ट न हो। आपका आचरण सत्यनिष्ठा से परिपूर्ण होना चाहिए। आपको एक ऐसी संस्कृति बनानी होगी जहां सत्यनिष्ठा न तो कोई गुण हो और न ही अपवाद, बल्कि यह दैनिक जीवन का एक सामान्य हिस्सा हो। उन्होंने अधिकारियों से उत्तरदायी और सार्वजनिक जवाबदेही की भावना के साथ कार्य करने का आग्रह किया।

रक्षा मंत्री ने इस बात पर भी बल दिया कि नागरिक सेवकों के रूप में, प्रशिक्षुओं को प्रत्येक नागरिक के साथ सहानुभूति और समझदारी से पेश आना चाहिए। जब अधिकारी समाज के वंचित या कमज़ोर वर्गों के साथ संवाद करते हैं, तो उन्हें यह समझना चाहिए कि लोगों के संघर्ष न केवल उनके प्रयासों से, बल्कि व्यापक सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों से भी प्रभावित होते हैं। यही बात एक प्रशासक को वास्तव में जन-केंद्रित और करुणामय बनाती है।

महिलाएं कैबिनेट सचिवों के पदों तक पहुंचेंगी

रक्षा मंत्री ने सिविल सेवाओं में महिलाओं की निरंतर प्रगति को स्वीकार करते हुए कहा कि नवीनतम यूपीएससी परीक्षा में एक महिला ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है और शीर्ष पांच उम्मीदवारों में से तीन महिलाएं थीं। उन्होंने विश्वास जताया कि, वर्ष 2047 तक कई महिलाएं कैबिनेट सचिवों के पदों तक पहुंचेंगी और भारत की विकास यात्रा का नेतृत्व करेंगी। राजनाथ सिंह ने फाउंडेशन कोर्स को केवल एक प्रशिक्षण मॉड्यूल नहीं, बल्कि एक कुशल, सक्षम और संवेदनशील शासन प्रणाली के निर्माण की प्रतिबद्धता बताया। उन्होंने अधिकारियों से पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन से प्रेरणा लेने का आग्रह किया। इससे पहले, रक्षा मंत्री ने पूर्व पीएम लाल बहादुर शास्त्री और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने अकादमी परिसर में ओडीओपी मंडप का भी उद्घाटन किया।

संबोधन करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह।

पांच हजार रुपये रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: जनपद की तहसील गरुड़ में तैनात डंगोली के पटवारी प्रवीण टाकुली को विजिलेंस टीम ने 5000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एक शिकायत के आधार पर की गई, जिसमें शिकायतकर्ता ने पटवारी पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था।

विजिलेंस अधिकारियों के अनुसार स्यालीस्टेट के एक युवक ने विजिलेंस में शिकायत करते हुए बताया कि स्थानीय पटवारी द्वारा जमीन की पैमाइश के बदले रिश्वत की मांग की जा रही है। विजिलेंस ने शिकायत की प्राथमिक जांच के बाद ट्रैप टीम का गठन किया। योजना के तहत जैसे ही आरोपी पटवारी ने शिकायतकर्ता से रिश्वत की रकम ली, टीम ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। बरामद नगदी को जब्त कर लिया गया है। विजिलेंस विभाग ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है तथा आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। आरोपी से पूछताछ के साथ ही उससे जुड़े अन्य मामलों की भी जांच की जा रही है। इस कार्रवाई से तहसील क्षेत्र में हड़कंप मचा है। विजिलेंस विभाग ने आम जनता से अपील की है कि यदि कोई भी सरकारी कर्मचारी रिश्वत की मांग करता है तो इसकी शिकायत निडर होकर करें।

कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी ने जीएनजी को हराया

हल्द्वानी: अंडर-14 जिला क्रिकेट लीग के शनिवार को कोल्ट्स क्रिकेट ग्राउंड में कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी और जीएनजी क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जीएनजी क्रिकेट अकादमी ने 247 रनों का स्कोर बनाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी की टीम ने 14वें ओवर में 251 रन बनाकर 8 विकेट से मैच जीत लिया।

मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार शानदार बल्लेबाजी के लिए कुनाल सिंह हलसी को दिया गया। अंपायर गौरव नेगी और सौम्य रहे। स्कोरर की भूमिका हरप्रीत सिंह कम्बोज ने निभाई। इस मौके पर जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कमल पपने, आनंद बिष्ट, किशन अनेरिया, निश्चल जोशी, मनोज भट्ट, नरेंद्र अधिकारी, संजय चौधरी रहे।

धनगढ़ी में डिस्पेंसरी फिर स्थापित

संवाददाता, रामनगर

डिस्पेंसरी का शुभारंभ करते निदेशक डॉ. साकेत बडोला ● अमृत विचार

अमृत विचार: कार्बेट टाइगर रिजर्व के ढिकाला में सत्रह साल बाद आखिरकार फिर डिस्पेंसरी शुरू हो चुकी है। जो पर्यटकों एवं वन कर्मियों के लिए अच्छी खबर है। बता दें कि कार्बेट में प्रतिवर्ष लाखों पर्यटक भ्रमण हेतु आते है। कार्बेट टाइगर रिजर्व का प्रसिद्ध जोन ढिकाला पर्यटन जोन दूरस्थ एवं राष्ट्रीय राजमार्ग से 31 किमी0 दूर कोर वन क्षेत्र में स्थित है।

ऐसे दूरस्थ पर्यटन जोन में पर्यटकों एवं वन कार्मिकों के लिए आकस्मिकता के मध्य नजर डिस्पेंसरी मेडिकल सुविधाओं की अति आवश्यकता महसूस की जा रही थी। गौरतलब है कि कार्बेट टाइगर रिजर्व के ढिकाला क्षेत्र में वर्ष 2008 तक डिस्पेंसरी का संचालन किया जाता था। वर्ष 2008 के पश्चात् किन्हीं कारणवश ढिकाला क्षेत्र में डिस्पेंसरी का संचालन नहीं किया जा सका। वर्तमान में डॉ. साकेत बडोला, निदेशक, कार्बेट टाइगर रिजर्व द्वारा क्षेत्र की आवश्यकताओं, बढ़ते पर्यटन और फील्ड स्टाफ की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यथार्थ ग्रुप ऑफ हास्पिटल्स के सहयोग से डिस्पेंसरी को पुनः संचालित किये जाने का निर्णय लिया गया है। डिस्पेंसरी का उद्घाटन डॉ. साकेत बडोला, निदेशक, कार्बेट टाइगर रिजर्व के द्वारा किया गया। क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होने से सुरक्षा, कुशलता एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता में महत्वपूर्ण सुधार होगा। साथ ही इसका लाभ पर्यटकों को भी मिलेगा।

निष्पक्ष जांच को लगाया बड़ा पोस्टर

रामनगर : चर्चित मांस प्रकरण में निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग लगातार तेज होती जा रही है।

शनिवार को रामनगर के लखनपुर चौक में स्थानीय हिंदूवादी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक बड़े पोस्टर के साथ व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाया। इस अभियान में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लेते हुए जांच की मांग का समर्थन किया। पोस्टर में दावा किया गया है कि रामनगर भाजपा कार्यकर्ताओं और हिंदूवादी संगठनों पर लगाए गए आरोप झूठे हैं, इसलिए धारा 307, 109 सहित हत्या के प्रयास से जुड़े मुकदमों को वापस लिए जाने और निरस्त करने की मांग की गई है। आयोजकों का कहना है कि जब तक मामले की जांच सामने नहीं आती, वे जनसमर्थन जुटाने का प्रयास जारी रखेंगे।

विद्युत विभाग के अधिकारी शिविर में उपभोक्ताओं की शिकायत सुनते हुए।

विद्युत विभाग ने लगाया शिकायत निवारण शिविर

हल्द्वानी, अमृत विचार : अंबेडकर पार्क और ट्रांसपोर्ट नगर में विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने के लिए शनिवार को शिविर का आयोजन किया। इस दौरान कुल 14 शिकायतें आईं, जिन शिकायतों का बिजली विभाग के अधिकारियों ने मौके पर ही समाधान किया। शिविर में एसडीओ शोभा जोशी सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। विद्युत विभाग के ग्रामीण क्षेत्र के ग्रामीण ईई एसके गुप्ता ने बताया कि यह शिविर उपभोक्ताओं को उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगाया गया है। हमारे प्रयास हैं कि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। ऐसे शिविर लगातार आयोजित किए जा रहे है, ताकि हर उपभोक्ता जागरूक रह सके।

बेरीपड़ाव क्षेत्र में सोलर लाइटें लगीं

हल्दूचौड़: क्षेत्र पंचायत सदस्य राजेन्द्र चन्द्र दुर्गापाल ने क्षेत्र पंचायत निधि से प्राप्त सोलर लाइटों को ग्राम पंचायत दुर्गापालपुर परमा, नाथूपुर चौवाल, हिम्मतपुर चौवाल बेरीपड़ाव के व ग्रामों में स्थापित कराया है। ये लाइटें प्रकाश के लिए सार्वजनिक स्थानों पर लगाई गईं।

सोलर लाइटों की स्थापना के इस कार्य के लिए ग्रामवासियों ने क्षेत्र प्रमुख मंजू गौड़, खण्ड विकास अधिकारी तनवीर असगर और क्षेत्र पंचायत सदस्य राजेन्द्र चन्द्र दुर्गापाल के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों का कहना है कि सभी गांवों में सर्वांगीण विकास, सुरक्षित परिवेश और सुख-शांति सुनिश्चित करना ही सामूहिक संकल्प है, और इस तरह की पहलें गांव की सुविधाओं को मजबूत बना रही हैं।

सेफ्टी सेमिनार में अफसरों ने दिए कई अहम सुझाव

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: यहां आयोजित ऑपरेटिंग सेफ्टी सेमिनार में पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर के प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक अनूप कुमार सतपंथी ने रेलवे स्टेशन के विभिन्न विभागों के कर्मचारी एवं अधिकारियों को संरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की तथा दिए गए सुझावों को गंभीरता से लेने का आह्वान किया।

इस दौरान रेलवे स्टेशन के सुरक्षा उपकरणों की जांच की गई और यात्रियों को नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से जागरूक भी किया गया। रेलवे स्टेशन के रनिंग रूम में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक अनूप कुमार सतपंथी ने कहा कि ऑपरेटिंग से जुड़े विभागों के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को सदैव सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कर्मचारियों की समस्याओं के तत्काल समाधान हेतु संबंधित विभागों को निर्देश भी दिए। इस अवसर पर एनसीसी के छात्रों द्वारा स्टेशन परिसर में नुक्कड़ नाटकों का आयोजन कर यात्रियों को जागरूक किया गया।

संगोष्ठी को संबोधित करने वालों में वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक विजय कुमार यादव, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक द्वितीय अरिजीत सिंह, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी डॉ. हरीश रेडतौलिया, मंडल परिचालन प्रबंधक सामान्य जगदीप, एके पांडे आदि रहे।

सेवानिवृत्ति पर गणेश पांडे को दी विदाई

हल्द्वानी : राजकीय मेडिकल कॉलेज, हल्द्वानी में वरिष्ठ सहायक के पद पर स्थायी रूप से सेवाएं दे रहे गणेश दत्त पांडे की सेवानिवृत्ति हो गई। उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर उन्हें विदाई दी गई। प्राचार्य डॉ. जी.एस. तितियाल ने कहा कि कोटाबाग के मूल निवासी पांडे ने संस्थान में अत्यंत कर्मठ, निष्ठावान एवं ईमानदार कर्मचारी के रूप में अपनी पहचान बनाई। एमएस डॉ. अरुण जोशी ने कहा कि उनका लंबा कार्यकाल केवल समय का हिसाब नहीं, बल्कि संस्थान की प्रगति यात्रा का अनमोल हिस्सा रहा है। इस दौरान चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. अजय आर्या, डॉ. आरजी नौटियाल, डॉ. साधना अवस्थी, डॉ. भावना श्रीवास्तव, वित्त नियंत्रक सूर्य प्रताप सिंह, पारितोष पंत, पुनीत अग्रवाल रहे।

छात्राएं सड़क पर, फुटपाथ पर हो गया अवैध कब्जा

कालाढूंगी रोड पर सड़क पर चलने को विवश जीजीआईसी की छात्राएं। ● अमृत विचार

- कालाढूंगी रोड पर जीजीआईसी के सामने फुटपाथ पर कब्जा
- स्कूल आने-जाने वाली छात्राएं सड़क पर चलने को मजबूर

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: कालाढूंगी रोड स्थित जीजीआईसी के बाहर फुटपाथ पर दुकानदारों, फड़ और ठेले वालों का अवैध कब्जा है। स्कूल आते और जाते समय छात्राओं को कालाढूंगी रोड पर वाहनों के बीच बचकर इसलिए चलना पड़ता है क्योंकि प्रशासन और नगर निगम की आंखों के सामने लोगों ने अवैध कब्जा करके अपनी दुकान सजा दी हैं। मजे की बात है कि यहां से रोजाना ही बड़े सरकारी अधिकारियों का आना-जाना रहता है लेकिन किसी की नजर यहां नहीं पड़ती या फिर नजर पड़ने के बाद भी आंखें बंद कर ली जाती हैं।

शनिवार अपरान्ह साढ़े तीन बजे जीजीआईसी की छुट्टी हुई। अब होने को स्कूल के बाहर फुटपाथ है। छात्राओं को इस फुटपाथ पर चलकर ही घर जाना चाहिए लेकिन छात्राएं जाएं कैसे। स्कूल के मुख्य गेट के बाहर पहले तो फुटपाथ पर ठेले और फड़ वालों का कब्जा है। उसके बाद जैकेट बेचने वालों ने कब्जा कर लिया है। बहुत ही तामझाम और धड़ल्ले के साथ पूरे फुटपाथ पर कब्जा करके दुकानें सजा दी गई हैं। इसके बाद एक और दुकानदार हैं जिन्होंने पूरी तरह से फुटपाथ पर कब्जा कर रखा है। आगे जाने पर पुराने बाजपुर बस अड्डा पर फुटपाथ पर दुकानदारों ने अपने होर्डिंग लगा रखे हैं। फुटपाथ है लेकिन इसका इस्तेमाल अवैध कब्जे वाले कर रखे हैं। मजे से दुकानें चलाई जा रही हैं। सड़क पर चलने से किसी छात्रा के साथ कोई दुर्घटना हो तो इनकी बला से और रही बात सिस्टम की तो वह निद्रा में लीन है।

स्कूल के आगे होना चाहिए अतिक्रमण मुक्त

हल्द्वानी : छात्राओं के स्कूल के सामने अतिक्रमण कर लिया गया है। अगर अतिक्रमण न हो तो फुटपाथ पूरी तरह से कब्जा रहित रहें। ये हाल केवल यहां के नहीं है बल्कि शहर में अन्य जगह भी फुटपाथ को कब्जाने लोग पहुंच जाते हैं। पता ही नहीं चलता कि फुटपाथ नाम की कोई चीज भी है।

जीजीआईसी के पास सर्दियों में दुकान लगाने के लिए परमिशन दी जाती है। फिर भी हम इसको दिखवा लेंगे।
-पारितोष वर्मा, नगर आयुक्त, हल्द्वानी

दिक्कत रामपुर रोड पर सीवर लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़क एक माह बाद भी नहीं सुधारी, क्षेत्र के व्यापारी मास्क लगाकर कर रहे दुकानदारी

उखड़ी सड़क पर लग रहा घंटों जाम, धूल-मिट्टी से जनता परेशान

संवाददाता, हल्द्वानी

प्रेम टाकीज के पास से सिंधी चौराहे तक सड़क का हाल।

प्रेम टाकीज के पास सड़क के किनारे खड़ी कार पर जमी धूल।

अमृत विचार: रामपुर रोड पर सीवर लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़क पर पिछले एक माह से सीवर लाइन बिछाने का काम चल रहा है। आधी सड़क उखड़ी होने के कारण रोजाना यहां से गुजरने वाले राहगीरों और वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

जगह-जगह बने गड्ढों व उखड़े मार्ग के कारण रोज जाम लग रहा है। धूल और गंदगी के चलते दोपहिया वाहन चालकों सहित स्थानीय दुकानदारों का हाल बेहाल है। धूल के गुबार से परेशान दुकानदार अब मास्क पहनकर दुकानदारी करने को मजबूर हैं। धूल कम करने के लिए सड़क पर पानी डाला जाता था, लेकिन पिछले तीन दिनों से पानी डालना भी बंद कर दिया गया है, जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। इधर पीडब्ल्यूडी के ईई प्रत्यूष कुमार का कहना है कि जल निगम से मेरी बात सड़क को लेकर की गई है, जल निगम का कहना है कि 3-4 क्नेक्शन घरों में अभी बाकी है, जो दो से तीन दिन में पूरे कर लिए जाएंगे। जिसके बाद सड़क में डामरीकरण किया जाएगा।

> धूल इतनी उड़ती है कि बिना मास्क के बैठना मुश्किल हो गया है। खराब सड़क के कारण ग्राहक भी कम आने लगे हैं। हम शिकायत कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। -आदेश कुमार, दुकानदार

> तीन दिन से पानी भी नहीं डाला जा रहा है। दुकान के अंदर तक धूल भर जाती है। पूरे दिन सफाई में ही समय निकल जाता है। -प्रकाश कपूर, दुकानदार

> गड्ढों की वजह से रोज दो-चार गाड़ियां गिरती हैं। गिरने वालों को हमें उठाने तक दौड़ना पड़ता है। धूल मशीनों में भर जाती है, काम करना मुश्किल हो रहा है। -सुरेन्द्र जायसवाल, दुकानदार

> सीवर लाइन का काम जहां-जहां पूरा हो गया है, वहां तो सड़क ठीक हो सकती है। एक महीनें से हम परेशान हैं, सड़क को जल्दी ठीक करना चाहिए। -लबली शर्मा, दुकानदार

रामपुर रोड पर धूल से बचाव को मास्क लगाकर दुकान में बैठ रहे व्यवसायी।

सिटी ब्रीफ

उपनल ने ईवी सिक्स सीटर गोल्फ कार्ट दिया

हल्द्वानी : उपनल देहरादून और हल्द्वानी ने ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक बनबसा को ईवी सिक्स सीटर गोल्फ कार्ट आवंटित किया। उपनल के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी कर्नल आलोक पांडे ने बनबसा जाकर सिक्स सीटर गोल्फ कार्ट को सौंपा। पॉलीक्लिनिक अधिकारी बनबसा कर्नल बिरेन्द्र बहादुर पाल (अप्रा) को विधिवत सौंपा गया। इस वाहन से बनबसा के अन्तर्गत पॉलीक्लिनिक में आने-जाने वाले वयोवृद्ध पूर्व सैनिक एवं उनके आश्रितों को लाभ मिलेगा। इस दौरान स्टेशन कमांडर बनबसा कर्नल आकाश, एडम कमांडेंट ले. कर्नल राना करन सिंह, सीपीओ महेश चन्द्र लोहनी सहित कई लोग मौजूद रहे।

बंसल बने व्यापार मंडल के प्रमुख संरक्षक

हल्द्वानी : राज्यसभा सांसद और भाजपा के राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष नरेश बंसल को प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल उत्तराखंड का प्रमुख संरक्षक बनाया गया है। केन्द्रीय कार्यकारिणी ने संरक्षक विनय गोयल के अनुमोदक पर बंसल को संगठन को यह जिम्मेदारी दी है। संगठन के प्रदेश प्रभारी वीरेंद्र गुप्ता ने बताया कि नरेश बंसल के संरक्षक पद पर नियुक्ति से राज्य के व्यापारी लाभान्वित होंगे और संगठन को मजबूती प्रदान होगी। उनके मनोयन पर संरक्षक विनय गोयल, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष मोंगा, प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र फर्स्वाण, संयोजक धर्म यादव, महानगर अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, देवेश अग्रवाल ने शुभकामनाएं दी हैं।

क्वार्टर फाइनल में पहुंचा टैगोर पब्लिक स्कूल

हल्द्वानी : पीएसए क्रिकेट टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में टैगोर पब्लिक स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंद्रा अकादमी को 140 रन से हराया और सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए टैगोर पब्लिक स्कूल ने 20 ओवर में 200 रन बनाए। टीम के बल्लेबाज आयुष ने नाबाद 50 और मनन ने 46 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। गेंदबाजी में कयान ने इंद्रा अकादमी के 6 विकेट लिए और पूरी टीम को सिर्फ 60 रनों पर ऑल आउट कर दिया। जीत के बाद स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों ने खिलाड़ियों को बधाई दी। टीम के कोच किशोर भंडारी और मैनेजर रमेश चंद्र आर्य ने सेमीफाइनल में बेहतर प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को प्रेरित किया।

पति के खिलाफ मारपीट का मुकदमा कराया दर्ज

हल्द्वानी : घरेलू हिंसा, धन उगाही और जान से मारने की धमकी से परेशान एक महिला ने अदालत में प्रार्थना पत्र देकर अपने पति व ससुराल पक्ष के खिलाफ कार्रवाई और सुरक्षा की गुहार लगाई है। धोबीघाट निवासी मानसी पारछे ने न्यायालय में दायर प्रार्थना पत्र में कहा है कि वह अपने माता-पिता के साथ रह रही है और उसका पति आशीष कुमार लगातार पैसे की मांग कर उसके साथ मारपीट करता है। पीड़िता के अनुसार 21 अगस्त 2025 की सुबह बेटी को स्कूल छोड़ने जाते समय पति ने उससे दो लाख रुपये लाने का दबाव बनाया। असमर्थता पर वापसी के दौरान गाली-गलौज और उसके चरित्र पर आरोप लगाए। ससुराल इन्द्रा कॉलोनी पहुंचते ही पति ने फिर पीटा। आरोप है कि उसकी सास सुषमा लगातार पति को उकसाती है। पीड़िता पहले भी कई बार पैसे मांगकर पति को दे चुकी है। सूचना पर माता-पिता ससुराल पहुंचे तो उनसे भी मारपीट की। पीड़िता ने काठगोदाम थाना व एसएसपी से शिकायत की पर कार्रवाई नहीं हुई। एसएसआई रोहिताश सागर ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बनभूलपुरा स्थित बिलाल मस्जिद के बाहर तैनात पुलिस बल। ● अमृत विचार

मस्जिद के सामने बने इसी पीले रंग के घर में किराए पर रहता है इमाम आसिम।

छतरी चौराहे पर तैनात पुलिस व बाजार जाने वाले रास्ते पर की गई बेरीकेडिंग। ● अमृत विचार

दिन भर चली गहनता से पूछताछ, रात को सभी को छोड़ा गया

दिल्ली बम ब्लास्ट से जुड़ा बताया मामला, बनभूलपुरा में बिलाल मस्जिद के बाहर रहा कड़ा पहरा, दून में डॉक्टर व पिथौरागढ़ की महिला भी आई थी रडार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : बनभूलपुरा शनिवार को एक बार फिर सुर्खियों में आ गया। दिल्ली के बाद देहरादून और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बसे पिथौरागढ़ में दिल्ली धमाकों के तार तलाशने में जुटी जांच एजेंसियों ने इस बार बनभूलपुरा में दबिश दी है। यहां से इमाम मोहम्मद आसिम और इलेक्ट्रीशियन नजर कमाल से पूछताछ की। हालांकि दिन भर गहन पूछताछ और गहमागहमी के बीच देर रात दोनों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। बताया गया कि उनके लैपटॉप और मोबाइल फोन की जांच की जा रही है और जरूरत पड़ने पर पूछताछ के लिए फिर बुलाया जा सकता है।

लगभग डेढ़ साल पहले बनभूलपुरा पूरे देश में चर्चा का विषय बना था। तब यहां एक अवैध अतिक्रमण को ढहाने के बाद हिंसा भड़क गई थी। उपद्रवियों ने गोलियां चलाईं, आगजनी, तोड़फोड़ और पुलिस पर पथराव किया। बनभूलपुरा थाने को मय अधिकारियों के आग के हवाले कर दिया था। तब भी यह आरोप लगे थे कि पूरी हिंसा सुनियोजित थी और इसमें बाहरी ताकतों का हाथ था। इससे पहले बनभूलपुरा के लोगों ने अपना आशियाना खोने के डर से प्रोटेस्ट किया था, जो राष्ट्रीय मुद्दा बना। बनभूलपुरा का नाम इस बार राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे से जुड़ गया है। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के टांडा दड़ियाल का रहने वाला इमाम पिछले करीब ढाई साल से लाइन नंबर आठ बनभूलपुरा स्थित बिलाल मस्जिद के पास किराए के मकान में रहता है। बताया जाता है कि यहां उसकी पत्नी व बच्चे भी रहते हैं। इमाम मस्जिद में बच्चों को दीनी शिक्षा देने के साथ ही नमाज पढ़ाने का काम करता है। जांच एजेंसी ने एसटीएफ और लोकल पुलिस के साथ मिलकर शनिवार तड़के लगभग ढाई बजे कार्रवाई को अंजाम दिया था। उस वक्त आसिम बीवी-बच्चों के साथ सो रहा था। सुबह होने तक एजेंसियों की यह कार्रवाई शहर में चर्चा का विषय बन गई। हालांकि पुलिस किसी अनहोनी की आशंका से भी सतर्क थी। दबिश से पहले पुलिस ने सुरक्षा के इंतजाम पुख्ता कर लिए थे। सुबह होते ही पुलिस ने बनभूलपुरा और बिलाल मस्जिद के पास कड़ा पहरा लगा दिया था।

एलआईयू, एसआईयू समेत तमाम पुलिसिया तंत्र सक्रिय: यह पहला मौका जब राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर हल्द्वानी में इतनी बड़ी कारवाई को अंजाम दिया गया है। इस घटना के बाद से एलआईयू, एसआईयू समेत तमाम खुफिया और पुलिसिया तंत्र पूरे जिले में सक्रिय हो गया है। हालांकि अभी तक इस मामले में कुछ भी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है, लेकिन संदिग्धों की रेकी और कड़ी कर दी गई है। जिले की सीमाओं से लेकर शहर के कई इलाकों में चेकिंग शुरू कर दी गई है।

प्लांटेड चेकिंग के दौरान कार सवारों से सवाल-जवाब करती पुलिस। ● अमृत विचार

घर से मस्जिद तक ही आना-जाना इमाम का

हल्द्वानी : जांच एजेंसी की कार्रवाई से जिस तरह शहर के लोग हैरान हैं, ठीक उसी तरह बनभूलपुरा के लोगों को भी यह समझ में नहीं आ रहा कि अचानक यह क्या हुआ। मस्जिद और आसिम के घर के करीब रहने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि आसिम करीब ढाई साल से मस्जिद में इमाम है। घर मस्जिद से महज 20 कदम की दूरी पर था। बेहद संकरे इलाके वाले इस क्षेत्र में रहने वाला आसिम सिर्फ मस्जिद से घर और घर से मस्जिद ही आता जाता है। वो न तो किसी से फालतू मतलब रखता और न ही किसी के शादी-ब्याह में जाता। कुल मिलाकर उसका सामाजिक दायरा शून्य है और इसी वजह से उसके खिलाफ अचानक हुई कार्रवाई से क्षेत्रवासी हतप्रभ हैं। साथ ही आसिम को भला व्यक्ति बता रहे हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा, भारी पड़ेगी गलती : एसएसपी

हल्द्वानी : पूरे मामले पर एसएसपी का कहना है कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। राष्ट्रीय एजेंसियां जांच कर रही हैं और इस पर कोई भी अपनी व्यक्तिगत राय न बनाए और न ही सोशल मीडिया पर जाहिर करे। पुलिस का सोशल मीडिया सेल 24 घंटे निगरानी कर रहा है। ऐसे में हर समुदाय, हर वर्ग के लोगों से अपील है कि वह न तो किसी प्रकार की अफवाह फैलाएं न ही किसी अफवाह पर ध्यान दें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना स्थानीय पुलिस या डायल नंबर 112 पर दें।

बोले इमाम, पूछताछ के लिए बुलाया था

बनभूलपुरा की बिलाली मस्जिद के इमाम मोहम्मद आसिम ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टिगत मुझे बुलाया गया था। साथ ही मोबाइल फोन और लैपटॉप भी ले गए थे। पूछताछ के दौरान उनके द्वारा पूरा सहयोग दिया गया।

वहीं, इन सबके बीच एक स्थानीय व्यक्ति ने कार्रवाई का खुलकर विरोध तो नहीं किया, लेकिन इतना जरूर कहा कि पुलिस को ऐसे कदम उठाने से पहले स्थानीय सभ्रांत लोगों को विश्वास में लेना चाहिए था। कोई भी कार्रवाई करने से पहले सम्मानित लोगों के साथ बैठक करनी चाहिए थी।

बनभूलपुरा क्षेत्र में चप्पे चप्पे पर सघन चेकिंग

राजपुरा में चेकिंग दौरान महिलाओं से पूछताछ करती महिला पुलिस। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी की हल्द्वानी के बनभूलपुरा में दबिश देकर इमाम और एक इलेक्ट्रीशियन को हिरासत में लेने के बाद रातों-रात नैनीताल जिले का पुलिस फोर्स हल्द्वानी पहुंचा। रात में ही ड्यूटियां बांटी गई और एक कंपनी पीएसी के साथ बनभूलपुरा को अभेद्य किले में तब्दील कर दिया गया। जबकि दिन में बनभूलपुरा से जुड़े राजपुरा इलाके में प्लांटेड चेकिंग शुरू कर दी गई।

शनिवार भोर से पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी, दिल्ली पुलिस, एसटीएफ और लोकल पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में इमाम को हिरासत में लिया गया। पुलिस अधिकारी के मुताबिक नैनीताल जिले के 10 चौकी प्रभारी, एक कंपनी पीएसी, एक डिप्टी एसपी, तीन सीओ, तीन इंस्पेक्टर सहित बड़ी संख्या में सिपाही तैनात किए गए। रेंज कार्यालय और पुलिस मुख्यालय से अतिरिक्त पुलिस बल मुहैया कराया गया। शनिवार सुबह से बनभूलपुरा, टांडा बैरियर, काठगोदाम बैरियर समेत राजपुरा में कड़ा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस ने कुछ रास्तों को बेरिकेडिंग से बंद कर लोगों को एक खास रूट पर भेजा और राजपुरा ले गए। राजपुरा में लोगों ने पुलिस को चेकिंग करते देखा तो सकते में आ गए। सीओ सिटी अमित कुमार के नेतृत्व में एक घंटा राजपुरा में वाहनों की चेकिंग हुई। वहीं बनभूलपुरा थाने में मौलवी के कई करीबियों से पूछताछ हुई।

एक्सयूवी में विदेशी शराब का जखीरा, तस्कर दबोचा

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कोतवाली पुलिस ने विदेशी शराब की बड़ी खेप के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने शुक्रवार देर रात ठंडी सड़क होते हुए रेमण्ड वाली गली में चेकिंग के दौरान एक एक्सयूवी 700 (यूके 04 एजे 7676) को पकड़ा। वाहन के पास खड़े व्यक्ति पर शक होने पर एसआई अनिल कुमार व उनकी टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सिमरन प्रीत (36 वर्ष) निवासी गोविन्दपुरा, सुभाष नगर, हल्द्वानी बताया। वाहन की तलाशी लेने पर पुलिस को डिग्गी, पिछली सीट व उसके नीचे से कुल 25 पेटियां (300 बोतल) अंग्रेजी शराब मिली, जिनमें कई बड़े ब्रांड शामिल थे।

विदेशी शराब के साथ पकड़ा गया आरोपी।

पुलिस के अनुसार आरोपी ने बताया कि वह सोनीपत (हरियाणा) से शराब हल्द्वानी में बेचने के लिए ला रहा था। एसएसआई रोहताश सागर ने बताया कि आरोपी को मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के सामने पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

संदिग्ध हालात में हुई नेपाली श्रमिक की मौत

नैनीताल: बारापत्थर क्षेत्र में राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज के पास बीते शुक्रवार रात नेपाली मूल का मजदूर बेहोश पड़ा मिला। पुलिस ने उसे बीडी पांडे अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी मौत हो गई।

मल्लीताल कोतवाल हेम चंद्र पंत ने बताया कि शुक्रवार रात 8.30 बजे बारापत्थर पुलिस चौकी में तैनात कांस्टेबल मनोज जोशी को सूचना मिली, कि पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास सड़क किनारे एक व्यक्ति बेहोशी की हालत में पड़ा है। सूचना पर कांस्टेबल मनोज जोशी मौके पर पहुंचे। बेहोश व्यक्ति के मुंह से झाग निकल रहा था। कांस्टेबल जोशी ने उसे जिला अस्पताल भर्ती कराया जहां उसकी मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त नाम शेर बहादुर पुत्र धनसूर्य बहादुर, निवासी कालिकोट, मुकुट, नेपाल है। उसकी उम्र करीब 40 है। वो शेरवुड कॉलेज के पास किराए में रह रहा था।

इमाम को लंबी पूछताछ के बाद छोड़ा गया

● मौलाना आसिम के रिश्तेदार बताए गए इमाम नईम और उसकी पत्नी व बेटे से भी पूछताछ

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हल्द्वानी के बाद नैनीताल में भी पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई। पुलिस की ओर तल्लीताल में मस्जिद के इमाम समेत तीन लोगों से आठ घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की गई। हालांकि देर रात सभी को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया।

दिल्ली धमाके के सिलसिले में संदिग्ध लोगों की गिरफ्तारी के बाद नैनीताल से भी इन संदिग्धों के संबंध तलाशे जा रहे हैं। बनभूलपुरा, हल्द्वानी में हिरासत में लिए गए मौलाना आसिम कासमी के संबंध और संपर्क तल्लीताल मस्जिद के इमाम मोहम्मद नईम के साथ होने बताए गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, वह इमाम का भतीजा बताया गया। आला अधिकारियों से मिले निर्देशों के बाद सीओ रविकांत सेमवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम तल्लीताल मस्जिद पहुंची। मस्जिद के समीप पहुंचते पुलिस टीम को इमाम मिला तो पुलिस इमाम को मस्जिद के समीप गेस्ट हाउस में ले गई और कमरा नंबर-1 में पूछताछ शुरू कर दी। वहीं, पुलिस की दूसरी टीम ने इमाम के आवास पर उसकी पत्नी से भी पूछताछ की जबकि थाने में उसके एक बेटे से भी पूछताछ की गई। इमाम के साथ शनिवार दोपहर 12 बजे से शुरू हुआ पूछताछ का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। उधर, पुलिस, डॉग स्क्वाड और बम निरोधक दस्ते ने भी तल्लीताल मस्जिद क्षेत्र में छानबीन की। चेकिंग और इमाम से पूछताछ से क्षेत्र में हड़कंप मचा रहा। सीओ रविकांत सेमवाल ने बताया कि हल्द्वानी से पकड़ा गया इमाम, तल्लीताल मस्जिद के इमाम नईम का भतीजा है, जो पिछले एक साल से इमाम के संपर्क में था। इमाम, उसकी पत्नी और बेटे ने कुछ बातें बताईं। गहनता से पूछताछ के बाद सभी को छोड़ दिया गया है।

नैनीताल में मस्जिद के बाहर तैनात पुलिस के जवान। ● अमृत विचार

जनसुनवाई | कुमाऊं आयुक्त के समक्ष पहुंचे कई मामले, भूमि व संपत्ति संबंधी विवादों का हुआ समाधान

छानबीन कर ही खरीदें घर-जमीन, हो रही है धोखाधड़ी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत ने कैंप कार्यालय हल्द्वानी में जनसुनवाई की। इस दौरान भूमि विवाद, धोखाधड़ी से धनराशि हड़पने, अवैध निर्माण, टीसी दिलवाने जैसे मामलों पर कार्रवाई की गई।

जनसुनवाई में रोशनी जंतवाल निवासी सितारगंज ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2014 में 7 बीघा भूमि 27 लाख रुपये में आलम सिंह से खरीदी थी। 11 साल बाद आलम सिंह पंजीकृत भूमि पर काबिज होने के लिए रोशनी को परेशान करने लगा। उन्हें पता चला कि उनके साथ लैंड फ्रॉड किया गया है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद

कैंप कार्यालय में जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्याएं सुनते कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत। ● अमृत विचार

समस्या का समाधान किया गया। छाया नेगी और जीवंती नेगी ने शिकायत की कि हिम्मतपुर तल्ला में प्रॉपर्टी डीलर भूपाल सिंह से भूमि खरीदी थी लेकिन उन्हें वास्तविक भूमि पर कब्जा नहीं मिल पा रहा है। जिस पर मंडलायुक्त ने किसान प्रॉपर्टी डीलर और फरियादी तीनों पक्षों को सुना और फरियादियों को वास्तविक भूमि दिलाने के निर्देश पटवारी को दिए। अनुराधा व अन्य ने शिकायत करते हुए बताया कि उन्होंने साल 2005 में बिल्डर गणेश सिंह राणा से भूमि खरीदी थी लेकिन एग्रीमेंट के अनुसार पेयजल, सड़क, बिजली आदि की सुविधा नहीं दी गई है। साथ ही उनके साथ के कुछ व्यक्तियों को अभी तक अपनी वास्तविक भूमि का भी पता नहीं है। आयुक्त रावत ने पटवारी को निर्देश दिए कि भूमि की पैमाइश करते हुए सभी को उनके वास्तविक प्लॉट्स पर कब्जा दिलाएं।

इसके अलावा महेन्द्र सिंह निवासी पूर्वी खेड़ा ने बताया कि जमीन धोखाधड़ी कर उनकी धनराशि हड़प ली गई है। ठाकुर चन्द्र ने भूमि प्रकरण की समस्या का समाधान कराने का अनुरोध किया। छाया नेगी निवासी हल्द्वानी ने भूखंडों का सत्यापन और भौतिक कब्जा दिलाने का निवेदन किया।

समता आश्रम के 66 वें वार्षिक समता सत्संग सम्मेलन में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

लंगर के साथ दो दिवसीय विशाल सत्संग संपन्न

हल्द्वानी, अमृत विचार : समता आश्रम में दो दिवसीय विशाल सत्संग शनिवार को सम्पन्न हुआ। सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित सत्संग में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। सत्संग में मुख्य वक्ताओं चन्द्र प्रकाश कशल, पदम अवतार, प्रदीप कक्कड़, विकास सचदेवा व अशोक सडाना ने सतगुरु के स्वरूप, उनकी शिक्षा व ईश्वर भक्ति पर विचार रखे। प्रवचन के उपरांत महाआरती का आयोजन किया गया। जिसके बाद विशाल लंगर का आयोजन हुआ, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में इन्द्र मोहन, राजीव मल्होत्रा, बालकिशन, संजय राजपाल, चेतन आसवानी, अर्चना गुलाटी, खुशी आसवानी, चेष्टा सडाना, सरोज अरोड़ा सहित अनेक सेवादारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगत समतावाद के मुखी सेवादार अशोक सडाना व सेवादार देवानंद सिंघी ने सभी भक्तों, वक्ताओं व सहयोगियों का धन्यवाद किया।

युवक की मौत मामले में चालक पर मुकदमा

हल्द्वानी : हल्द्वानी-भीमताल मोटर मार्ग पर मोटरसाइकिल दुर्घटना में गेठिया (ज्योलीकोट) निवासी एक युवक की मौत हो गई। मृतक की माता किरन गैड़ा ने थाना काठगोदाम में तहरीर देकर बाइक चालक पर मुकदमा दर्ज कराया है।

पीड़िता के अनुसार उनका पुत्र ऋषभ गैड़ा पुत्र स्व. कुन्दन सिंह गैड़ा बीते 25 अक्टूबर की रात साढ़े 11 बजे बाइक संख्या यूके 04 एएच 5029 में पीछे बैठा था। हल्द्वानी-भीमताल मार्ग पर गुलाब घाटी पहुंचते ही बाइक चालक ने वाहन को काफी तेज व लापरवाही से चलाया। जिससे बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में घायल ऋषभ को डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल में मृत घोषित कर दिया। काठगोदाम थानाध्यक्ष विमल मिश्रा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , रविवार,30 नवंबर 2025

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

ग्राम पंचायत जंगलिया गांव में लगाई चौपाल

भीमताल : राजस्व विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। ग्राम पंचायत जंगलिया गांव के पंचायत घर में आयोजित शिविर का उद्घाटन ग्राम प्रधान राधा कुल्याल ने किया। उन्होंने इस तरह के शिविरों का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। उप राजस्व निरीक्षक चंद्रा गोस्वामी ने लोगों से अपने दस्तावेज यथा समय बनाने तथा ठीक करवाने को कहा। पट्टी चांफी की उप राजस्व निरीक्षक पूजा चौधरी ने मलुवा ताल तथा हेम चंद्र जोशी के ढुंग शिल में चौपाल लगाकर लोगों को जानकारी दी। इस अवसर पर त्रिलोक सिंह कुल्याल, चंद्र बल्लभ पलड़िया, जगदीश चंद्र भट्ट उमेश चंद्र शर्मा खुशाल सिंह पोखरिया बीरेंद्र सिंह कुल्याल रहे।

एमबीपीजी में एनसीसी ने लगाया रक्तदान शिविर

हल्द्वानी : एमबीपीजी में शनिवार को एनसीसी की तीनों इकाइयों 78 यूके एनसीसी बटालियन, 24 एनसीसी गर्ल्स बटालियन व 1 यूके एयर एनसीसी बटालियन ने संयुक्त रूप से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. एनएस बनकोटी ने किया। शिविर में कुल 40 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। प्रो. बनकोटी ने रक्तदान को मानव सेवा का सर्वोत्तम कार्य बताते हुए सभी को नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर नशा मुक्ति अभियान भी चलाया गया और लोगों से नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया।

हरमन माइनर कॉलेज में रक्तदान शिविर आयोजित

भीमताल : हरमन माइनर डिग्री कॉलेज भीमताल शिक्षण संस्थान में एचडीएफसी बैंक एवं स्वर्गीय बाल किशन देवकी जोशी चौरिटेबल ब्लड सेंटर हल्द्वानी के सौजन्य से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि भवाली व्यापार मंडल के अध्यक्ष नरेश पाण्डेय, संस्थान की प्राचार्या डॉ. मुक्ता एवं एसओएस विल्ड्रेन विलेज के प्रभारी आशीष सिंह ने दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। व्यापार मंडल अध्यक्ष पाण्डेय ने भी रक्तदान किया। उन्होंने संस्थान में पढ़ रही गरीब और जरूरतमंद छात्राओं की शिक्षा के लिए एक लाख की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। शिविर में 25 रक्त यूनिट से अधिक रक्त एकत्र किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. बीना नेगी चौधरी, राजेन्द्र सिंह खाती, गणेश चन्द्र, शीतल सिह मौर्य शालिनी भारती, मुकेश आर्य, डॉ. बिनीता राय, पूजा आर्या डॉ. मंजू नेगी, डॉ. दीपक देशवाल, डॉ. भारती डॉ. सुषमा सिंह, नेत्र प्रसाद गौतम व नितिन भगवाल, भुवन और दीपा रहे।

बादलों का आना-जाना लगा रहा, लेकिन ताप पर नहीं पड़ा असर, शाम ढलते ही कड़ाके की ठंड हुई शुरू

सरोवर नगरी में तीखी धूप के साथ सर्द हवाओं का जोर

- अभी मौसम शुष्क रहेगा, रात के तापमान में आएगी गिरावट

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : सरोवर नगरी में शनिवार को मौसम बेहद सुहावना रहा। चटख धूप पूरे दिन खिली रही। नगर के मौसम में मामूली उछाल आया है।

नगर में दिन के समय चटख धूप निकल रही है और तेज धूप में बैठना असहनीय हो रहा है। हालांकि दिन में बादलों का आना-जाना लगा रहा, लेकिन ताप पर असर नहीं पड़ा। मगर शाम ढलते ही तीखी ठंड पड़ने लग रही है। लोग हीटर व आग के सहारे ठंड से राहत पा रहे है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन रात के तापमान में अधिक गिरावट रहने से ठंड बढ़ेगी।

शनिवार को नैनीताल में खिली चटख धूप। ● अमृत विचार

जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 21 व न्यूनतम 10 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इधर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तापमान में भारी गिरावट बनी हुई है, जो चार डिग्री तक पहुंच रहा है।

हल्द्वानी का मुक्तेश्वर के मौसम से मुकाबला

हल्द्वानी : दिन के समय पहाड़ से लेकर मैदान तक तापमान में उछाल आया है। हालांकि रात के समय तापमान में काफी गिरावट आ रही है। हल्द्वानी में अधिकतम तापमान 27 .2 डिग्री रहा जो सामान्य से दो डिग्री ज्यादा है। इसके अलावा रात को न्यूनतम तापमान 5 .3 डिग्री रहा जो सामान्य से तीन डिग्री कम है। दिन के समय चटख धूप से जहां लोगों को गुनगुने मौसम का अहसास हो रहा है तो वहीं, रात को ठिठुरन बढ़ रही है। मुक्तेश्वर में अधिकतम तापमान 20 .2 डिग्री रहा। यहां दिन के समय अच्छी धूप निकल रही है। हालांकि रात को तापमान 4 .8 डिग्री रहा है। हल्द्वानी में रात के समय पहाड़ की तरह ही तापमान दर्ज हो रहा है।

विभा को गूगल से मिला 54.84 लाख का ऑफर

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल कैंपस ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट प्लेसमेंट परंपरा को कायम रखते हुए नया इतिहास रच दिया है। 2025 बैच के छात्रों को अमेजन, वीज़ा, डेलॉइट, इन्फोसिस जैसे प्रतिष्ठित मल्टी नेशनल कंपनियों में प्लेसमेंट के बाद अब 2026 बैच के छात्रों ने सीनियर्स का रिकॉर्ड तोड़ते हुए बेहतर प्रदर्शन किया है। विशेष बात यह है कि यह उपलब्धियां छात्रों के अंतिम वर्ष के आधे से भी कम समय में हासिल हुई हैं।

विभा चंदोला।

बीटेक सीएसई (2022-26) बैच की छात्रा विभा चंदोला ने गूगल से 54.84 लाख रुपये का प्रतिष्ठित प्री-प्लेसमेंट ऑफर प्राप्त कर यूनिवर्सिटी का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। विभा, हल्द्वानी के हिम्मतपुर में पहती हैं। उनके पिता गणेश दत्त चंदोला सेना से रिटायर है। इसी बैच की छात्रा गुंजन भनवाल को वैश्विक कंपनी एटलैसियन से 66.01 लाख का प्रस्ताव मिला, जो 2026 बैच की प्लेसमेंट की शुरुआत में ही रिकॉर्ड साबित हुआ। वहीं अल्मोड़ा की वैष्णवी करायत को बैंक ऑफ न्यूयॉर्क से 22 लाख तथा रानीखेत की दिव्या शाह को जेपी मॉर्गन चेस से 19.75 लाख का ऑफर प्राप्त हुआ। भीमताल कैंपस के 2026 बैच के अब तक 125 से अधिक छात्र प्लेस्ड हो चुके हैं। जिनमें से 60 छात्रों ने इन्फोसिस में स्थान प्राप्त किया है।

रामनगर में राज्य कर विभाग ने पकड़ी तीन करोड़ रुपये की अघोषित बिक्री

विभाग ने रद्द पंजीकरण के बाद भी कारोबार करने वाले व्यापारियों पर शिकंजा कसा

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: राज्य कर विभाग ने कमिश्नर के निर्देशों पर एक साथ कई मोर्चों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए जीएसटी टैक्स चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के कई गंभीर मामलों का खुलासा किया। छोई स्थित राज्य कर कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सहायक राज्य कर आयुक्त अनिल कुमार सिन्हा ने इस कार्रवाई की विस्तृत जानकारी साझा की।

सहायक आयुक्त ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से विभाग को टैक्स चोरी, गलत जीएसटी रिटर्न, अवैध कारोबार और पंजीकरण रद्द होने के बाद भी व्यापार जारी रखने की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। व्यापक जांच के बाद कई गंभीर तथ्य सामने आए हैं, जिन पर विभाग ने तुरंत सख्त कदम उठाए। जांच में पाया गया कि मनरेगा के तहत सरकारी भुगतान प्राप्त करने के बाद कई लोगों ने

राज्य कर आयुक्त अनिल कुमार सिन्हा।

टैक्स जमा ही नहीं किया। ऐसे 10 व्यापारियों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं और बाकी मामलों की जांच जारी है।

विभागीय टीम ने रामनगर परिक्षेत्र के एक आभूषण व्यापारी के प्रतिष्ठान पर छापेमारी की। जांच में सामने आया कि व्यापारी ने करीब 3 करोड़ रुपये की अघोषित बिक्री की थी। मौके पर ही व्यापारी से दो लाख रुपये टैक्स के रूप में जमा कराए गए, जबकि शेष कर देयता 15 दिनों के भीतर जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग इस मामले में आगे की कार्रवाई जारी रखे हुए है।

राज्य कर विभाग ने यह भी बताया कि पिछले महीने क्षेत्र की कई निर्माणाधीन इकाइयों में टैक्स चोरी पकड़ी गई। इन इकाइयों से लगभग 3 करोड़ रुपये का टैक्स रिवर्स कराया गया है। 22 सितंबर 2025 को जीएसटी में हुए बदलाव के बाद विभाग ने होटल और रिजॉर्ट की जांच तेज कर दी है। जांच में होटल-रिजॉर्ट संचालकों से 53.01 लाख रुपये रिवर्स टैक्स वसूला गया। एक रिजॉर्ट से 5 लाख रुपये टैक्स जमा कराया गया, 5 रिजॉर्ट संचालक ऐसे पाए गए जो लंबे समय से संचालन कर रहे थे, लेकिन जीएसटी टैक्स नहीं जमा कर रहे थे। इन सभी पर कार्रवाई का सिलसिला शुरू हो चुका है। विभाग की छानबीन में यह भी सामने आया कि कई व्यापारी जीएसटी रजिस्ट्रेशन निरस्त होने के बाद भी व्यापार कर रहे थे। ऐसे व्यापारियों की सूची तैयार हो चुकी है और उनकी जांच तेजी से की जा रही है। एक अन्य व्यापारी ऐसा मिला जो तीन करोड़ से अधिक का व्यापार कर रहा था, लेकिन दस्तावेजों में भारी अनियमितताएं और टैक्स से बचाव सामने आया। विभाग ने इस व्यापारी को भी नोटिस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

सहायक आयुक्त अनिल कुमार सिन्हा ने स्पष्ट कहा कि टैक्स चोरी करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। विभाग अब आकस्मिक छापेमारी तेज करेगा।उन्होंने कहा कि बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन, रिज़ॉर्ट संचालन और अन्य व्यापारिक क्षेत्रों में टैक्स चोरी के हर मामले में कठोर दंडात्मक कार्रवाई होगी। सभी मामलों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेजी जा रही है। इस पूरी कार्रवाई के बाद रामनगर के व्यापारिक समुदाय में बड़ी हलचल मच गई है।

वन्य जीवों की सुरक्षा को लेकर किया रूट मार्च

वन गुर्जरों के खत्तों में जांच करते वन कर्मी। ● अमृत विचार

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: कार्बेट टाइगर रिजर्व कालागढ़ के एसडीओ बिन्दर पाल,तराई पश्चिम वन प्रभाग के एसडीओ सन्दीप गिरी एवं अंशुमान मित्तल उप-प्रभागीय वनाधिकारी नगीना के संयुक्त नेतृत्व में कार्बेट टाइगर रिजर्व व सुरक्षा इकाई, तराई पश्चिमी वन प्रभाग एवं अमानगढ़ टाइगर रिजर्व व बिजनौर-नजीबाबाद वन प्रभाग के वन-अधिकारियों-कर्मचारियों ने शीतकाल के अन्तर्गत वन एवं वन्यजीव सुरक्षा सुदृढीकरण और मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम के लिए एक संयुक्त रूट मार्च किया गया।

ढेला व झिरना रेंजान्तर्गत गुर्जरों के डेरों की मेटल डिटेक्टर के माध्यम से चेकिंग की गयी। पीलर चौकी, शिकारीकुंआ, झुल्लूमोड वन क्षेत्रों की गश्त करते हुए तराई पश्चिमी वन प्रभाग के गूलरघट्टी क्षेत्रान्तर्गत अवस्थित गूजर डेरों की एवं उत्तर-प्रदेश राज्य के अमानगढ टाइगर रिजर्व क्षेत्रान्तर्गत गूजर डेरों की मेटल डिटेक्टर के माध्यम से चेकिंग की गयी। दक्षिणी सीमा पर विविध ग्रामों केहरीपुर, कल्लूवाला, धारा, मालौनी, मीरापुर में जनसम्पर्क अभियानों का आयोजन कर ग्रामीणों के साथ संवाद किया गया। एसडीओ बिन्दर पाल, एसडीओ सन्दीप गिरी, एसडीओ अंशुमान मित्तल, रेंजर नन्दकिशोर रूवाली, वन दारोगा नवीन पपने, महेश जोशी रहे।

कामरेड राजा बहुगुणा को दी अंतिम विदाई

लालकुआं: पार्टी कार्यालय बिंदुखत्ता में सोमवार को कामरेड राजा बहुगुणा को सैकड़ों लोगों ने भावपूर्ण और क्रांतिकारी माहौल में अंतिम विदाई दी। यात्रा से पूर्व पार्टी कार्यालय में कामरेड राजा बहुगुणा के राजनीतिक, सामाजिक और जनांदोलनकारी जीवन पर संक्षिप्त चर्चा की गई। उनके संघर्षशील जीवन को स्मरण करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया।

अंतिम यात्रा विद्युत शवदाह गृह, रानीबाग के लिए रवाना हुई, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने उन्हें अलविदा कहा।इस अवसर पर विभिन्न जनसंगठनों, राजनीतिक दलों, सांस्कृतिक मंचों और सामाजिक संस्थाओं से जुड़े अनेक नेताओं, बुद्धिजीवियों और कार्यकर्ताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। भाकपा माले के संजय शर्मा, राजेन्द्र प्रथोली, माले राज्य सचिव इंद्रेश मैखुरी, गिरिजा पाठक, बहादुर सिंह जंगी, उपपा अध्यक्ष पीसी तिवारी, प्रभात ध्यानी, कमला पंत, शिक्षाविद नंद नंदन पांडे, जसम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जहूर आलम, इतिहासकार शेखर पाठक, पूर्व विधायक नारायण सिंह जंतवाल, साहित्यकार अशोक पांडे, प्रो. उमा भट्टके अतिरिक्त परिवार से उनकी पत्नी रेखा, भाई राजीव बहुगुणा, पुत्री संयुक्ता आदि रहे।

रैली के दौरान मौजूद इनरव्हील क्लब हल्द्वानी की पदाधिकारी। ● अमृत विचार

इनरव्हील क्लब हल्द्वानी ने नारी सशक्तिकरण के लिए निकाली रैली

हल्द्वानी, अमृत विचार : नारी सुरक्षा, नारी सम्मान एवं नारी के प्रति हिंसा को रोकने के लिये इनरव्हील क्लब हल्द्वानी ने जागरूकता अभियान चलाया। एसोशिएसन प्रेसिडेंट ज्योति महीपाल एवं डिस्ट्रिक्ट 311 की चेयरमैन डॉ. सुरुचि के निर्देशानुसार क्लब की सभी सदस्याओं ने रैली निकाली। प्रेसिडेंट मधुर अग्रवाल, सचिव निवेदिता पांडे के साथ क्लब की सदस्यों नें महिला सशक्तिकरण पर पोस्टर्स और सेल्फी प्वाइंट बनाया। इस प्रोजेक्ट में मधुर, निवेदिता पांडे, दीपा तिवारी, इंदू पांडे, नीरजा बोरा, सुशीला भाकुनी, शशि खंडेलवाल, राशि कौशल, रितु त्यागी, किरन भट्ट, रीता अग्रवाल, रेखा दर्मवाल, प्रीति दर्मवाल, द्रौपदी गोयल एवं निधि सत्यवली उपस्थित रहीं।

फेरी वाले बेच रहे खराब सामान, लोग भी परेशान

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: भीमताल में जाड़े की शुरुआत होते ही मैदानी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में फेरी लगाने वाले मोटरसाइकिल और अन्य वाहनों से भीमताल एवं आसपास के क्षेत्रों में पहुंच रहे हैं। ये लोग सस्ते दाम बताकर निम्न गुणवत्ता का सामान बेच रहे हैं। ऐसा ही एक मामला हाल ही में भीमताल में देखने को मिला।

एक फेरी वाला अपनी मोटरसाइकिल में पांच से छह कट्टे चावल लेकर भीमताल पहुंचा और स्थानीय लोगों को एक विशेष किस्म का चावल बताकर उन्हें कम गुणवत्ता वाला, सस्ते दाम का चावल बेच गया। इसके बाद वह कई दिनों तक दिखाई नहीं दिया। लेकिन जब वह दोबारा भीमताल में देखा गया तो स्थानीय लोगों ने उसे घेर लिया और इस संबंध में व्यापार मंडल अध्यक्ष पंकज जोशी को सूचित किया। सूचना मिलते ही व्यापार मंडल अध्यक्ष मौके पर पहुंचे और उससे फेरी लगाने के वैध कागजात दिखाने को कहा, परंतु वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस को बुलाकर मामला उनके सुपुर्द कर दिया गया।

मामले में अध्यक्ष, प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल पंकज जोशी का कहना है कि फेरी लगाने वाले घटिया माल देकर लोगों को ठग रहे हैं। वहीं ब्रांडेड सामान रखने वाले व्यापारियों को नुकसान हो रहा है। अध्यक्ष, सशक्त एकता उद्योग व्यापार मंडल मनोज दुर्गापाल का कहना है कि फेरी लगाने वाले पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। घटिया सामान बेचने के बाद इनका कोई अता-पता नहीं रहता।

रजत जयंती पर चमके विरासत के रंग

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: भीमताल स्थित लेक्स इंटरनेशनल स्कूल में इस वर्ष विद्यालय की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती समारोह विरासत का भव्य आयोजन किया गया। विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और खेल-प्रदर्शनों ने विद्यालय परिसर को उल्लाससे भर दिया।

लेक्स इन्टरनेशनल स्कूल में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि।

उद्घाटन सेवानिवृत्त एडमिरल टंडन एवं विद्यालय के प्रथम बैच के मेधावी छात्र डॉ. सलभ अग्रवाल ने संयुक्त रूप से किया। एनसीसी कैडेट्स ने मुख्य अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। शुरुआत कक्षा 12वीं के छात्र हर्षित कुमार की शिव वंदना से हुई। हर्षित ने शास्त्रीय कला-सितार वादन प्रस्तुत किया। छात्रों ने जिम्नास्टिक, जूडो-कराटे, योगासनों तथा अन्य शारीरिक कौशलों का प्रदर्शन किया। प्रधानाचार्य एसएस नेगी ने विद्यालय की 25 वर्षों की यात्रा, उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया। प्रथम बैच के टॉपर डॉ. सलभ अग्रवाल ने अपने अनुभव साझा किए। मुख्य अतिथि एडमिरल टंडन ने कार्यक्रम की प्रशंसा की। 10वीं की बोर्ड परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली अर्पिता राणा, 12वीं के टॉपर कुनाल सिंह, सीनियर वर्ग (बालक) में उत्कृष्ट एथलेटिक्स प्रदर्शन करने वाले सौरव सिंह, सीनियर बालिका वर्ग में पल्लवी सिंह चौहान, जूनियर बालक वर्ग के विजेता संजीब चौधरी, जूनियर बालिका वर्ग की खिलाड़ी काव्या सनवाल, ऑलराउंडर पल्लवी सिंह चौहान, आस्था चनौतिया, सागनिक डे, दिव्या भैसोड़ा, श्रुतिकीर्ति वर्मा, गन्धर्व भूषण हर्षित कुमार और विद्यालय के प्रथम बैच के सभी उपस्थित विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विद्यालय के अध्यक्ष श्री अशोक पाल सिंह ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Management

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

नौनिहालों के कार्यक्रमों ने मन मोहा

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: किडजी प्ले स्कूल एवं माउंट लिट्रा जी स्कूल के वार्षिकोत्सव समारोह में नन्हें-मुन्ने बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। इंद्रधनुषी थीम पर आधारित नौनिहालों की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। प्ले ग्रुप के नन्हे कलाकारों ने तारा रम पम गीत पर थिरककर दर्शकों का मन मोहा तो माउंट लिट्रा के बच्चों ने पंजाब व उत्तराखंड की आपदाओं पर आधारित शिक्षाप्रद नृत्य नाटिका पेश की।

माउंट लिट्रा के वरिष्ठ विद्यार्थियों ने छावा की शौर्य गाथा को नृत्य-नाटक के माध्यम से देशभक्ति की भावना जागृत की। मुख्य अतिथि जीएसटी कमिश्नर अनिल कुमार सिन्हा, ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी, ज्येष्ठ प्रमुख संजय नेगी, असिस्टेंट

रामनगर में मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते स्कूली बच्चे। ● अमृत विचार

जीएसटी कमिश्नर अनिल कुमार सिन्हा, डॉ. रवि सहोता ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि शिखा गौतम (प्रधानाचार्या लिटिल स्कॉलर), सिस्टर टेरेसा मसीह (प्रधानाचार्या सेंट जोसेफ), नेकी की दीवार के संयोजक तारा चंद्र घिल्डियाल, अजय प्रकाश (एसटीओ) एवं वरिष्ठ पत्रकार विनोद पपनै रहे। स्कूल प्रबंधक अनीता अग्रवाल, तुषार अग्रवाल एवं शिखर अग्रवाल, स्पर्श अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। प्रधानाचार्या रितु पंत ने विद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी। स्कूल डायरेक्टर स्पर्श अग्रवाल ने सभी सभी का आभार जताया। यहां प्रभजोत साहनी, दिव्या, दीपांजलि थापा, किरण आर्य, रूबी नेगी, आयुषी अग्रवाल, सलोनी अग्रवाल, रक्षंधा, प्रियंका यादव, रश्मि गैरोला, शिवानी डंगवाल रहे।

सेंट जोंस के वार्षिकोत्सव रंगारंग कार्यक्रमों की धूम

नैनीताल : नगर के प्रतिष्ठित सेंट जोंस स्कूल का वार्षिकोत्सव बडे धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान नन्हें मुन्नें बच्चों ने बेहतरीन प्रस्तुति देकर समां बांधे रखा। शैले हाल में मुख्य अतिथि विधायक सरिता आर्या ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद स्कूल के बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। बच्चों ने एक ही मंच पर विभिन्न राज्यों के नृत्य का प्रदर्शन किया। इसमें बच्चों द्वारा असम, मिजोरम, त्रिपुरा, नागालैंड, मेघालय, भारत आदि की संस्कृति को एक मंच पर पेश कर खूब वाहवाही लूटी। इसके बच्चों ने ठंडो रे ठंडो, बैड़ू पाको बारो मासा आदि गीतों पर जमकर डांस किया। स्कूल की प्रधानाचार्या विनीता रावत ने मुख्य अतिथि विधायक सरिता आर्या का शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। प्रधानाचार्या रावत ने सभी अतिथियों का आभार जताया। इस मौके पर स्कूल के प्रबंधक राहुल थॉमस, सांसद प्रतिनिधि गोपाल रावत, मुन्नी तिवारी, अरविंद परिवार, संतोष साह, विक्रम रावत, सभासद, भगवत रावत, गजाला कमाल, शैलेंद्र बर्गली, आशीष बजाज, दीपा चौधरी, मीरा बिष्ट, सनवाल स्कूल के प्रधानाचार्य गिरीश सनवाल समेत अभिभावक व शिक्षिकाएं रहीं।

सेंट जोंस के वार्षिकोत्सव में कार्यक्रम प्रस्तुत करते स्कूल के बच्चे। ● अमृत विचार

ADVERTORIAL

उत्तराखण्ड शासन

देवभूमि रजत उत्सव

यमुना मंदिर (खरसाली)
यमुनोत्री का शीतकालीन निवास

गंगा मंदिर (मुखबा)
गंगोत्री का शीतकालीन निवास

ओंकारेश्वर मंदिर (ऊखीमठ)
केदारनाथ का शीतकालीन निवास

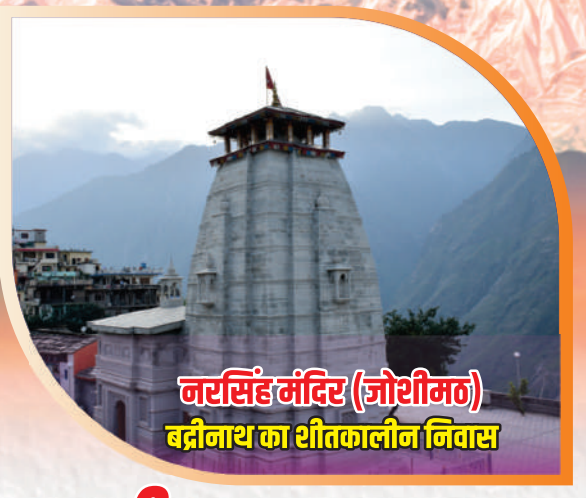

नरसिंह मंदिर (जोशीमठ)
बद्रीनाथ का शीतकालीन निवास

सुलभ मार्ग, दिव्य दर्शन— सर्दियों में भी चारधाम का आशीर्वाद

सर्दियों के दौरान जब हिमपात के कारण चारधाम (यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ) के कपाट बंद हो जाते हैं, तब उनके विग्रह प्रतिमाओं को पारंपरिक डोली यात्रा के माध्यम से नजदीकी शीतकालीन पूजा स्थलों में स्थापित किया जाता है। इन ही मंदिरों में 6 महीनों तक पूजा-अर्चना और दर्शन किए जाते हैं। इसे ही **विंटर चारधाम यात्रा** कहा जाता है। शीतकालीन पूजा के दौरान भक्तगण बिना कठिन पर्वतीय यात्रा के अधिक सुलभ मार्ग से दिव्य दर्शन का सौभाग्य प्राप्त करते हैं। इस अवधि में पारंपरिक डांडियों, ढोल-नगाड़ों की गूंज और स्थानीय सांस्कृतिक परंपराओं का अद्भुत अनुभव श्रद्धालुओं को एक अनोखी आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करता है। साथ ही, आसपास स्थित धार्मिक स्थलों, प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर स्थानों और पर्यटन स्थलों के विशिष्ट आकर्षणों को भी करीब से देखने का अवसर मिलता है। शीतकालीन चार धाम व्यवस्था न केवल आस्था का उत्सव है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था, होमस्टे एवं ग्रामीण पर्यटन को भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देती है, जिससे क्षेत्रीय समुदाय की आजीविका और समृद्धि को नए आयाम मिलते हैं।

“माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम अपने राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अपार संभावनाओं का लाभ उठाते हुए समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य स्थायी नीतियों और रणनीतिक पहलों के माध्यम से राज्य के आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, बुनियादी ढांचे में सुधार करना और नागरिकों की जीवन में गुणवत्ता को बेहतर करना है।”

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

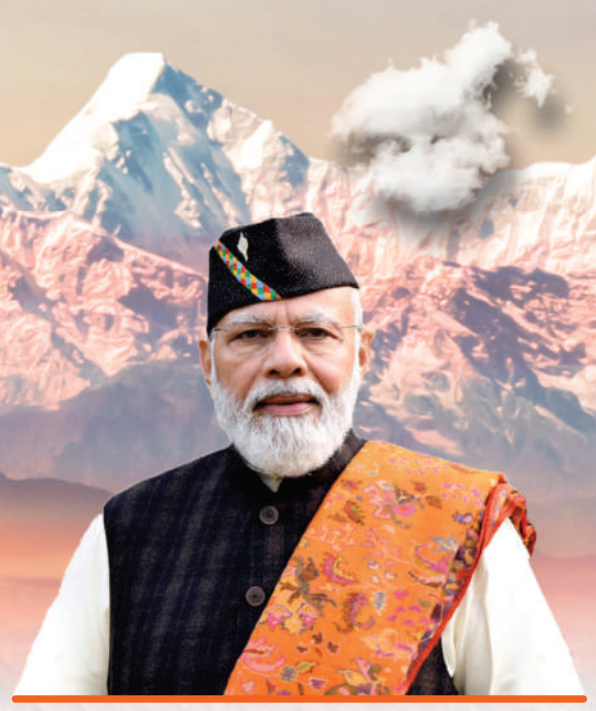

“21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।”

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

प्रकृति की पवित्र पहचान— GI टैग वाले उत्तराखंडी उत्पाद

Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999 के अंतर्गत GI टैग उन वस्तुओं को मिलता है जो **विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र** से आती हैं और जिनमें उस क्षेत्र विशेष की **प्राकृतिक विशेषताएँ, उत्पादन पद्धति या सामाजिक-सांस्कृतिक परंपरा** जुड़ी होती है। GI टैग का मुख्य उद्देश्य है: उस उत्पाद को "सिर्फ उस क्षेत्र का असली संस्करण" बताना, नकली या अन्य स्थानों में बनाये गए समान उत्पादों से उसे अलग करना, और स्थानीय किसानों/कुशल कारिगरों को आर्थिक लाभ देना।

उत्तराखंड के GI-टैग वाले उत्पादों की सूची -

- तेजपात
- बेरीनाग चाय
- मंडुआ
- गहत
- बुरांस का शरबत
- सफ़ेद राजमा
- लीची (रामनगर)
- झंगोरा
- काला भट्ट
- पहाड़ी तोर
- लखौरी मिर्च (अल्मोड़ा)
- रामगढ़ आड़ू
- लाल चावल (पुरोला)
- माल्टा
- बिछुआ

हस्तशिल्प और अन्य उत्पाद

ऐपण कला
पारंपरिक कुमाऊँनी कला

रिंगाल शिल्प
रिंगाल बाँस से बने हस्तशिल्प

टम्टा
ताँबे के उत्पाद

लिखाई लकड़ी की नक्काशी
लकड़ी पर की गई जटिल नक्काशी

थुलमा
एक प्रकार का हस्तशिल्प

भोटिया दान
भोटिया समुदाय की एक हस्तशिल्प वस्तु

नैनीताल मोमबत्ती
नैनीताल में बनने वाली मोमबत्तियाँ

कुमाऊँनी रंगीन पिछौड़ा
पारंपरिक रूपांकनों वाला एक रंगीन कपड़ा

रम्माण मुखौटा
चमोली रम्माण उत्सव में इस्तेमाल होने वाले लकड़ी के मुखौटे

परिवार-सा अपनापन और पहाड़ों सा सुकून-उत्तराखण्ड होमस्टे

उत्तराखण्ड के होमस्टे न सिर्फ़ यात्रियों को पहाड़ों के बीच सुकून भरा ठहराव देते हैं, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए आय का महत्वपूर्ण साधन भी बन रहे हैं। पर्यटक जब किसी गाँव या छोटे कस्बे में होमस्टे में रुकते हैं, तो उन्हें स्थानीय संस्कृति, भोजन, परंपराओं और ग्रामीण जीवन का असली अनुभव मिलता है। वहीं दूसरी ओर, होमस्टे से मिलने वाली कमाई सीधे स्थानीय परिवारों तक पहुँचती है, जिससे उनकी रोज़गार के अवसर बढ़ते हैं। इससे पहाड़ों से पलायन कम होता है, महिलाएँ आत्मनिर्भर बनती हैं और गाँवों की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है।होमस्टे की यह व्यवस्था पहाड़ के हर घर को पर्यटन से जोड़ती है—जहाँ पर्यटक को परिवार जैसा स्नेह मिलता है और स्थानीय लोगों को एक स्थायी आजीविका का मार्ग।

विंटर वंडरलैंड - बर्फ से ढ़के पहाड़ों की गोद में एक यादगार सफ़र

उत्तराखण्ड की सर्दियाँ— रोमांच, अध्यात्म और प्रकृति प्रेम का अद्भुत संगम, बर्फ से ढकी ऊँची पर्वत चोटियाँ, शांत झीलों का निर्मल सौन्दर्य, देवालयों में गूँजती घंटियों की ध्वनि और ठंडी हवाओं का मधुर स्पर्श—सर्दियों में उत्तराखण्ड अपने सबसे खूबसूरत रूप में जीवंत हो उठता है। यह मौसम पहाड़ों की असली आत्मा को करीब से महसूस करने का दुर्लभ अवसर देता है।

जब ऊँचे हिमालयी क्षेत्र बर्फ की सफेद चादर ओढ़ लेते हैं, तब राज्य के कई स्थल एक खास विंटर टूरिज़्म सीज़न के रूप में पर्यटकों का स्वागत करते हैं। विंटर चारधाम पूजा, बर्फीले बुग्याल, रोमांचकारी ट्रेकिंग मार्ग, वॉटर स्पोर्ट्स, पारंपरिक गाँवों में होमस्टे, और सांस्कृतिक उत्सव—हर अनुभव इस यात्रा को यादगार बना देता है।

यह यात्रा केवल आत्मिक शांति और प्राकृतिक सौन्दर्य का उपहार नहीं, बल्कि स्थानीय समुदायों की आजीविका, होमस्टे, और ग्रामीण पर्यटन को नई शक्ति देने वाला अवसर भी है, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और समृद्धि को एक नया रास्ता मिलता है।

मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा उत्तराखंड आने वाले पर्यटकों से आग्रह

सिंगल-यूज़ प्लास्टिक से बचें

हिमालय के शांत परिदृश्यों की खोज करते समय, स्वच्छता को प्राथमिकता दें। पहाड़ों के नाज़ुक पर्यावरण की रक्षा के लिए हमेशा सिंगल- यूज़ प्लास्टिक से बचें।

यातायात नियमों का पालन करें

पहाड़ों में यात्रा करते समय, यातायात नियमों का सख्ती से पालन करें। सतर्क रहें क्योंकि हर जीवन अनमोल है। अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करें और दूसरों की सुरक्षा का सम्मान करें।

वोकल फॉर लोकल

अपनी यात्रा के दौरान, स्थानीय उत्पाद खरीदकर स्थानीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करें। अपने यात्रा खर्च का कम से कम 5% प्रामाणिक स्थानीय वस्तुएँ खरीदने के लिए आवंटित करें।

तीर्थ स्थलों की पवित्रता का सम्मान करें

धार्मिक स्थलों पर जाते समय परंपराओं, रीति- रिवाजों और स्थानीय रीति-रिवाजों का सम्मान करें। इन पवित्र स्थलों की गरिमा बनाए रखें और नियमों को समझने और उनका उचित पालन करने के लिए स्थानीय लोगों से सहायता लें।

अमृत विचार

हल्द्वानी , रविवार,30 नवंबर 2025

रुद्रपुर

मेडिकल कॉलेज की कक्षाओं को जल्द चलाने का प्रयास: विधायक

विधायक शिव अरोरा ने किया निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का भ्रमण, निर्देश दिए

- बोले-4 दिसंबर को मुख्यमंत्री धामी भी कर सकते हैं मेडिकल कॉलेज का भ्रमण

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: विधायक शिव अरोरा ने अधिकारियों के साथ निर्माणाधीन रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान विधायक अरोरा ने सभी निर्माणाधीन ब्लॉकों का भ्रमण गुणवत्ता का जायजा लिया। साथ ही कार्यदायी संस्था को शीघ्रता से निर्माण कार्य संपन्न कराने को कहा। उन्होंने बताया कि 4 दिसंबर को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का रुद्रपुर दौरा प्रस्तावित है। वह स्वयं मेडिकल कॉलेज के निर्माणाधीन स्थल का भ्रमण करने आएंगे।

शनिवार को विधायक शिव अरोरा ने रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज में प्राचार्य गोविंद कुमार व पेयजल विभाग के अधिशासी अभियंता, कार्यदायी संस्था के इंजीनियर, साइड कर्मचारियों के साथ भ्रमण किया। वहीं कार्यदायी संस्था ने मैप के माध्यम से विधायक को जानकारी दी कि एडमिन ब्लॉक, ऑफिस, कक्षा परिसर, होस्टल, लेब ब्लॉक का कार्य प्रगति पर है और निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में है। विधायक अरोरा ने कहा कि मेडिकल कॉलेज आरंभ करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण कार्य नेशनल मेडिकल काउंसिल में रजिस्ट्रेशन करवाना है जिसकी अवधि दिसंबर 2025 तक है।

इसके बाद एमएनसी की टीम जून 2026 में सर्वे के लिए आएगी जो मेडिकल कॉलेज शुरू करने की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव होगा, जिसकी तैयारी तेजी से की जा रही है। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज के लिए 245 नर्सों की नियुक्ति पहले ही हो चुकी है। दिसंबर के दूसरे सप्ताह में 50 एमबीबीएस डॉक्टर की नियुक्ति रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज में हो जाएगी। जिसमे एमडी और एमबीबीएस डॉक्टर मिलेंगे। साथ ही मेडिकल कॉलेज की कक्षा 2026 तक प्रारम्भ करने का हमारा प्रयास है।

मैप के माध्यम से विधायक शिव अरोरा को जानकारी देते कार्यदायी संस्था के अधिकारी। ● अमृत विचार

ये लोग रहे मौजूद

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य गोविंद कुमार, पेयजल अधिशासी अभियंता नवीन नवानी, बंगाली महासभा प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार शाह, पार्षद निमित्त शर्मा, मंडल अध्यक्ष मुकेश पाल, जितेंद्र संधू, शंकर विश्वास, राधेश शर्मा, किरण विर्क, मयंक कक्कड़, मनोज मदान, आदेश भारद्वाज।

अनुशासन ही सफल भविष्य की आधारशिला

- रिवरडेल स्कूल की रजत जयंती में राज्यपाल गुरमीत सिंह ने की शिरकत

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: रिवरडेल इंटरनेशनल स्कूल बाजपुर ने शनिवार को अपने 25 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य रजत जयंती समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर राज्यपाल गुरमीत सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। राज्यपाल ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। हेलीपैड पर एसएसपी मणिकांत मिश्रा और सीडीओ दिवेश शाशनी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने रिवरडेल की 25 वर्ष की यात्रा को समर्पण, अनुशासन और उत्कृष्टता की प्रेरक मिसाल बताया। उन्होंने स्कूली बच्चों की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि ये विद्यालय की सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाते हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, समय के सदुपयोग और सतत परिश्रम पर ज़ोर देते हुए कहा कि यही सफलता की कुंजी है। उन्होंने एआई, रोबोटिक्स और डिजिटल कौशल को भविष्य की आवश्यकता बताते हुए छात्रों को नवाचार और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य परमीन कौर, अध्यक्ष हरमिंदर सिंह बराड़, सचिव जेपी सिधू, पूर्व दर्जा मंत्री राजेश कुमार, हरेन्द्र सिंह लाड़ी, एडीएम पंकज उपाध्याय, एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा, अभय प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में अभिभावक व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रिवरडेल इंटरनेशनल स्कूल में कार्यक्रम पेश करते बच्चे। ● अमृत विचार

स्कूल के वार्षिकोत्सव में मौजूद राज्यपाल गुरमीत सिंह। ● अमृत विचार

गतका को खेलों में शामिल करने की मांग

बाजपुर : उत्तराखंड गतका एसोसिएशन ने राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर पारंपरिक सिख मार्शल आर्ट गतका को उत्तराखंड खेलों की सूची में शामिल करने की मांग उठाई है। एसोसिएशन के अध्यक्ष हरवीर सिंह गिल और महासचिव हरप्रीत सिंह ने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि गतका देश के विभिन्न बड़े खेल आयोजनों खेलो इंडिया गेम्स, नेशनल गेम्स, आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट में पहले से ही शामिल है, जिसमें उत्तराखंड के खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

श्री सिद्धेश्वर नाथ मंदिर के सौंदर्यीकरण की मांग

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: प्रीत विहार फाजलपुर महरौला स्थित श्री सिद्धेश्वर नाथ शिव शक्ति मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने नगर निगम पहुंचकर महापौर विकास शर्मा को एक ज्ञापन सौंपा। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने मंदिर परिसर में फर्श निर्माण, प्रांगण सुधार और सौंदर्यीकरण सहित कई महत्वपूर्ण विकास कार्य नगर निगम के माध्यम से करवाने की मांग की। वहीं महापौर ने सभी मांगों का संज्ञान लेते हुए शीघ्र ही आवश्यक कार्रवाई करने का भरोसा दिया।

शनिवार को मंदिर समिति के सदस्यों ने महापौर से मुलाकात के दौरान बताया कि प्रीत विहार फाजलपुर महरौला क्षेत्र का मुख्य धार्मिक केंद्र शिव शक्ति मंदिर स्थानीय आस्था का प्रमुख केंद्र है। क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु प्रतिदिन यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। वहीं विभिन्न त्यौहारों पर सैकड़ों लोग धार्मिक अनुष्ठानों व कार्यक्रमों में शामिल होते हैं। समिति ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और मंदिर की गरिमा को बनाए रखने के लिए कई विकास कार्य आवश्यक हैं।

प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि मंदिर के मुख्य प्रांगण में 15 गुणा 70 फीट आकार के एक बड़े बरामदे के निर्माण की आवश्यकता है, जिससे भीड़भाड़ के समय श्रद्धालुओं को खड़े होने एवं पूजा-अर्चना में आसानी हो सके। इसके अलावा मंदिर के सामने के खुले प्रांगण और उसके पीछे स्थित टीन-शेड वाले हिस्से में भी टाइलें लगाने की मांग की गई। साथ ही मंदिर प्रांगण में नंदी महाराज की मूर्ति की स्थापना को भी अत्यंत आवश्यक बताया।

महापौर ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि नगर निगम धार्मिक स्थलों के संवर्धन और प्राचीन धरोहरों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शिव शक्ति मंदिर से संबंधित सभी प्रस्तावों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही की जाएगी। ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों और मंदिर परिसर का स्वरूप और अधिक भव्य बनाया जा सके। ज्ञापन सौंपने वालों में त्रिलोचन सिंह, प्रदीप कुमार त्यागी, अखिल कुमार भटनागर, प्रवीन तिवारी सहित कई स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

महापौर को ज्ञापन सौंपते मंदिर समिति के प्रतिनिधि। ● अमृत विचार

राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता के लिए हुआ चयन

शक्तिफार्म : प्रारंभिक शिक्षा (बेसिक) क्रीड़ा प्रतियोगिता में, राज्य स्तर पर अपना परचम लहराते हुए नगर के एक निजी स्कूल के दो एथलेटिक्स खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। न्यू ज्ञानदीप जूनियर हाईस्कूल के खिलाड़ी वंश सिकदार, एथलेटिक्स 80 मीटर बाधा दौड़ एवं 80 मीटर बाधा दौड़ व रिले दौड़ में तनिष्का आर्या ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर, राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। यह दोनों एथलेटिक्स खिलाड़ी 1 से 4 दिसंबर तक, मध्य प्रदेश में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। दोनों को विद्यालय प्रबंधक ने बधाई दी है।

कोई बच्चा स्वास्थ्य सेवा से न रहे वंचित

- प्रशिक्षण में चिकित्सा अधिकारी, फार्मासिस्ट एवं स्टाफ नर्स को दिए निर्देश
- आंगनबाड़ी केंद्रों और विद्यालयों का भ्रमण कर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करें

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जनपद में संचालित 18 टीमों में कार्यरत चिकित्सा अधिकारी, फार्मासिस्ट एवं स्टाफ नर्स को जन्मजात विकृति की पहचान के लिए चल रहे प्रशिक्षण का समापन हो गया है। इस दौरान अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.हरेंद्र मलिक ने सभी प्रशिक्षकों को प्रशस्ति पत्र दिए गये।

शनिवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. मलिक ने बताया कि सभी टीमें क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों एवं विद्यालयों में भ्रमण कर प्रत्येक बच्चे का स्वास्थ्य परीक्षण करें। साथ ही अनुपस्थित बच्चों के अभिभावकों से संपर्क कर घर-घर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया जाए। किसी भी दशा में कोई भी बच्चा स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि गंभीर रोग से ग्रसित बच्चों को तत्काल डीईआईसी भेजा जाए। मास्टर ट्रेनर डॉ.प्राची अग्रवाल ने एम्स ऋषिकेश प्रशिक्षण प्राप्त कर जनपद की टीमों को प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर डीपीएम हिमांशु मस्युनी, डीएस भंडारी, चांद मिया, जावेद अहमद एवं पूरन मल आदि उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते एसीएमओ डॉ. हरेंद्र मलिक। ● अमृत विचार

सितारगंज महाविद्यालय में शैक्षिक भ्रमण से लौटी छात्राओं का स्वागत करतीं प्राचार्य।

शैक्षिक भ्रमण से लौटे छात्रों का किया स्वागत

सितारगंज : मुख्यमंत्री विद्यार्थी शैक्षिक भारत दर्शन योजना से लौटे दो छात्रों का शनिवार को महाविद्यालय प्रशासन की ओर से स्वागत किया गया। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की नोडल अधिकारी प्रोफेसर डॉ. विमला सिंह ने बताया कि महाविद्यालय के दो विद्यार्थी ज्योति वर्मा एवं साबिया का चयन शैक्षिक भ्रमण के लिए हुआ था। शैक्षिक आधार पर चयनित इन विद्यार्थियों ने उत्तराखंड के अन्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ शैक्षिक भारत दर्शन योजना के अंतर्गत काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, काशी विश्वनाथ, बनारस एवं इसके आसपास के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण किया था। महाविद्यालय के दोनों विद्यार्थियों के वापस लौटने पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. रेनू रानी बंसल, हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. विमला सिंह, डॉ. राजविंदर कौर, प्रो. जगदीपक जोशी, डॉ. दीक्षा खपा, डॉ. एमसी आर्य एवं डॉ. दुर्गा तिवारी ने स्वागत किया।

सिटी कॉन्वेंट में मनाया एनसीसी डे

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: सिटी कॉन्वेंट स्कूल में इस वर्ष का एनसीसी डे मनाया गया।

विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ एनसीसी ध्वज को सलामी देकर किया गया। वहां प्रबंधक प्रवीण उपाध्याय, एजुकेशनल डायरेक्टर तिलक उपाध्याय, प्राचार्या शुभ्रा सक्सेना, आर्मी एनसीसी के एएनओ लेफ्टिनेंट प्रकाश बिष्ट, सब लेफ्टिनेंट वंदना जोशी, थर्ड ऑफिसर लक्ष्मी मेहता, नीता उपाध्याय, प्रवीण बोरा, महिमन सिंह बिष्ट उपस्थित रहे। सभी ने एनसीसी गीत की धुन पर राष्ट्रीय एकता और अनुशासन की भावना के साथ ध्वज को सलामी दी।

ध्वजारोहण के बाद एनसीसी कैडेट्स द्वारा मार्च पास्ट प्रस्तुत किया गया। मार्च पास्ट के दौरान कैडेट्स की वर्दी, संयम और नेतृत्व गुणों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत देशभक्ति पर आधारित नृत्य, समूह गीत, देशप्रेम से ओतप्रोत कविताओं की प्रस्तुति दी। इन कार्यक्रमों ने न केवल मनोरंजन किया बल्कि एनसीसी के मूल सिद्धांत अनुशासन, एकता और राष्ट्र सेवा को भी बखूबी प्रदर्शित किया।

सिटी कान्वेंट स्कूल में एनसीसी डे पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करते कैडेट्स।

एक शाम धर्मेंद्र के नाम सभा आज

काशीपुर: फिल्म जगत के प्रसिद्ध अभिनेता धर्मेंद्र की याद में काशीपुर डेवलपमेंट फोरम (केडीएफ) द्वारा रविवार को शाम चार बजे से एक शाम हमारे धर्मेंद्र के नाम श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। केडीएफ के अध्यक्ष राजीव घई ने बताया कि फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र का काशीपुर से एक अत्यंत गहरा और आत्मीय रिश्ता रहा है। अपने भोगपुर स्थित फार्म हाउस पर वे नियमित रूप से आते रहे, जहां उनके पिता एवं परिवार के सदस्य लंबे समय तक रहे और काशीपुर तथा आसपास के अनेक परिवारों से उनके गहरे पारिवारिक संबंध बने रहे। केडीएफ काशीपुर की परंपरा एवं मान्यता के अनुसार पवित्र द्रोण सागर स्थित ओपन थियेटर पर अंतिम श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करेगा।

खटीमा के राजीव गांधी नवोदय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बच्चे।

आउटरीच की अवधारणा से बच्चों को परिचित कराया

खटीमा : हिमालयन ग्राम विकास समिति गंगोलीहाट द्वारा राजीव गांधी नवोदय विद्यालय में सीएनआर राव एजुकेशन फाउंडेशन बंगलुरू एवं यूकॉस्ट देहरादून द्वारा प्रायोजित "साइंस आउटरीच प्रोग्राम" आयोजित किया गया। विज्ञान लोकप्रियकरण के उद्देश्य से "साइंस आउटरीच कार्यक्रम" के तराई के बच्चों के साथ विज्ञान संवाद के आरंभिक सत्र में निर्मल न्योलिया ने आउटरीच की अवधारणा से बच्चों को परिचित कराया। जिसमें प्रोफेसर उदय रंगा, आण्विक एवं जेनेटिक्स यूनिट, "जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च बंगलुरू" बच्चों से मिले। वैज्ञानिक डॉ. अरुण ने टेलीस्कोप के माध्यम से रात्रि के समय बच्चों को एस्ट्रोनॉमी की बारीकी के साथ जुपीटर और उसके चांद, सीरियस तारा, तारों का टूटना, तारों का बनना और खत्म होने की जानकारियों से बच्चों का ज्ञानवर्धन किया। एचजीवीएस अध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट ने साइंस आउटरीज के उद्देश्य तथा स्कूली बच्चों के साथ इसके महत्व से जुड़े अनुभव पर बच्चों से चर्चा की। इस अवसर पर कैलाश पंत, संजय बचखेती, रत्नाकर पाण्डेय, नरेंद्र रौतेला आदि मौजूद रहे।

कवायद | मंडी गेस्ट हाउस में किसानों और कृषि अधिकारियों की बैठक हुई

ग्रीष्मकालीन धान की जगह मक्का व मूंग उगाएं

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: ग्रीष्मकालीन धान की फसल के स्थान पर अन्य फसलों जैसे मक्का, मूंग को उगाए जाने को लेकर किसानों को प्रोत्साहित किया गया।

शनिवार को मंडी गेस्ट हाउस में किसानों और कृषि अधिकारियों की एक बैठक हुई। बैठक में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों डॉ. शिव शर्मा, डॉ. प्रतिभा सिंह ने किसानों से वार्ता की। कृषक प्रतिनिधियों ने कहा कि उन्हें धान के स्थान पर मक्का फसल उत्पादन में कोई समस्या नहीं हैं, लेकिन मक्का बिक्री की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। क्योंकि मक्का भंडारण की उनके पास कोई व्यवस्था नहीं है। हमें खेत समय से खाली कर अगली फसल बुवाई के लिए खेत तैयार करने होते हैं। व्यापारी प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यदि उनके द्वारा क्रय की गई मक्का औद्योगिक इकाइयों द्वारा उचित दर पर क्रय करने का आश्वासन मिल जाए तो वह मक्का क्रय कर सकते हैं। बैठक में मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. विकेश कुमार सिंह यादव ने कृषकों और व्यापारियों की समस्याओं को सुनकर आश्वासन दिया कि जिलाधिकारी के संज्ञान में लाकर सभी समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। कृषक निश्चिंत होकर मक्का की फसल का उत्पादन करें। साथ ही कृषकों को आगाह किया कि जो कृषक गर्मी के मौसम में धान की फसल लगायेंगे उनके विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जायेगी।

बैठक में कृषि उत्पादन मंडी समिति के सचिव योगेश तिवारी, कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी डॉ. कल्याण सिंह, अनाज व्यापारी पराग अग्रवाल, कृषक कुलविंदर सिंह, बलकार सिंह आदि मौजूद थे।

काशीपुर की मंडी समिति में किसानों से वार्ता करते कृषि अधिकारी। ● अमृत विचार

बच्चों को विज्ञान के प्रयोगों की जानकारी दी

काशीपुर : राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, काशीपुर के भौतिक विज्ञान विभाग ने राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय, चैती फार्म काशीपुर में आउटरीच ऐक्टिविटीज़ (जागरूकता गतिविधि) आयोजित की। जिसमें विद्यालय के कक्षा 3, 4 व 5 के कुल 71 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। शनिवार को जागरूकता गतिविधियों के तहत विज्ञान के चमत्कार तथा विज्ञान की विराट मात्रा पर आधारित कई गतिविधियां साझा की गयी। इनमें प्रकाश के अपवर्तन, अपकेन्द्र बल, दाबान्तर, उत्प्लावन बल, विवर्तन पर आधारित विज्ञान के कई प्रयोग, गतिविधियां कराकर दिखाई गयी। गतिविधियों में कक्षा 4 के वंश सागर, दीपक, ईश्वर आदि तथा कक्षा 5 के विनय कुमार, रितिक, वर्षा, कशिश, मानसी आदि 71 विद्यार्थियों ने विज्ञान को रोचक घटनाओं का आनंद लिया। वहां पर गतिविधियां भौतिक विज्ञान परिषद के अध्यक्ष आशुतोष कुमार, नवनीत कौर, स्वेता चौधरी, मोनिका सैनी आदि रहे।

पशुपालन के तकनीकी पहलुओं पर चर्चा

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचार: जीबी पंत विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान मेरठ की ओर से ग्राम रामनगर केलाखेड़ा में पशुपालकों एवं वैज्ञानिकों के बीच समूह चर्चा आयोजित की गयी। परियोजना की वित्तीय संस्था केंद्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान मेरठ से परियोजना के क्षेत्रीय स्तर पर मूल्यांकन के लिए आयी टीम के प्रधान वैज्ञानिक डॉ.रविन्द्र कुमार ने समूह चर्चा का उद्घाटन किया।

शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में डॉ. कुमार ने सभी पशुपालकों एवं परियोजना टीम के सदस्यों के उत्साहवर्धन करने के साथ-साथ पशु प्रबंधन के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला और पशुपालन के लिए सभी तकनीकी पहलुओं पर चर्चा की गयी। इस दौरान पशुपालकों की ओर से बताई गयी समस्याओं के समाधान के साथ-साथ पशुपालन के सभी तकनीकी आयामों को अपनाकर उन्नत पशुपालन करने की जानकारी दी गयी।

परियोजना अधिकारी डॉ.सीबी सिंह, टीम के सदस्य डॉ.रिपुसूदन कुमार और केंद्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान मेरठ से डॉ.रविंद्र कुमार, डॉ.स्नेहा पांडे, डॉ.सोनम द्विवेदी और डॉ. रूपाली रौतेला ने प्रतिभाग किया। समूह चर्चाओं में पशुपालकों का पंजीकरण एवं सामग्री वितरण आराधना फुलारा ने किया।

पशुपालकों को पशु संबंधित सामग्री वितरित करते अधिकारी। ● अमृत विचार

ब्रीफ न्यूज

चेक बाउंस पर सुनाई एक वर्ष की सजा

सितारगंज : चेक बाउंस प्रकरण में न्यायिक मजिस्ट्रेट खटीमा आशीष तिवारी की अदालत ने दोषी को एक वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता शिव कुमार त्रिपाठी ने बताया कि सितारगंज वार्ड नंबर 8 निवासी अशोक कुमार से दिसंबर 2021 को सितारगंज वार्ड नंबर 2 निवासी योगेंद्र कुमार सिंह ने 1.85 लाख रुपये का उधार लिया था। कुछ माह बाद योगेंद्र कुमार सिंह रकम वापस करने पर टालमटोल करने लगा। अशोक कुमार को दिया गया चेक भी बैंक में बाउंस हो गया। अदालत ने 14 नवम्बर को एक वर्ष का साधारण कारावास और 1.90 लाख का अर्थदंड का निर्णय दिया है।

चिरान करते तीन दबोचे

खटीमा : एसओजी और वन विभाग की टीम ने खटीमा रेंज के वन क्षेत्र बनबसा चंदनी बीट में अवैध चिरान कर रहे तीन लोगों को पकड़ा है। पूछताछ के दौरान पता चला कि आरोपी पिछले तीन-चार दिन से जंगल में चिरान कर रहे थे।

पूर्व कैप्टन भगवान सिंह रौथाण के निधन पर शोक

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: पूर्व कैप्टन भगवान सिंह रौथाण (59) का मेदांता अस्पताल गुरुग्राम में उपचार के दौरान शनिवार को प्रातः 11 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन पर परिजनों में कोहराम मच गया। पूर्व कैप्टन भगवान सिंह रौथाण 2 नागा रेजीमेंट से सेवानिवृत होकर अपने निवास खटोला नंबर- दो (मदनापुर) में रहते थे। वह नागा रेजीमेंट में बॉक्सिंग के खिलाड़ी रहे। उनके अच्छे व्यवहार व आचरण से लोग काफी प्रभावित थे। देर शाम उनके पार्थिव शरीर को उनके निवास खटोला नंबर- दो लाया गया। वह अपने पीछे पत्नी कांति रौथाण व पुत्री नेहा रौथाण को रोता बिलखता छोड़ गए। रविवार को प्रातः10 बजे चित्रशिला घाट रानीबाग (काठगोदाम) में अंत्येष्टि की जाएगी। शोक व्यक्त करने वालों में वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह पानू, पूर्व सूबेदार मेजर खड़क सिंह कार्की, जिपंस प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह कोरंगा उर्फ नम्मू, पूर्व सूबेदार मेजर हिम्मत सिंह कुंवर, पूर्व सूबेदार भुपाल सिंह कोरंगा, समिति डायरेक्टर बलवंत सिंह कोरंगा, चंद्रमणि देवराड़ी, दिवान सिंह रौंथाण, राम सिंह कोरंगा,मोहन जोशी, गोविंद सिंह कोरंगा, महेंद्र सिंह पपोला, श्याम सिंह देऊपा, गोपाल सिंह पपोला शामिल थे।

भगवान सिंह ।(फाइल)

बंगाली बाहुल्य क्षेत्र में खुलेगा आयुष्मान आरोग्य केंद्र और निगम का जोनल कार्यालय, महापौर ने की घोषणा

ट्रांजिट कैंप में जल्द स्थापित होगी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: बंगाली समाज की लंबे समय से चली आ रही कई प्रमुख मांगों को पूरा किए जाने पर ट्रांजिट कैंप में महापौर विकास शर्मा का भव्य स्वागत और नागरिक अभिनंदन किया गया। बंगाली समाज के लोगों ने फूलमालाओं पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

शनिवार को कार्यक्रम के दौरान महापौर ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भव्य प्रतिमा लगाने की मांग पिछले कई वर्षों से उठ रही थी। बंगाली समाज की भावनाओं का सम्मान करते हुए बोर्ड बैठक में इस प्रतिमा को मंजूरी दी गई है। 11 फीट ऊंची

महापौर का फूलमाला पहनाकर स्वागत करते बंगाली समाज के लोग। ● अमृत विचार

यह प्रतिमा शीघ्र ही स्थापित की जाएगी। सीएम पुष्कर सिंह धामी रुद्रपुर आकर इसके साथ ही अन्य विकास परियोजनाओं का भी शिलान्यास करेंगे। उन्होंने कहा कि नेताजी की जयंती 23 जनवरी को इस प्रतिमा का लोकार्पण एक भव्य आयोजन के किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि ट्रांजिट कैंप को उपहार के रूप में रजत जयंती पार्क जल्द ही मिलने वाला है। शासन से 1.79 करोड़ रुपये का बजट मिल चुका है जिसके अंतर्गत पार्क को आधुनिक रूप दिया जाएगा। इसमें ओपन जिम, बच्चों के खेल क्षेत्र, योग स्थल, बुजुर्गों के लिए विश्राम स्थल, सुंदर लैंडस्केपिंग और एक आकर्षक कैफे भी होगा। यह पार्क क्षेत्र की पहचान बनेगा और दिव्य भव्य रूप में विकसित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त टैगोर पार्क का सौंदर्यीकरण भी नगर निगम की प्राथमिकताओं में शामिल है।

महापौर ने घोषणा की कि बंगाली बाहुल्य क्षेत्र में एक आयुष्मान आरोग्य केंद्र और निगम का जोनल कार्यालय भी स्थापित किया जाएगा, ताकि यहां के लोगों को स्वास्थ्य और प्रशासनिक सुविधाएं नजदीक मिल सकें। बंग भवन का निर्माण भी जल्द शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर बंगाली कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप अधिकारी, दर्जा राज्य मंत्री उत्तम दत्ता, पार्षद मुकेश रस्तोगी, पार्षद शुभम दास, पार्षद गिरीश पाल, पार्षद राजेश जग्गा, चन्द्रशेखर गांगुली, सुभाष व्यापारी, समीर राम, शंकर चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे।

गूलरभोज ठंडा नाला में अतिक्रमण पर गरजी जेसीबी

26 कच्चे व पक्के मकान प्रशासन ने बलपूर्वक हटाए, अवैध रूप से रह रहे परिवारों की महिलाओं की पुलिस से हुई नोकझोंक

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: ग्राम पंचायत कोपा के ठंडा नाला गांव में हरिपुरा जलाशय के पास सिंचाई विभाग की जमीन पर अवैध रूप से बनाए गए 26 कच्चे व पक्के मकान को प्रशासन ने बलपूर्वक हटाया। सिंचाई विभाग की भूमि पर विशेष समुदाय के लोगों ने अतिक्रमण कर घर बनाए हुए थे। विभाग द्वारा पिछले वर्षों से कई बार सिंचाई विभाग की भूमि को खाली कराने को लेकर नोटिस जारी किए थे। लेकिन अतिक्रमणकारियों द्वारा सिंचाई विभाग की भूमि को खाली नहीं किया गया।

गूलरभोज ठंडा नाला में सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाती जेसीबी। ● अमृत विचार

शनिवार को जिला प्रशासन ने अधिकारियों की मौजूदगी में भारी पुलिस फोर्स के साथ सिंचाई विभाग की भूमि पर बनाए गए 26 मकानों को बुलडोजरों द्वारा ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। इस दौरान सिंचाई विभाग की भूमि पर रह रहे अतिक्रमणकारी परिवारों की महिलाओं द्वारा पुलिस से काफी तीखी नोकझोंक हुई। इस दौरान पूर्व ग्राम प्रधान मनोज देवराड़ी ने अतिक्रमण की कार्रवाई को जायज ठहराया। लेकिन उन्होंने प्रशासन से मांग की कि सिंचाई विभाग की जमीन से हटाए गए परिवारों को सरकार द्वारा अन्य जगह बसाया जाए। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता भारत सिंह ने बताया कि अभी फेस- वन के तहत अतिक्रमण हटाया जा रहा है। फेस- टू के तहत आगे भी सिंचाई विभाग की भूमि से अतिक्रमण हटाया जाएगा। इस मौके पर एसडीम ऋचा सिंह, पुलिस क्षेत्र अधिकारी विभव सैनी, सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता भारत सिंह आदि की मौजूदगी में पुलिस फोर्स मौके पर तैनात रहा।

अवैध निर्माणों पर कार्रवाई तेज, विधायक ने किया विरोध

संवाददाता, किच्छा

- प्रशासन पर पक्षपात का आरोप, 600 लोग चिन्हित
- विधायक ने पीड़ितों से की मुलाकात

अमृत विचार: जिला विकास प्राधिकरण द्वारा किच्छा विधानसभा के सिरौली कला क्षेत्र में बिना मानचित्र स्वीकृत कराए बने आवासीय और कॉमर्शियल भवनों पर विगत दो दिनों से सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है। इसके विरोध में क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ अपने समर्थकों के साथ सामने आ गए हैं।

विधायक बेहड़ के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। विधायक ने प्रशासन पर एक समुदाय विशेष के खिलाफ पक्षपातपूर्ण कार्रवाई करने का गंभीर आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि जब भवन बन रहे थे, तब विभागीय अधिकारी गहरी नींद में क्यों सो रहे थे? उन्होंने कहा कि मानचित्र स्वीकृत न होने की दशा में सीधा ध्वस्तीकरण न्यायसंगत नहीं है, पहले भवन स्वामी को नोटिस देकर मानचित्र स्वीकृत कराने का समय दिया जाना चाहिए।

किच्छा में स्थानीय पीड़ित लोगों से वार्ता करते विधायक तिलक राज बेहड़। ● अमृत विचार

ज्ञात हो कि एडीएम पंकज उपाध्याय की अगुवाई में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में संयुक्त टीम ने अवैध इमारतों को सील और ध्वस्त किया है। सूत्रों के अनुसार, प्रशासन ने सिरौली कला में 600 से अधिक लोगों को चिन्हित किया है। विधायक बेहड़ ने प्रभावित लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए मामले को सरकार के समक्ष मजबूती से उठाने का आश्वासन दिया।

36 लाख की स्मैक के साथ तस्कर दबोचा

संवाददाता, रुद्रपुर/नानकमत्ता

- 120.10 ग्राम स्मैक और तमंचा भी हुआ बरामद
- अभियुक्त को न्यायालय में किया पेश

अमृत विचार: नानकमता इलाके में स्मैक का धंधा संचालित करने वाले कुख्यात स्मैक सौदागर सुक्खा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही उसके कब्जे से भारी मात्रा में स्मैक की खेप व तमंचा भी बरामद किया है। पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

शनिवार को मामले का पर्दाफाश करते हुए एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि पिछले कुछ समय से स्मैक सौदागर सुक्खा के नानकमत्ता थाना इलाके में आने की सूचनाएं मिल रही थी। जिसको लेकर थाना पुलिस सजग थी और 28 नवंबर की शाम को मिली सूचना के आधार पर जब पुलिस टीम ने रुद्रपुर हाईवे स्थित हरमन सीड्स राइस मिल के सामने चेकिंग कर अभियुक्त सुक्खा को रोकने की कोशिश तो अभियुक्त पुलिस वाहन को देखते ही झाड़ियों की ओर भागा।

जिस पर पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी कर दी और सर्च अभियान चलाया। काफी मशक्कत के बाद नानकमत्ता पुलिस ने कुख्यात नशा तस्कर सुखविंदर सिंह उर्फ सुक्खा निवासी ग्राम पचपेड़ा भट्टा को 120.10 ग्राम स्मैक व एक तमंचे के साथ गिरफ्तार कर लिया। बरामद स्मैक की अंतर्राष्ट्रीय कीमत 36 लाख रुपये आंकी गई है। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि अभियुक्त बेहद शातिर अपराधी है। जिसके द्वारा थाना नानकमत्ता इलाके में युवाओं को स्मैक की लत लाकर नशेड़ी बनाना ही मकसद रहा। यहीं कारण है कि उसके खिलाफ कई एनडीपीएस व आर्म्स एक्ट के मुकदमे भी पंजीकृत है और अक्सर पंजाब में छिप कर रहता है। पुलिस को पूछताछ में कई अहम जानकारियां भी मिली है। पुलिस अब स्मैक तस्करों के नेटवर्क को तोड़ने में लग गई है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की गई जान

संवाददाता, शांतिपुरी

अमृत विचार: नगला बाईपास, सुभाष नगर के पास बृहस्पतिवार की देर रात किसी अज्ञात वाहन ने युवक को रौंद दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सुरेंद्र सिंह।(फाइल)

गढ़वाल के मूल निवासी प्रेम सिंह मढवाल एयरफोर्स से सेवानिवृत होने के बाद स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जवाहरनगर के कृष्णविहार कॉलोनी में कुछ साल पहले मकान बनाकर रहने लगे थे। उनके दो पुत्रों में बड़ा बेटा सुरेंद्र सिंह मढवाल उर्फ सोनू मढवाल (28) लंबे समय से दिल्ली के किसी रेस्टोरेंट में कुक का काम कर रहा था। बीते वर्ष 24 नवंबर को शादी के बाद वह यहीं रहकर नगला बाईपास में फूडकोर्ट रेस्टोरेंट में कुक का काम करने लगा था। बुधवार की देर रात लगभग 10.45 बजे वह फूडकोर्ट से एकाएक गायब हो गया। अगले दिन भी घर नहीं लौटने पर परिजनों ने पंतनगर थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इधर बृहस्पतिवार की देर रात नगला बाईपास, सुभाष नगर बैरियर के पास देर रात 11 बजे राहगीरों ने युवक को सड़क किनारे पड़ा देखकर उसे 108 एंबुलेंस की मदद से एसटीएच हल्द्वानी पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

राजमिस्त्री को लगा करंट, हालत गंभीर

सितारगंज: हाईटेंशन तार की चपेट में आने से राजमिस्त्री बुरी तरह झुलस गया। आनन-फानन में परिजनों ने उसे उप जिला अस्पताल, सितारगंज में भर्ती कराया। गांव सिसौना निवासी शिवकुमार मंडल (45) पुत्र कालीपद मंडल राजमिस्त्री का काम करता है। शनिवार को वह अपने घर से एक किमी दूर निर्माणाधीन मकान का लेंटर डाल रहा था। तभी मकान के ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया। जिससे वह बुरी तरह झुलस गया। पीड़ित के पुत्र मनोजीत मंडल ने बताया कि उसके पिता के साथ काम करने वाले लेबरों ने उन्हें घटना की जानकारी दी। इसके बाद एंबुलेंस की मदद से उन्हें उप जिला चिकित्सालय सितारगंज में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

शादी में हुए विवाद में घायल युवक की मौत

- रुद्रपुर निवासी युवक को छत से फेंकने का आरोप

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: लगभग एक सप्ताह पहले बाजपुर के नंदपुर नरकाटोपा गांव में एक शादी समारोह के दौरान हुए विवाद में गंभीर रूप से घायल हुए 20 वर्षीय सचिन पुत्र ओमप्रकाश ने बरेली के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। सचिन रुद्रपुर का निवासी था।

सचिन।(फाइल)

युवक की मौत से आक्रोशित परिजन और मोहल्लेवासी शनिवार को बड़ी संख्या में बाजपुर कोतवाली पहुंचे। उन्होंने पुलिस अधिकारियों का घेराव करते हुए मौखिक रूप से आरोप लगाया कि विवाद के दौरान सचिन के साथ बेरहमी से मारपीट की गई और फिर उसे छत से नीचे फेंक दिया गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

कोतवाली परिसर में मृतक की मां नन्हीं कोहली विलाप करती रहीं। सीओ बाजपुर, विभव सैनी ने परिजनों को निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है। उन्होंने बताया कि मृतक के पिता की तहरीर पर पहले ही मुकदमा दर्ज है। परिजनों द्वारा लगाए गए नए आरोपों की भी जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कोतवाली परिसर में विलाप करती मृतक की मां नन्ही कोहली को संभालतीं महिलाएं।

आंध्र प्रदेश में दुर्घटना में मजदूर की मौत

दिनेशपुर : क्षेत्र के एक ग्रामीण की आंध्र प्रदेश में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। वह क्षेत्र के अन्य ग्रामीणों के साथ मजदूरी करने गया था। गांव श्रीरामपुर निवासी दुखीराम राय आसपास के गांव के अन्य मजदूरों के साथ कुछ दिन पहले आंध्र प्रदेश के तुम्डमल्ला अनंतपुर में मजदूरी करने गया था। साथियों ने बताया कि शुक्रवार को वह बालों की कटिंग करवाने के लिए बाजार जाने की बात कह कर कमरे से निकला था। रास्ते में अज्ञात वाहन की चपेट में आकर वह कुचल गया।

दुखीराम राय।(फाइल)

फ्लैक्स डिजाइनर की हादसे में मौत

रुद्रपुर: शुक्रवार की देर रात्रि ममेरे साले की शादी समारोह से लौट रहे फ्लैक्स डिजाइनर की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार बस ने बाइक को टक्कर मारी और उसकी दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । वार्ड-पांच जगतपुरा निवासी 45 वर्षीय शंकर मंडल परिवार के साथ रहता था और पेशे से फ्लैक्स डिजाइनिंग करता था। शुक्रवार की रात्रि वह अपने परिवार के साथ जयनगर पहुंचा और ससुराल में पत्नी व दो बच्चों को छोड़कर ममेरे साले की शादी समारोह में चला गया। जब शंकर बाइक से मटकोटा-दिनेशपुर जयनगर मार्ग पर पहुंचा तो तेज रफ्तार बस ने बाइक को टक्कर मार दी। छिटककर वह डंपर से टकराया और दोबारा बस ने शंकर को रौंद डाला और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

धोखाधड़ी | प्रशासनिक अधिकारी है शिकायतकर्ता, साइबर क्राइम थाना सेल ने किया मुकदमा

गोल्ड माइनिंग का झांसा देकर 1.18 करोड़ की ठगी

संवाददाता, रुद्रपुर

साइबर ठगों का जाल, इंजीनियर से हड़पे 64.72 लाख

रुद्रपुर : साइबर ठगों ने शेयर मार्केट में निवेश करने का झांसा देकर एक इंजीनियर को लाखों रुपये की ठगी कर डाली। साइबर क्राइम थाना सेल ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आनंद विहार काशीपुर निवासी गौरव चौधरी ने बताया कि 6 अक्टूबर को उसके मोबाइल पर बुल स्टॉक चार्जर नाम का लिंक गया। जब उसने क्लिक किया तो शेयर मार्केट की जानकारी सामने आई। बावजूद वह एक माह तक शेयर मार्केट ग्रुप की निगरानी करता रहा। तभी एक कॉल आयी जो खुद को इंडिया निवेश इंवेस्टमेंट ग्रुप का मैनेजर बता रहा था। वार्तालाप के दौरान मैनेजर ने प्रशिक्षण के बाद ही निवेश करने का आश्वासन दिया और भरोसा दिलाया कि निवेश करने पर ज्यादा मुनाफा होता है। बातों के मायाजाल में फंसने के बाद पेशे से इंजीनियर ने 5 नवंबर से 26 नवंबर तक खाते में 64 .72 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। जब मुनाफा खाते में डालने का दबाव बनाया तो कॉलर द्वारा आनाकानी करते हुए आश्वासन ही देता रहा। ज्यादा दबाव बनाने पर कॉलर ने मोबाइल बंद कर दिया। जिसके बाद ही साइबर ठगी होने का एहसास हुआ। इंजीनियर ने प्रकरण की तहरीर साइबर क्राइम थाना सेल को दी। जिस पर साइबर टीम ने मुकदमा दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी है। उधर, साइबर क्राइम थाना सेल प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और साइबर टीम तकनीकी और मैनुअल ही अपनी जांच कर रही है। जल्द ही धोखाधड़ी प्रकरण का पर्दाफाश किया जाएगा।

अमृत विचार: अल्मोड़ा के एक प्रशासनिक अधिकारी को गोल्ड माइनिंग कारोबार का झांसा देकर करोड़ों रुपये की साइबर ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। शिकायती पत्र मिलते ही साइबर क्राइम थाना सेल ने मुकदमा दर्ज कर अपनी तफ्तीश को शुरू कर दिया है।

अल्मोड़ा स्थित एक सरकारी कार्यालय में तैनात प्रशासनिक अधिकारी प्रकाश चंद्र ने बताया कि 4 अगस्त को एक अज्ञात महिला की कॉल आयी। जब फोन रिसीव नहीं किया तो महिला ने पुनः मोबाइल पर चैटिंग मैसेज डाला। जिसमें गोल्ड माइनिंग का काम शुरू करने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वह मुंबई से है और फॉरेक्स ट्रेड का कार्य किया जाता है। जानकारी दी कि गोल्ड माइनिंग और ट्रेंड के माध्यम से धनराशि लगाकर निवेश किया जा सकता है। जिसके बाद निवेश की धनराशि तेजी से ग्रोथ करेगी।

मैसेज देखते ही लिंक पर क्लिक किया तो गोल्ड माइनिंग की भी डिटेल सामने दिखी। जिसके बाद 4 अगस्त से 29 नवंबर तक बताएं खाते में निवेश, 30 फीसदी इनकम टैक्स सहित कई प्रकार से 1.18 करोड़ रुपये की धनराशि जमा करवा दी और मुनाफा देने का समय आया। कॉलर द्वारा टालमटोल किया जाने लगा और संपर्क करना भी बंद कर दिया। जिसके बाद साइबर ठगी का एहसास हुआ। प्रशासनिक अधिकारी ने शीघ्र ही प्रकरण की शिकायत साइबर क्राइम थाना सेल को दी और पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उधर, साइबर क्राइम थाना सेल प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि अल्मोड़ा में तैनात प्रशासनिक अधिकारी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज लिया गया है। जल्द ही जांच कर साइबर ठग गिरोह का पर्दाफाश किया जाएगा।

एक महीने बाद दर्ज की मारपीट की रिपोर्ट

काशीपुर: कोर्ट के आदेश पर कुंडा थाना पुलिस ने मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कुंडा थाना क्षेत्र में गढ़ीनेगी के ग्राम चिंतपुरी निवासी गुरजीत सिंह ने न्यायिक मजिस्ट्रेट जसपुर की अदालत में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। बताया कि बीती 13 अक्टूबर की सुबह वह अपने फौजी भाई बलविंदर सिंह के बच्चों को स्कूल छोड़कर घर लौट रहा था। ग्राम चिंतपुरी, गढ़ीनेगी निवासी प्रगट सिंह उर्फ लक्की, अवतार सिंह, गुरप्रीत सिंह व ऊषा ने एक राय होकर उसे मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। आरोप लगाया कि प्रगट सिंह ने उसके सिर पर लाठी से हमला कर दिया। इससे वह लहूलुहान हो गया। खुद को बचाने के प्रयास करने पर ऊषा ने उसके बाल पकड़कर नीचे गिरा लिया और गुरप्रीत सिंह ने पैरों से मारना शुरू कर दिया।

सितारगंज स्थित अंतर्राज्यीय सीमा पर चेकिंग करती पुलिस। ● अमृत विचार

अंतर्राज्यीय सीमा पर चलाया चेकिंग अभियान

सितारगंज : कोतवाली सितारगंज की टीम ने सितारगंज स्थित बिज्टी (अंतर्राज्यीय सीमा) पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने कई वाहनों को चालान किया। शनिवार को पुलिस ने कानून व्यवस्था और अवैध मादक पदार्थ, हथियार, विस्फोटक पदार्थ आदि की रोकथाम के लिए अंतर्राज्यीय सीमा पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इन सीमाओं से राज्य में प्रवेश करने वाले चार एवं दोपहिया वाहनों की चेकिंग की गई। सीओ बीएस धौनी ने बताया कि यह सीमा यूपी के जिला पीलीभीत से लगती है। यहां संदिग्ध प्रतीत होने पर कई वाहन चालकों से पूछताछ की गई। हालांकि, कहीं कोई संदिग्ध मामला प्रकाश में नहीं आया। साथ ही, चेकिंग के दौरान पुलिस ने 18 वाहनों के चालान किए है। जिसमें से पांच कोर्ट चालान है। पुलिस सीमाओं पर सतर्कता बनाए हुए है। वहां एसएसआई विक्रम धामी, एसआई सुरेंद्र दानु, एसआई राकेश रॉकली, एसआई पंकज कुमार उपस्थित रहे।

ब्रीफ न्यूज

राज्य के विकास के लिए जिलों की संख्या बढ़ाने पर जोर

बनबसा : कांग्रेस प्रदेश सचिव आनंद सिंह माहरा ने कहा कि पहाड़ के वास्तविक सवाल तभी मजबूत होंगे, जब उन्हें पूरी तार्किकता, शोध और दूरदृष्टि के आधार पर उठाया जाए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए राज्य की आदर्श प्रशासनिक संरचना का पुनर्विचार आवश्यक है। एक बयान में माहरा ने कहा कि संतुलित और सुचारू प्रशासन के लिए उत्तराखंड में 24 जिलों का गठन जरूरी है। उन्होंने चंपावत, गंगोलीहाट, डीडीहाट, पिथौरागढ़, अल्मोड़ा, बागेश्वर, रानीखेत, नैनीताल, पंतनगर, काशीपुर, चमोली, मंदाकिनी, पौड़ी, रवाई, लैंसडाउन, रामगंगा, उत्तरकाशी, प्रतापनगर, नरेन्द्रनगर, टिहरी, देहरादून, विकासनगर, हरिद्वार और चंद्रनगर जैसे प्रस्तावित जिलों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पहाड़ की संवेदनशील परिस्थितियों को देखते हुए छोटे और प्रभावी जिले ही प्रशासन को जनता के करीब ला सकते हैं।

टनकपुर पावर स्टेशन को द्वितीय पुरस्कार

बनबसा : टनकपुर पावर स्टेशन एनएचपीसी को हल्द्वानी होटल अमरदीप में हुए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही बैठक के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, गाजियाबाद से बैठक में आये उप निदेशक छबील कुमार मेहर ने महाप्रबंधक ऋषि रंजन आर्य को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया।

अवैध पार्किंग पर सख्त कार्रवाई हो

कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः सड़क सुरक्षा समिति की कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सड़क किनारे अवैध पार्किंग पर सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जनपद में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, सड़क सुरक्षा मानकों के पालन, दुर्घटना-जनित ब्लैक स्पॉट्स के सुधार, यातायात प्रबंधन तथा जन-जागरूकता अभियानों को प्रभावी रूप से संचालित करने पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठम में जिलाधिकारी ने सड़क किनारे अवैध पार्किंग पर सख्ती से कार्रवाई करने, ब्लैक स्पॉट्स की नियमित मॉनिटरिंग कर आवश्यक सुधार कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों, कॉलेजों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों का विस्तार किया जाए। यातायात नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए पुलिस विभाग प्रभावी चेकिंग अभियान चलाए। जिलाधिकारी ने संबंधितों को निर्देश दिए कि सभी मजिस्ट्रियल जांचे निर्धारित समय पर संपन्न की जाएं। यदि किसी दुर्घटना में प्रभावितों को मुवावजा दिया जाना हो, तो यह प्रक्रिया विभागीय समन्वय से जल्द से जल्द पूर्ण की जाए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा जनभागीदारी से ही संभव है, इसलिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें तथा आमजन को यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक करें। बैठक में एसएसपी देवेंद्र पींचा, एडीएम युक्ता मिश्र, आरटीओ अनीता चंद समेत अन्य मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में अधिकारियों को निर्देशित करते जिलाधिकारी। ● अमृत विचार

लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करें निस्तारित : डीएम

अल्मोड़ा : जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जल आपूर्ति, स्वच्छता व्यवस्था तथा चल रहे विभिन्न कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को आयोजित बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुचारू बनाए रखने के आवश्यक मरम्मत कार्य समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। हर घर नल-जल योजनाओं की प्रगति तेज की जाए तथा लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाए। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की गतिविधियों को प्रभावी रूप से लागू किया जाए। जल जीवन मिशन के कार्यों को लेकर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन प्रकरणों में वन भूमि हस्तांतरण होना है, उनमें वन विभाग के साथ समन्वय करते हुए, निर्धारित रूप में प्रक्रिया संपन्न की जाए तथा कार्यों को पूर्ण करें। बैठक में विभाग ने जानकारी दी है कि प्रथम फेस के सभी कार्य पूर्ण हो गए हैं, द्वितीय फेस के कुछ कार्य अपूर्ण हैं, जो निर्माणाधीन स्थिति में हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मिशन मोड में कार्य किए जाएं। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जिन कार्यों के संशोधित आगणन प्राप्त हुए हैं, उनके लिए एक-एक मजिस्ट्रेट तैनात किया जाएगा तथा उनकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि पेयजल स्रोतों के संरक्षण, जल गुणवत्ता परीक्षण और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। जिलाधिकारी ने साफ-सफाई एवं स्वच्छता अभियानों को नियमित रूप से संचालित करने के निर्देश दिए, ताकि जनपद में स्वच्छता की स्थिति और बेहतर हो सके। बैठक में सीडीओ रामजी शरण शर्मा, डीडीओ एसके पंत आदि मौजूद रहे।

चारा पत्ती लेने गई महिलाओं के पीछे दौड़ा भालू

लोहाघाट : बाराकोट विकास खंड के तड़ाग गांव में गुलदार और भालू के आतंक से ग्रामीण दहशत में हैं। शनिवार सुबह गांव की कुछ महिलाएं पास के जंगल में चारा-पत्ती लेने गई थीं। तभी एक भालू ने उनका पीछा किया। जान बचाने के लिए महिलाएं भागकर गांव पहुंचीं। महिलाओं के शोर मचाने पर भालू जंगल में चला गया। इधर शुक्रवार सुबह दो गुलदार लड़ते-लड़ते गांव के बीच पहुंच गए थे, जिन्हें ग्रामीणों ने आतिशबाजी कर जंगल की ओर भगाया।

तड़ाग के पूर्व ग्राम प्रधान होशियार सिंह बोहरा ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब सवा सात बजे दो गुलदार आपस में लड़ते-झपटते गांव के अंदर घुस गए। ग्रामीणों ने पटाखे फोड़ और ड्रम बजाकर उन्हें जंगल की ओर खदेड़ा। शनिवार दोपहर को भी गांव के पास एक गुलदार बैठा दिखाई दिया।

उन्होंने बताया कि एक सप्ताह पहले गुलदार ग्रामीण भूपाल सिंह की गोशाला से घुसकर बकरी उठा ले गया था। गुलदार और भालू के भय से ग्रामीण शाम होते ही घरों में दुबकने को मजबूर हैं। ग्राम प्रधान दीपक सिंह, विक्रम सिंह, भवान कालाकोटी, उमेद सिंह, नवीन सिंह, कमल सिंह बोहरा आदि ने वन विभाग से पिंजरा लगाकार गुलदार और भालू के आतंक से निजात दिलाने की गुहार लगाई है।

मतदाता सूची का अद्यतन कार्य शुद्धता से किया जाए

अल्मोड़ा कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में मौजूद एडीएम व अन्य अधिकारी।

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः विधानसभा निर्वाचक नामावली के आगामी पुनरीक्षण (एसआईआर) 2025 को लेकर जनपद के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक एडीएम युक्ता मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

कलेक्ट्रेट में आयोजित इस बैठक में एसआईआर-2025 से संबंधित कार्यों एवं प्रगति बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अपर जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य निष्पादन के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में विधानसभा निर्वाचक नामावली के गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत बूथ लेवल ऑफिसर द्वारा बीएलओ ऐप के माध्यम से मतदाताओं से मिलान कार्य की समीक्षा की गई। अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी बीएलओ अपने कार्यों को निर्धारित समय में पूर्ण करें तथा प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि बीएलए की नियुक्ति से नामावली कार्यों में पारदर्शिता और सहजता बढ़ेगी। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्येक मतदान केंद्र पर बीएजी का गठन किया जाएगा। कहा कि ईआरओ नेट एवं ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त मतदाता संबंधी प्रकरणों फॉर्म 6, 7 और 8 का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। किसी भी प्रकरण में अनावश्यक विलंब न होने पाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि एसआईआर-2025 से संबंधित सभी कार्य निर्वाचन आयोग के मानकों एवं समयसीमा के अनुसार सुनिश्चित किए जाएँ, ताकि मतदाता सूची का अद्यतन कार्य पूर्ण पारदर्शिता एवं शुद्धता के साथ पूरा किया जा सके।

धनराशि को जनहित में व्यय करें

● लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः ग्राम्य विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक विकास भवन सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सीडीओ रामजी शरण शर्मा ने नरेगा, एनआरएलएम, रीप, विधायक निधि, सांसद निधि, मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना एवं डीडीयूजीकेवाई की बिंदुवार समीक्षा की।

सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को समस्त योजनाओं में शत-प्रतिशत प्रगति लाए जाने के लिए निर्देशित किया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्राम्य विकास की योजनाओं में अधिकारी अपेक्षित प्रगति लाएं। कहा कि यह भी ध्यान रखा जाए कि योजनाओं का पूरा लाभ ग्रामीणों को मिले। अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को प्राथमिकता देते हुए योजनाओं के कार्यों में गुणवत्ता के साथ कार्य किए जाएं। सीडीओ ने कहा कि अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखें कि योजनाओं में प्राप्त धनराशि को जनहित में ही व्यय करें। जो धनराशि विभागों को प्राप्त हो गई है, उसका शत-प्रतिशत व्यय सुनिश्चित करें। लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। बैठक में डीडीओ एसके पंत समेत सभी खंड विकास अधिकारी समेत मौजूद रहे।

विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक के दौरान सीडीओ व अन्य। ● अमृत विचार

रंगदारी के आरोपी की याचिका खारिज

बागेश्वरः रंगदारी के आरोप में जेल में न्यायिक हिरासत में रह रहे गोपाल वनवासी की जमानत याचिका निरस्त कर दी गई है। गोपाल वनवासी अल्मोड़ा जेल में हैं। बैजनाथ थाने में बलवंत सिंह भंडारी ने गोपाल वनवासी पर रंगदारी मांगने व न देने पर झूठे केस में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इससे पूर्व भी गोपाल वनवासी के खिलाफ आरटीआई की आड़ में रंगदारी मांगने की शिकायतें थी। जांच के बाद पुलिस ने गोपाल वनवासी को गिरफ्तार किया तथा न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया। शनिवार को गोपाल वनवासी ने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायिक मजिस्टेट जैनब की अदालत में जमानत के लिए प्रार्थना पत्र दिया।

पालिका बोर्ड की बैठक में उठीं कई समस्याएं

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचारः नगर पालिका परिषद टनकपुर की बोर्ड बैठक पालिका अध्यक्ष विपिन कुमार की अध्यक्षता और अधिशासी अधिकारी दीपक चन्द बुढ़लाकोटी के संचालन में हुई।

बैठक में नगर के विकास एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। जिनमें नवसम्मिलित क्षेत्रों में व्यवसायिक भवनों का सर्वे तथा अन्य वार्डों में आउटसोर्स माध्यम से पंचवर्षीय गृहकर निर्धारण के लिए सर्वे कार्य करने का प्रस्ताव, नगर पालिका परिषद टनकपुर में कर निरीक्षक एवं सफाई निरीक्षक की नियुक्ति के लिए शासन एवं माननीय मुख्यमंत्री को अनुरोध पत्र प्रेषित किए जाने का प्रस्ताव, नगर पालिका परिषद टनकपुर की वर्ष 2024-25 की बैलेंस शीट तैयार किए जाने का प्रस्ताव, वर्षों से लंबित लिगैसी वेस्ट के निस्तारण के लिए निविदा प्रक्रिया प्रारंभ करने तथा इस कार्य की स्वीकृति प्रदान करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड सरकार को धन्यवाद ज्ञापित करने का प्रस्ताव, नगर पालिका परिषद टनकपुर को श्रेणी-सी से श्रेणी-बी में रखे जाने हेतु शासन एवं मुख्यमंत्री को अनुरोध पत्र भेजे जाने का, नेहरू मार्ग एवं पंत मार्ग के फुटपाथों पर चयनित वैण्डिंग जोन को जनआक्रोश के कारण स्थानांतरित करते हुए तथा मंडी समिति के स्थान को शहर से दूर पाए जाने पर, पूर्व में वैण्डिंग कमेटी द्वारा चयनित स्थान सीमेंट रोड स्थित वन विभाग तराई पूर्वी की रिक्त भूमि पर वैण्डिंग ज़ोन विकसित करने के लिए शासन प्रशासन को प्रस्ताव भेजने का निर्णय, नगर क्षेत्र में निर्मित नवीन पार्किंग के संचालन के लिए पालिका के अवर अभियंता द्वारा तकनीकी जांच पश्चात निविदा प्रक्रिया प्रारंभ करने का प्रस्ताव पारित हुए। इसके अतिरिक्त राज्य वित्त आयोग एवं 15वें वित्त आयोग की अवशेष धनराशि से आवश्यकता अनुसार पानी टैंकर, मोबाइल टॉयलेट, कीटनाशक दवाइयों आदि की खरीद किए जाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। बैठक में सभासद दिनेश कुमार, हसीब अहमद, दिलदार अली, वकील अहमद मौजूद रहे।

टनकपुर नगर पालिका सभागार में बैठक लेते पालिकाध्यक्ष विपिन कुमार।

प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों के साथ अधिकारी। ● अमृत विचार

योग में पटेल भवन के हिमांशु पालीवाल रहे अव्वल

पंतनगर : जीबी पंत विश्वविद्यालय में सत्र 2025-26 की विश्वविद्यालय योग (पुरुष) प्रतियोगिता का आयोजन स्टीवेन्सन स्टेडियम में किया गया। इसमें कुल 21 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। शनिवार को आयोजित योगा प्रतियोगिता में हिमांशु पालीवाल पटेल भवन ने पहला, नवदीप करनवाल वीएस भवन ने दूसरा और करन सिंह रावत जनरल बिपिन सिंह रावत भवन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को कार्यवाहक प्रभारी डॉ.पूनम त्यागी, स्टाफ काउंसलर डॉ.मीना मृगेश एवं योग विशेषज्ञ राजेश्वरी ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर क्लब प्रभारी एवं सह निदेशक शारीरिक शिक्षा डॉ.जीएस बोहरा, राजेश्वरी, शारीरिक शिक्षा अनुभाग के कर्मचारी और श्रमिक मौजूद रहे।

तालाब में डूबने से मजदूर की मौत

काशीपुरः कुंडेश्वरी पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम दोहरी वकील निवासी मोती लाल (52) पुत्र स्व. जीत सिंह की गांव के पास स्थित एक फार्म हाउस के मछली तालाब में डूबने से मौत हो गई।बताया गया कि शनिवार सुबह लगभग दस बजे मोती लाल अन्य मजदूरों के साथ तालाब के किनारे घास-फूस की सफाई कर रहे थे, तभी उनका पैर फिसल गया और वह तालाब में डूब गए। शोर मचने पर लोगों ने उन्हें खोजने की कोशिश की।

दोपहर लगभग एक बजे उनका शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया है। मृतक के भतीजे ने बताया कि उनके तीन बच्चे रोहतक, हरियाणा में अपनी नानी के पास रहते हैं।

सड़क पर पानी बहने से लोगों में रोष

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचारः जहां एक ओर सरकार हर घर जल हर घर नल देने का मुहिम चला रही है वहीं संबंधित विभाग मात्र खाना पूरी कर जहां एक ओर आमजन को गुमराह कर रही है वहीं सरकार की भी फजीहत कर रही है। जिसका उदाहरण आज शुक्रवार को नगर क्षेत्र में देखा गया। नगर क्षेत्र में दोपहर लगभग 1 बजे से सायं 6 बजे तक सड़कों पर गगास पेयजल योजना से जुड़ी मुख्य राइजिंग मैन पाइप के फटने से पानी सड़कों पर बहता नजर आया। जो नगर में चर्चा का विषय बना रहा। वहीं राह चल रहे लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

गौरतलब है कि शुक्रवार को रानीखेत के मुख्य बाजार क्षेत्र केएमयू स्टेशन से गांधी चौक तक सड़कों पर दोपहर 1 बजे से साय 6 बजे तक बैतहासा पानी बहता रहा। जो नगर में चर्चा का विषय बना। यह पानी रानीखेत नगर से गनियादयोली क्षेत्र सहित चिलियानौला क्षेत्र में गगास ताड़ीखेत पेयजल योजना को पेयजल आपूर्ति करने वाली मुख्य राइजिंग मैन पाइपलाइन की लीकेज होने का कारण थी। पानी के बेतहाशा बहने से यह कोतूहल का विषय बनने पर लोगों ने जब देखा कि यह पानी मुगोली पेट्रोल पंप के पास बने छावनी के सार्वजनिक शौचालय से बह रहा था। जिसको लेकर आम जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है।

रानीखेत में पाइप लाइन फटने से मुख्य सड़क पर फैला पानी। ● अमृत विचार

बार एसोसिएशन चुनाव संचालन समिति का गठन

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः जिला बार एसोसिएशन अल्मोड़ा की आम सभा की बैठक में आगामी कार्यकाल के लिए चुनाव प्रक्रिया को संचालित करने के लिए चुनाव संचालन समिति का गठन किया गया। आगामी चुनावों को लेकर अधिवक्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है, जबकि चुनाव संचालन समिति ने तैयारी शुरु कर दी है। कहा जल्द ही चुनावी कार्यक्रम घोषित कर दिया जाएगा।

बैठक में जिला कार्यकारिणी एवं अधिवक्ताओं की मौजूदगी में सर्वसम्मति से अधिवक्ता पंकज लटवाल को समिति का मुख्य संयोजक व अध्यक्ष चुना गया। साथ ही समिति में पांच अधिवक्ताओं अमिता चौधरी, मुरली मनोहर भट्ट, ऐजाज अंसारी, रोहित कार्की और देवाशीष नेगी को संगठन द्वारा सदस्य की जिम्मेदारी सौंपी गई। चुनाव संचालन समिति की बैठक में तय हुआ कि केवल कार्यकारिणी द्वारा जारी मतदाता सूची में दर्ज अधिवक्ता ही बार एसोसिएशन के चुनाव वर्ष 2025-27 के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। समिति ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची को ही चुनाव की मूल आधार सूची माना जाएगा और सूची के अनुसार ही मतदान की प्रत्येक प्रक्रिया संपन्न होगी।

खटीमा तहसील में निरीक्षण करते कुमाऊं के अपर आयुक्त जीवन सिंह नगण्याल।

कुमाऊं मंडल अपर आयुक्त ने किया वार्षिक निरीक्षण

खटीमा : कुमाऊं मंडल नैनीताल के अपर आयुक्त जीवन सिंह नगन्याल ने वार्षिक निरीक्षण के तहत उप जिलाधिकारी कार्यालय, तहसीलदार कार्यालय, न्यायालय, रजिस्ट्रार कानूनगो, नाजरात सहित जनाधार कक्ष आदि का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। अपर आयुक्त नगन्याल ने तहसील के कार्यालयों के समस्त प्रमाण पत्रों का समय पर निस्तारण करने, नायब नाजिर कक्ष में पंजिकाओं के सही रख-रखाव संबंधित निर्देश दिए। राजस्व लेखाकार कक्ष में वसूली का प्रतिशत बढ़ाने, रजिस्ट्रार कानून गो कक्ष में स्थापित मॉडर्न रिकॉर्ड रूम में बस्ते व्यवस्थित तरीके से रखने, एसडीएम कार्यालय में निस्तारित पत्रावलियों का कन्साइंमेंट करने, आरडीएक्स पर न्यायालय की कार्यवाही अत्यधिक किए जाने संबंधित निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी तुषार सैनी, तहसीलदार हिमांशु जोशी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी गीता गौतम, रजिस्ट्रार कानूनगो जगमोहन त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

आयोजन | क्रिकेट चैंपियनशिप में 58 टीमें लेंगी भाग

बार एसोसिएशन क्रिकेट चैंपियनशिप 21 से होगी

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः बार एसोसिएशन के संस्थापक प्रथम अध्यक्ष व भारत रत्न पं. गोविंद बल्लभ पंत की स्मृति में 22 वां उत्तराखंड बार एसोसिएशन क्रिकेट चैंपियनशिप 21 दिसंबर से शुरू होगी।

काशीपुर बार एसोसिएशन सभागार में शनिवार को बार अध्यक्ष अवधेश चौबे की अध्यक्षता में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने बताया कि एसोसिएशन के संस्थापक प्रथम अध्यक्ष व भारत रत्न पं. गोविंद बल्लभ पंत की स्मृति में क्रिकेट चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। यह टूर्नामेंट 21 से 31 दिसंबर के मध्य खेला जाएगा। इसमें राज्य के अधिवक्ताओं की 58 टीम प्रतिभाग करेगी। बताया कि टूर्नामेंट का शुभारंभ 21 दिसंबर को मोहल्ला कटोराताल स्थित छावनी क्रिकेट खेल मैदान में हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश गुहानाथन नरेंद्र करेंगे। 11 दिवसीय टूर्नामेंट क्षेत्र के तीन खेल मैदान छावनी खेल मैदान, रामनगर रोड स्थित शेमफोर्ड खेल मैदान व कुंडेश्वरी में डेन स्पोर्ट्स एकेडमी में होंगे। प्रतिदिन दो-दो मैच कुल 55 मुकाबले होंगे। बताया टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 31 दिसंबर को शेमफोर्ड एकेडमी में खेला जाएगा। बार अध्यक्ष चौबे ने बताया कि इस दौरान एक स्मारिका न्याय पथ जिसके मुख्य संपादक अधिवक्ता अतुल अग्रवाल की पुस्तक का विमोचन मुख्य न्यायाधीश करेंगे। टूर्नामेंट की विजेता टीम को एक लाख और रनरअप को पचास हजार रुपये नगद व ट्रॉफी से पुरस्कृत किया जाएगा। इस मौके पर सचिव नृपेंद्र चौधरी, उपाध्यक्ष अनूप शर्मा, चीफ टूर्नामेंट को-ऑर्डिनेटर उमेश जोशी, अतुल अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में प्रेस वार्ता करते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

बाजपुर में कन्याओं को आशीर्वाद देते संत। ● अमृत विचार

11 निर्धन कन्याओं के विवाह के लिए उपहार दिए

बाजपुर : हरिपुरा स्थित श्री अद्वैत स्वरूप विचार आश्रम में आयोजित वार्षिक संत सम्मेलन का समापन हुआ। इस पावन अवसर पर आश्रम समिति ने क्षेत्र की 11 निर्धन कन्याओं के विवाह हेतु दानस्वरूप उपहार प्रदान कर सहायता की। सम्मेलन में उपस्थित संत श्री ध्यान प्रेमानंद, विज्ञान प्रेमानंद सहित दर्जनों संतों ने सभी 11 कन्याओं को आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इन कन्याओं में थोटूपूरा, बेवकता, गदरपुर और हरिपुरा सहित कई क्षेत्रों की निवासी शामिल थीं। आश्रम पदाधिकारियों ने बताया कि ऋषिपाल, अंकुर, अरुण, विंकल और ऑस्ट्रेलिया निवासी कुबेर कंबोज जैसे सहयोगियों की मदद से पहले भी सैकड़ों निर्धन कन्याओं के विवाह में सहयोग किया गया है। दो दिवसीय संत सम्मेलन का सीधा प्रसारण यूट्यूब चैनलों पर किया गया, जिसमें ऑस्ट्रेलिया से कुबेर कंबोज ने भी ऑनलाइन सत्संग में सहभागिता की।

इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश गोयल से बातचीत

बरेली का औद्योगिक विकास तभी जब होगा 'साफ्टवेयर टेक्नालॉजी पार्क'

निरंतर उन्नति कर रही बरेली में बीते एक दशक में चिकित्सा, शिक्षा व खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में काफी विकास हुआ है। इन क्षेत्रों में आगे भी खूब विकास होगा, साथ ही, इंजीनियरिंग व खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में भी इजाफा होगा, पर इसके लिए यहां 'साफ्टवेयर टेक्नालॉजी पार्क' की बहुत जरूरत है। ऐसा इसलिए है कि यहां के उद्यमियों व उद्यमों में कार्यरत श्रमिकों को समुचित डिजिटल तकनीक का जानकारी नहीं मिल पा रही है। अगर सरकार इसकी व्यवस्था करेगी, तो विकास की दौड़ में बरेली बहुत आगे होगी। इस शहर में पारंपरिक जरी जरदोजी व एग्रो आधारित प्लाईवुड का कारोबार भी बढ़ेगा। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश गोयल का कहना है कि बुनियादी सुविधाओं में बगैर बदलाव के विकसित भारत का सपना पूरा नहीं हो सकेगा। उद्योगों के विकास पर फोकस करते हुए वे कहते हैं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के युग में उद्यमियों व उद्योगों में कार्यरत लोगों को बेहतर तकनीकी ज्ञान व प्रशिक्षण मिलेगा, तभी हम चीन व जापान जैसे देशों से प्रतिस्पर्धा की स्थिति में पहुंच पाएंगे। औद्योगिक विकास के लिए 'डिटिजल नॉलेज' वाले युवाओं की बहुत जरूरत है, ताकि उद्यमियों को ऐप समेत अन्य तकनीकी सुविधाएं मिल सकें। अध्यक्ष ने सवाल उठाते हुए कहते हैं कि मोबाइल के पार्ट बाहर से क्यों निर्यात कर रहे हैं। स्वदेश में क्यों नहीं तैयार किये जा रहे हैं। हमें लागत को कम कर 'प्रतिस्पर्धी' बनने की जरूरत है।

चीन व जापान से सीख लेने की जरूरत

भारत व चीन एक समय बराबर पर रहे हैं, पर बीते वर्षों में चीन ने अपनी 'मेगा पॉलिसी' के जरिये तरक्की की। उन्होंने उद्योगों के लिए संपूर्ण बुनियादी ढांचा बनाकर दिया। आईआईए के अध्यक्ष का कहना है कि हमें इन देशों से सीख लेने की जरूरत है। उद्योगों के बुनियादी ढांचे की 'कास्ट' अगर कम होगी, तभी उत्पाद सस्ते होंगे और हम चीन जैसे बाजार से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। चीन में प्रति व्यक्ति उत्पादन सस्ता है। 'वेंडरिंग' सरल है। चीन में उत्पादों की अच्छी मार्केटिंग होती है। ऐसा भारत व उत्तर प्रदेश में भी होना चाहिए। उद्यमियों को वैश्विक बाजार से प्रतिस्पर्धा करने के लिए हर स्तर पर सुरक्षा की जरूरत है।

गांव-गांव के बजाय लगाए जायं एक जगह उद्योग

गांव-गांव के बजाय एक ही क्षेत्र में उद्योग लगाये जायं तो इससे बुनियादी खर्चा बचेगा और उत्पाद सस्ते होंगे। चारों से ओर से लगभग 250 किलोमीटर दूरी पर स्थित बरेली में अच्छे 'फीचर' डालने होंगे। प्रदेश के औद्योगिक विकास के विजन-2047 में बरेली की भूमिका अहम होगी। सांस्कृतिक व पर्यटन के क्षेत्र में यहां बहुत संभावनाएं हैं। पर एकीकृत विकास जरूरी है। सूचना तंत्र का विकास भी बहुत आवश्यक है। होटल मैनेजमेंट की तरह आईटीआई के छात्रों को उनके संस्थान में रोजगार देना उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इससे उन्हें रोजगार मिलेगा, साथ ही, वे उद्योगों की जरूरत से अनुसार वे तैयार हो सकेंगे।

उद्यमियों को उपलब्ध नहीं कराया जा रहा डाटा : विकास के लिए 'नियोजित प्लान' की जरूरी है तो उसके लिए समुचित डाटा भी होना चाहिए। बरेली में उद्योगों के पास विकास के लिए समुचित डाटा नहीं है। सरकार भी डाटा उपलब्ध नहीं करा रही है। बरेली में विकास के 35000 करोड़ के एमओयू हुए, जिसमें सात हजार करोड़ के कार्य लागू हो सके हैं। बाकी फिलहाल नजर नहीं आ रहा है, जबकि जीएसटी देने के मामले में प्रयागराज मंडल पहला है तो बरेली पांचवें स्थान पर है।

परिवहन के लिए शुरू किये जायं रिवर पोर्ट : आईआईए के अध्यक्ष का कहना है कि मान्यताप्राात औद्योगिक संगठनों में कार्यालयों में सरकार को 'नॉलेज बैंक' स्थापित करना चाहिए, साथ ही, माल की बेहतर परिवहन व्यवस्था के लिए राज्य सरकार को 'रिवर पोर्ट' शुरू करना चाहिए। अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने राज्य सरकार को इस सिलसिले में सुझाव दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में रिवर पोर्ट शुरू करने की बात कही है। इससे माल के परिवहन व्यवस्था में सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि विदेशों में उद्यमियों को प्राथमिकता देने के लिए राज्य सरकार को नोडल एजेंसी बनानी होगी। साथ ही, हमें विभाग के उद्योगों के कार्यालयों को सुसज्जित करना होगा।

साफ्टेवयर टेक्नालॉजी पार्क में होनी चाहिए बड़ी कंपनियां : जैसे प्रदेश के लिए 'साफ्टेवयर टेक्नालॉजी पार्क' का महत्व ज्यादा है, उसी तरह बरेली में यह पार्क बनाना होगा। इसके आपरेशन सिस्टम में बड़ी कंपनियों को आना होगा, ताकि 'जॉब' में आने वाले युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण दिया जा सके और इसका लाभ सभी लोगों को मिल सके। आईआईए के अध्यक्ष का कहना है कि आज हमें छोटे उद्योगों में तकनीकी सिस्टम को चलाने के लिए 'वर्क फोर्स' की जरूरत है, पर वह उपलब्ध नहीं है। युवा एनसीआर या अन्य बड़े शहरों में चले जा रहे हैं। जो 'स्किल' पैदा हो रहा है, उसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसके लिए जरूरी है कि हम उन्हें स्थानीय उद्योग से जोड़कर रखें।

तो अच्छा हो सकता था प्लास्टिक उत्पादन : बरेली हमेशा से केमिकल व सिंथेटिक उद्योग के लिए जानी जाती है, इस कारण इसके पुराने जानकार भी यहां उपलब्ध हैं, आज अगर बुनियादी ढांचा होता, तो अच्छा प्लास्टिक उत्पादन हो सकता था। इन चीजों का 'क्लस्टर' दे पाते। उनका कहना है कि मेडिकल उपकरण बहुत सा पार्ट केमिकल पर आधारित है, उन चीजों का उत्पादन कर सकते हैं। पूरे प्रदेश में भेज सकते हैं, इसके लिए डाटा सेंटर, कंसल्टेंट व तकनीकी ज्ञान रखने वाले लोगों की जरूरत है।

उद्योगों के विकास के लिए मीडिया की अहम भूमिका : उद्योगों के विकास में मीडिया की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। मीडिया पारदर्शिता के साथ जागरूकता फैलाने का कार्य करता है। इसी से चीजें आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि क्रांति तो इसी से आ सकती है। वीडियो व प्रिंट मीडिया के स्वरूप को लेकर उन्होंने कहा कि डिजिटल तो जरूरी है, पर प्रिंट बहुत जरूरी है, क्योंकि 'प्रिंट मीडिया' ही सही तथ्य प्रस्तुत करता है।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

दुनिया को लुभा रहे बरेली के बांस-बेंत के फर्नीचर

बरेली को यू ही बांस बरेली नहीं कहते। यहां के बने बांस-बेंत के फर्नीचर ने धाक जमा रखी है। कारोबारियों के मुताबिक यहां बने बांस-बेंत के फर्नीचर यूरोप, फिलिपींस, डेनमार्क सहित अन्य देशों को भी निर्यात हो रहे हैं। बांस और बेंत से बरेली में अनेक आकर्षक व उपयोगी वस्तुएँ बनती हैं। कुर्सियां, टेबल, सोफ़ा, बेड, स्टूल, रैक, शेल्फ़, झूला, बेबी क्रेडल,ट्रे, लैम्प, होम डेकोर आइटम, कैफ-रिसॉर्ट के लिए थीम आधारित सेट, फूलदान और सजावटी शोपीस, टोकरी, डलिया और स्टोरेज बॉक्स, फाउंटेन, शेड, गार्डन डेकोरेशन व अन्य वस्तुएं यहां के कारगर बनाते हैं।

आसाम, त्रिपुरा से मंगाते हैं बांस : कारोबारी खालिद ने बताया कि आसाम, त्रिपुरा से बांस मंगवाया जाता है। सरकार बांस की खेती को प्रोत्साहन दे रही है। मिशन बैंबू के तहत नवाबगंज और फतेहगंज पश्चिमी के किसान बांस की खेती कर रहे हैं। कुछ साल में ये बांस तैयार हो जाएगा। उन्होंने बताया कि बांस से हर तरह का फर्नीचर नहीं बना सकते। क्योंकि ये अंदर से खोखला होता है। बेंत से हर तरह का फर्नीचर तैयार किया जा सकता है। बेंत का फर्नीचर ज्यादा लुभावना होता है। बरेली के पुराना शहर से लेकर सीबीगंज, पदारथपुर, ठिरिया, उड़ला जागीर, आलमपुर, गरगटा, फतेहगंज पश्चिमी, नवाबगंज के गांवों में बांस-बेंत के फर्नीचर बनाने का काम पीढ़ियों से हो रहा है।

बेहतरी के प्रयास : बांस- बेंत के काम को और निखारने के लिए बरेली में कई तरह के कॉमन फैसिलिटी सेंटर बनाए गए हैं। इसमें किसानों का बांस खरीद कर कंपनियों के माध्यम से बांस के आभूषण, गृह सज्जा, फर्नीचर जैसे तमाम वस्तुएं बनाने का प्रशिक्षण दिया जाने लगा। कारीगरों को प्रशिक्षित करने के लिए आसाम, त्रिपुरा से प्रशिक्षक बुलाए जाते हैं।

घरों में होता है बेंत का काम

फर्नीचर कारोबारी खालिकिन नूर ने बताया कि छोटे कारखानों और घरों में बेंत का काम होता है। कोई कारीगर सोफा, कुर्सी, स्टूल जैसे फर्नीचर बनाने में उस्ताद होता है तो कोई सजावटी सामान में। इसीलिए अलग-अलग कारीगरों से सामान तैयार करवाते हैं। राज्य के कई शहरों के अलावा दूसरे प्रदेशों में भी माल जाता है।

लकड़ी के फर्नीचर का जलवा

बरेली लकड़ी के फर्नीचर की बहुत बड़ी मंडी है। सैकड़ों दुकानें-शोरूम यहां के फर्नीचर की कहानी सुनाते हैं। यह शहर अपने फर्नीचर की गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। फर्नीचर की लंबी रेंज ग्राहकों को उनकी जरूरत के अनुसार चुनने की सुविधा देता है। स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए बेहतरीन फर्नीचर के साथ अब शहर में ब्रांडेड फर्नीचर के भी शोरूम बड़ी संख्या में खुले हैं।

गुणवत्ता के साथ बनाते हैं डिजाइन

बरेली फर्नीचर डीलर ऐसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप गोयल कहते हैं कि बरेली के फर्नीचर की सबसे बड़ी खासियत है गुणवत्ता। हम ग्राहक के मनमुताबिक डिजाइन तैयार करवाते हैं, साथ ही गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखते हैं। यही भरोसा बरेली के फर्नीचर बाजार को खास बनाता है। बरेली में बना फर्नीचर आसपास जिलों के अलावा उत्तराखंड समेत दूसरे कई प्रदेशों में जाता है।

मशक्कत से मिला ओडीओपी

ऐसोसिएशन के महामंत्री सौरभ गर्ग भी बरेली के फर्नीचर को खास बताते हैं। वह कहते हैं कि पूरे उत्तर प्रदेश में बरेली से बड़ी फर्नीचर की मंडी नहीं। यहां सैकड़ों छोटे-बड़े प्रतिष्ठान हैं। दिल्ली बहुत बड़ी मंडी है। लेकिन वहां भरोसे की कोई गारंटी नहीं। आप मांगेंगे कुछ, दिखाया जाएगा कुछ और घर पहुंचेगा कुछ और। हमारी सबसे बड़ी पूंजी ही ग्राहकों का विश्वास है। उन्होंने बताया कि एक जनपद एक उत्पाद योजना में फर्नीचर को शामिल कराने के लिए हमें बहुत मशक्कत करनी पड़ी। आडीओपी मिलने से इस कारोबार से जुड़े करोबारियों सहित हजारों कारीगरों को फायदा मिलेगा। वित्तीय सहायता, कौशल विकास, ब्रांडिंग और प्रचार के अलावा रोजगार सृजन होगा।

नई अर्थव्यवस्था का मजबूत केंद्र बरेली

परंपरा बदली, पहचान नहीं

बरेली। एक समय था जब कुमाऊं की रोजमर्रा की जरूरतों की सबसे बड़ी सप्लाई बरेली से ही पूरी होती थी। हल्द्वानी, काठगोदाम, अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ तक हर तरह का सामान अनाज, कपड़ा, दवाइयां, मसाले, निर्माण सामग्री बरेली की मंडियों से ही निकलता था। पहाड़ों की रोजमर्रा की जरूरतें, निर्माण सामग्री, कपड़ा, दवाइयां, मसाले, अनाज, मशीनरी और उपभोक्ता वस्तुएं बरेली की मंडियों से ही निकलकर काठगोदाम और हल्द्वानी होते हुए पहाड़ों तक पहुंचती थीं। लंबे समय तक यह संबंध इतना मजबूत था कि बरेली को कुमाऊं की आर्थिक जीवन-रेखा तक कहा जाता था।

वर्ष 2000 में जब उत्तराखंड राज्य का गठन हुआ, तो वह पुरानी व्यापारिक परंपरा में बदलाव आने लगा, जिसके बाद कुमाऊं के बाजार अपने नए व्यापारिक केंद्र खोजने लगे और व्यापार का एक बड़ा हिस्सा बरेली की पकड़ से दूर चला गया। कई लोगों को लगा कि इससे बरेली की बाजार पहचान कमजोर हो जाएगी। लेकिन बरेली की असली ताकत केवल उसकी भौगोलिक स्थिति नहीं, बल्कि उसकी अनुकूलन क्षमता है। बरेली ने अपनी पहचान बनाए रखने के लिए नए क्षेत्रों में खुद को और मजबूत किया। आज यह शहर फिर से पश्चिम यूपी की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार बनकर उभर रहा है।

एक समय था जब कुमाऊं के व्यापारिक केंद्र हल्द्वानी और काठगोदाम बरेली की मंडियों पर निर्भर थे। पहाड़ों में निर्माण कार्य से लेकर त्योहारों और शादी-विवाह की सजावटी चीजें, हर तरह का सामान बरेली से जाता था। इस अवधि में बरेली की ग्रेन मंडी, खैराती लाल मार्केट, सर्राफा मार्केट, सिविल लाइन्स और कोहाड़ापीर जैसे इलाकों की गिनती उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण व्यावसायिक क्षेत्रों में होती थी। सामान की खरीद-फरोख्त का रूटीन इतना तयशुदा था कि बरेली के बाजारों पर कुमाऊं की मांग सीधा असर डालती थी। पहाड़ों के लोगों का बरेली सिर्फ व्यापार के लिए नहीं, बल्कि रोजगार, शिक्षा, खरीदारी और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आना आम था।

उत्तराखंड के राज्य बनने के बाद दो बड़े बदलाव हुए। पहला प्रशासनिक और कर व्यवस्था का बंटवारा हुआ और दूसरा कुमाऊं में व्यापारिक केंद्रों का विकास होने लगा। नई राज्य सरकार ने हल्द्वानी, रुद्रपुर, काशीपुर और पंतनगर जैसे क्षेत्रों को विकसित किया। इससे स्वाभाविक रूप से बरेली पर निर्भरता घटने लगी। पहले जहां पहाड़ों की जरुरत के लिए हर बड़े व्यापारी को बरेली का रुख करना पड़ता था, वहीं अब हल्द्वानी और रुद्रपुर में ही बड़े गोदाम, मंडियां और कारोबारी प्रतिष्ठान बनने लगे। टैक्स संरचना बदलने से बरेली से माल भेजना अब पहले जैसा सहज नहीं रह गया। इन कारणों से बरेली का वह पारंपरिक एकाधिकार धीरे-धीरे टूटने लगा। यह बदलाव पूरी तरह स्वाभाविक था। कुमाऊं का बाजार बरेली से काफी दूर होता चला गया। लेकिन बरेली की असली क्षमता इसी मोड़ पर सामने आई। शहर ने बदलते समय के साथ खुद को ढाल लिया और नए क्षेत्रों में व्यापारिक विकास की राह को तलाशना शुरू किया और एक नई रफ्तार के साथ नई ऊंचाई पाया। बरेली की पुरानी मंडियों ने खुद को आधुनिक व्यापारिक जरूरतों के अनुसार ढाला। अनाज, फल-सब्जी और किराना व्यापार आज भी क्षेत्र में मजबूत स्तंभ हैं। इसके अलावा कपड़ा और सर्राफा बाजार का फैलाव बरेली को पश्चिम यूपी का प्रमुख रिटेल और थोक केंद्र बनाए रखता है।

उत्तराखंड के राज्य बनने के बाद बरेली के व्यापार में 20 से 25 प्रतिशत की गिरावट आई। समय के साथ बरेली ने नए केंद्रों की खोज की और खुद को भी बदला लेकिन अपनी परंपरा से दूर नहीं हुआ। बरेली आसपास के सभी नए बाजारों की खोज की और उनमें अपनी गहरी पैठ बनाकर अपनी व्यापारिक क्षमता को साबित किया। **- राजेश जसोरिया, संयुक्त महामंत्री, उप्र उद्योग व्यापार मंडल**

पहले उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड एक थे, तब हमारा काम एक ही सिस्टम से होता था। उस समय काम आसान था, लेकिन नए ग्राहकों तक पहुंच सीमित थी। जब उत्तराखंड राज्य बना तो हमें दोनों जगहों पर अलग-अलग काम बढ़ाने का मौका मिला। अब हमारे पास दोनों राज्यों के लिए सप्लाई चैन, तेज डिलीवरी मौजूद हैं। **-रजत मल्होत्रा, सचिव, आईआईए, बरेली**

उत्तराखंड के राज्य बनने के बाद से बरेली के सर्राफा करोबार में काफी बदलाव आया है, जहां कुमाऊं का मुख्य बाजार बरेली था वहीं आज बरेली अन्य क्षेत्रों के लिए भी बड़ा बाजार बन गया है। कुमाऊं को अलग हुए 25 साल हो गए, लेकिन अब भी कारोबार चल रहा है। बरेली ने खुद को बदला और नए बाजारों की तलाश की। **-संदीप अग्रवाल मिंटू, अध्यक्ष, ज्वेलर्स एंड बुलियन ए.**

25 साल पहले बरेली से अलग हुए उत्तराखंड के कपड़ों की जरूरतों को बरेली ही पूरा करता रहा, लेकिन उत्तराखंड के राज्य बनने के बाद से यहां के कपड़ा कारोबार में गिरावट तो आई लेकिन दिल्ली और लखनऊ के मध्य होने से बरेली को अन्य स्थानों के व्यापारी मिले, जिससे कपड़ा उद्योग पर कोई विशेष असर नहीं पड़ा। **-दर्शनलाल भाटिया, चेयरमैन- उप्रदेश व्यापार मंडल और अध्यक्ष- रेडिमेड** गारमेंट

परंपरा और आधुनिकता का मेल

बड़े बाजार से मॉल तक की यात्रा

बरेली। उत्तर प्रदेश का शहर बरेली तेजी से बदलते व्यापारिक केंद्र का प्रतीक बन चुका है। सदियों पुरानी परंपराओं वाली गलियां जैसे बड़े बाजार, चौक, कोहाड़ापीर, इमामबाड़ा, कुतुबखाना और किला इलाका जहां कभी थोक व्यापार और मोलभाव की रौनक हुआ करती थी, वहां अब आधुनिक मॉल, ब्रांडेड शोरूम और डिजाइनर स्टोर्स का प्रचलन है। यह बदलाव केवल इमारतों या दुकानों का नहीं, बल्कि व्यापार की सोच, ग्राहकों की बदलती पसंद और समय के साथ विकसित बाजार के स्वरूप का पर्याय है। फिनिक्स मॉल, सिटी मॉल और डीडीपुरम रोड जैसे नए आर्थिक केंद्रों ने पुरानी पहचान को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है, जहां खरीदारी अब सिर्फ जरूरत का माध्यम नहीं, बल्कि एक पूर्ण अनुभव बन चुकी है। बरेली का यह व्यापारिक सफर दर्शाता है कि परंपरा बदलती तो है, लेकिन मिटती नहीं बस नया रूप धारण कर लेती है। बड़े बाजार और चौक जैसी जगहें अभी भी सांस्कृतिक जड़ों का प्रतीक हैं, जबकि मॉल और ब्रांडेड स्टोर्स आधुनिकता का चेहरा। दोनों का संगम बरेली को 'संस्कृति और व्यवसाय का संतुलित शहर' बनाता है, जहां आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक बदलाव भी झलकता है। यह यात्रा न केवल व्यापारियों की मेहनत का परिणाम है, बल्कि पूरे समाज के अनुकूलन का जीवंत उदाहरण भी। भविष्य में बरेली और भी मजबूत व्यापारिक केंद्र के रूप में उभरेगा, जहां पुरानी यादें नई कहानियों को प्रेरित करती रहेंगी।

ज्वेलरी व्यापार : सोनारों की गलियों से डायमंड शोरूम तक : चौक और कोहाड़ापीर की तंग गलियों में दशकों तक सोना-चांदी की छोटी-छोटी दुकानें चमकती रहीं। यहां हाथ से बनी ज्वेलरी झूमके, हार और चूड़ियां न केवल व्यापार का आधार थीं, बल्कि सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा भी थी। लेकिन आधुनिकता की लहर ने इस क्षेत्र को भी नया रूप दे दिया है। अब तनिष्क, कल्याण ज्वेलर्स, पीएनजी और साराफा मार्केट जैसे ब्रांडेड शोरूम स्थानीय ज्वेलर्स को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। मशीन-कट डिजाइन्स, डायमंड सेक्शन और हॉलमार्क्ड गारंटी अब ग्राहकों की प्राथमिकता हैं। अब ग्राहक सिर्फ डिजाइन नहीं, बिल और वारंटी भी चाहता है, कोहाड़ापीर के एक सुनार ने कहा। यह परिवर्तन न केवल प्रतिस्पर्धा बढ़ा रहा है, बल्कि स्थानीय कारीगरों को भी नई तकनीकों अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। ज्वेलर्स एण्ड बुलियन एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप अग्रवाल मिंटू ने बताया कि बरेली ने खुद को बदलते हुए परिवेश में बदला और प्राचीनता और परंपरा के साथ ही आधुनिकता को महत्व दिया। पहले जहां ज्वेलरी की छोटी दुकानें होती थी वहीं आज महानगर में कई बड़े ब्रांड के शोरूम में है। जिसने बरेली को एक अलग ही पहचान दी है।

मिठाई और बर्तन : स्वादिष्ट परंपरा से फ्यूजन सुविधा तक : बरेली की मिठाई रसगुल्ला, पेड़ा, लड्डू और बर्फी हमेशा से शहर की शान रही है। इमामबाड़ा रोड और सिविल लाइंस इलाकों में छोटे हलवाइयों की दुकानें स्वाद का खजाना हुआ करती थीं। लेकिन अब ब्रांडेड चेन जैसे छप्पन भोग, बिकानेरवाला और हल्दीराम ने बाजार में अपनी पैठ बना ली है। फ्यूजन स्वीट्स, ड्राय फ्रूट मिठाइयां और बेकरी प्रोडक्ट्स की मांग बढ़ी है, जहां पैकिंग और प्रेजेंटेशन उतना ही महत्वपूर्ण है जितना स्वाद। स्वाद वही है, लेकिन पैकिंग और प्रेजेंटेशन में बड़ा बदलाव आया है। इसी तरह, बर्तन व्यापार में भी क्रांति आ चुकी है। किला रोड और डीडीपुरम इलाकों में पहले पीतल, तांबे और स्टील के पारंपरिक बर्तन बिकते थे। अब नॉन-स्टिक, माइक्रोवेव-सेफ, डिजाइनर क्रॉकरी और किचन सेट की दुकानें खूब फल-फूल रही हैं। यह बदलाव आधुनिक रसोई की जरुरतों को पूरा करता है, जहां सुविधा और सौंदर्य दोनों का ध्यान रखा जाता है।

इलेक्ट्रॉनिक, फर्नीचर और फोम उद्योग : जीवनशैली की नई मांगें : सिविल लाइंस और डीडीपुरम रोड अब इलेक्ट्रॉनिक्स का मुख्य बाजार है। जहां पहले टीवी और रेडियो तक कारोबार सीमित था, वहीं अब स्मार्टफोन, एलईडी, एसी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन और होम ऑटोमेशन प्रोडक्ट्स की भरमार है। ग्राहक ऊर्जा-कुशल और स्मार्ट डिवाइसेस की तलाश में हैं, जो आधुनिक जीवन को आसान बनाते हैं। फर्नीचर और फोम उद्योग भी पीछे नहीं हैं। किला रोड, प्रीतम नगर और अन्य इलाकों में लकड़ी के पारंपरिक काम से निकलकर मॉड्यूलर फर्नीचर, फोम मैट्रेस और डेकोर स्टूडियो उभर आए हैं। स्लीपीहेड, स्लीपवेल जैसे ब्रांड घर-घर पहुंच चुके हैं। अब ग्राहक लकड़ी का वजन नहीं, फर्नीचर की डिजाइन और कम्फर्ट को तवज्जो देता है, एक फर्नीचर निर्माता ने कहा। यह क्षेत्र नई पीढ़ी की आरामप्रिय जीवनशैली को दर्शाता है।

कपड़ा व्यापार: गलियों से ब्रांड्स तक

पुराने दिनों में कुतुबखाना और बड़े बाजार बरेली का थोक और खुदरा व्यापार का केंद्र रहा। हाथों से सिलाई और बुनाई का काम होता था और ग्राहक कपड़े की मजबूती व कीमत पर जोर देते थे। लेकिन अब रेडीमेड गारमेंट्स, डिजाइनर बुटीक और ब्रांडेड फैशन स्टोर्स मॉल्स व मार्केट कॉम्प्लेक्स में फैल चुके हैं। ग्राहक अब क्वालिटी के साथ ब्रांड वैल्यू, स्टाइल और फैब्रिक की चमक भी तलाशते हैं। यह बदलाव बरेली को उत्तर भारत के फैशन हब के रूप में स्थापित कर रहा है। उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के चेयरमैन व रेडिमेड गारमेंट के अध्यक्ष दर्शनलाल भाटिया ने बताया कि पहले बरेली में छोटी दुकानें होती थी और ग्राहकों की खरीदारी की क्षमता भी सीमित हुआ करती थी। अब बड़े ब्रांडों के शोरूम खुल गए हैं और ग्राहकों के सामने कपड़ों के चयन और खरीदने का अवसर बढ़ा है। ग्राहकों की क्षमता और पसंद ने बरेली को एक छोटे बाजार से बड़े बाजार में बदल दिया है। आज बरेली में सभी बड़े ब्रांड मौजूद है।

मॉल संस्कृति : खरीदारी से अनुभव तक का सफर

पिछले एक दशक में मॉल संस्कृति ने बरेली के व्यापार को नया आयाम दिया है। जहां पहले ग्राहक गलियों में मोलभाव करते थे, वहीं अब परिवार के साथ एयर-कंडीशंड मॉल्स जैसे फिनिक्स मॉल और सिटी मॉल में शॉपिंग, फूड कोर्ट, मनोरंजन और समय बिताने का पूरा पैकेज मिलता है। अब शॉपिंग एक अनुभव है, जहां लोग देखना, घूमना और समय बिताना चाहते हैं, एक युवा ग्राहक ने साझा किया। ये मॉल न केवल आर्थिक केंद्र हैं, बल्कि सामाजिक मेलजोल के स्थान भी बन चुके हैं, जो पुरानी मंडियों की रौनक को आधुनिक रूप में जीवित रखते हैं।

प्रस्तुति-सुनील संवेदी/आनंद विश्वकर्मा

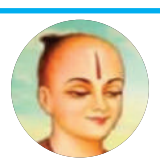

दया धर्म का मूल है पाप मूल अभिमान।
तुलसी दया न छोड़िये जब तक घट में प्राण।।

तुलसीदास जी कहते हैं, धर्म का असली मूल दूसरों पर दया करना है और अभिमान नहीं करना चाहिए। अभिमान ही पाप की बुनियाद है। जब तक जीवन है इंसान को दया करना नहीं छोड़नी चाहिए।

वाक् स्वातंत्र्य का अधिकार बड़ा पर शब्द संयम भी जरूरी

सोशल मीडिया पुराकथाओं जैसा हीरो बन गया है। यह दोधारी तलवार है। जानकारियों का स्रोत है। भौतिक जीवन के प्रपंच सोशल मीडिया के माध्यम से आम जनों तक पहुंचते हैं। उन्हें जरूरी या गैरजरूरी मानना व्यक्तिगत पसंद की बात हो सकती है। कुल मिलाकर सोशल मीडिया अनिवार्य बुराई के रूप में लिया जा रहा है। सोशल मीडिया में मनोरंजन है। ज्ञान है। पुस्तकें हैं। गीत-संगीत भी हैं। जीवन को सुखमय बनाने वाले तमाम तत्व सोशल मीडिया का अंग हैं। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब सोशल मीडिया नहीं था, तब मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वालों की संख्या बहुत कम थी। घर में बहुधा एक या दो फोन होते थे। अब परिवार में सभी के पास अपना मोबाइल है। मोबाइल केवल दूरभाष वार्ता का काम नहीं देता। वह चलता फिरता टीवी है। बहुत सुंदर नोटबुक है। ज्ञात विश्व के सभी अनुशासनों का जीवन तंत्र है।

सोशल मीडिया पुराकथाओं जैसा हीरो बन गया है। सोशल मीडिया में मनोरंजन है। जानकारियों का स्रोत है। ज्ञान है। पुस्तकें हैं। गीत संगीत भी है। जीवन को सुखमय बनाने वाले तमाम तत्व सोशल मीडिया का अंग हैं। यह दोधारी तलवार है। भौतिक जीवन के प्रपंच सोशल मीडिया के माध्यम से आमजनों तक पहुंचते हैं। उन्हें जरूरी या गैरजरूरी मानना व्यक्तिगत पसंद की बात हो सकती है। कुल मिलाकर सोशल मीडिया अनिवार्य बुराई के रूप में लिया जा रहा है।

विश्व का समूचा ज्ञान सोशल मीडिया का भाग है। इसका एक बड़ा हिस्सा मनुष्य जीवन को क्षति पहुंचा रहा है। छोटे-छोटे बच्चे मोबाइल से चिपके रहते हैं। इस नुकसान को लेकर अनेक शोध हुए हैं। मैंने निजी जीवन में देखा है कि एक ही परिवार के सात सदस्यों के पास अलग-अलग मोबाइल हैं। किसी के पास दो या तीन मोबाइल भी हैं। मैं ऐसे ही एक मित्र के घर में मेहमान था। मैंने उनको बताया कि चाय में शक्कर नहीं रहेगी। उन्होंने हमारे पास बैठे-बैठे अपनी पत्नी को फोन मिलाया। हमने पूछा चाय कहां बन रही है। उन्होंने कहा, पीछे कमरे में। मैंने कहा, आप जाकर भी बता सकते थे। उन्होंने कहा, फोन है, तो क्यों जाएं?

सोशल मीडिया से प्रसारित झूठी सूचनाएं समाज को क्षति पहुंचती हैं। दंगे फसाद भी हो जाते हैं। सोशल मीडिया से पुलिस और प्रशासन को सुविधा हो रही है। वहीं अपराधी भी इसी के दुरुपयोग से बड़ी घटनाएं करके निकल जाते हैं। सोशल मीडिया में अराजकता है। कोई अपना नंगा चित्र पोस्ट करता है। कोई अश्लील चैट करता है। कोई देवी-देवताओं पर अपनी भड़ास निकालता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस अराजकता के विरुद्ध केंद्र से कहा है कि कोई नियामक संस्था बनाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को चार सप्ताह का समय दिया है। इस सूचना से लोगों को राहत मिली है, लेकिन यह आसान नहीं है। भारतीय संस्कृति के पक्षधर तो सोशल मीडिया के नियमन की खबर से खुश हैं, लेकिन वामपंथी ऐसी किसी नियामक आयोग जैसी संस्था का विरोध करेंगे।

हम ऑस्ट्रेलिया से सीख सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की संसद ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने वाले कानून पर एक साल पहले सम्यक विचार किया था। अधिनियम पारित किया था। अगले महीने से कानून प्रभावी होने जा रहा है। भारत में अधिकांश परिवारों के बच्चे पूरी रात मोबाइल से चिपके रहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने उचित समय पर अपना निर्देश दिया है। सोशल मीडिया के विनियमितिकरण पर ठोस विचार समय की मांग है।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है। संविधान निर्माताओं ने आदर्श लोकतंत्र के लिए अभिव्यक्ति की आजादी को मौलिक अधिकार बनाया है, लेकिन यह अधिकार असीम नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 19 में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, लेकिन इसी अनुच्छेद के खंड-2 में इस अधिकार की मर्यादा भी बताई गई है। इसमें कहा गया है कि भारत की संप्रभुता, अखंडता, सुरक्षा, दुनिया के अन्य देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध, लोक व्यवस्था, शिष्टाचार या सदाचार के हितों में अथवा न्यायालय अवमान के संबंध में विद्यमान किसी भी विधि के प्रवर्तन पर फर्क नहीं पड़ेगा। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग हो रहा है।

भारत प्राचीन राष्ट्र है। भारत के लोगों के परिश्रम से राष्ट्र का सतत् विकास हो रहा है। नरेंद्र मोदी की सरकार ने 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने की घोषणा की है। सरकार अपना काम कर रही है। समाज भी अपना काम करे। देश के सभी नागरिकों से भाषा संयम की न्यूनतम अपेक्षा तो कर ही सकते हैं। निःसंदेह विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का स्वागत होना चाहिए, लेकिन अभिव्यक्ति में सुंदरता चाहिए। वाक् संयम चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आदरणीय है, लेकिन इसके साथ ही संयम में रहने की भी आवश्यकता है।

यह अस्तित्व सुंदर है। हमारे होने का स्रोत और आधार यही संसार है। अस्तित्व प्रतिपल व्यक्त हो रहा है। प्रकृति में फूलों का खिलना, शिशुओं का हंसना, सूर्य का आना जाना, रात और दिन की गति अभिव्यक्ति की आजादी का हिस्सा है। गीता में श्री कृष्ण ने अर्जुन को बताया, "संसार का जितना व्यक्त भाग है, उतना ही अव्यक्त भी है। व्यक्त, अव्यक्त होता रहता है और अव्यक्त से व्यक्त।" इसीलिए मनुष्य को व्यक्ति कहते हैं। प्रकृति की सारी शक्तियां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का आनंद उठाती प्रतीत होती हैं, इसलिए प्रकृति की कोई भी शक्ति नियम नहीं तोड़ती। सूरज निर्धारित समय पर उदित होता है। निर्धारित समय पर अस्त होता है। चंद्रमा भी नियम नहीं तोड़ता। पूर्णमासी से अमावस्या तक सारी गति नियमित है। हम मनुष्यों को भी जीवन का आनंद लेते हुए अपना कर्तव्य पालन करते रहना चाहिए।

वाक् स्वातंत्र्य का अधिकार बड़ा है। शब्द सत्ता बड़ी है- शब्द संयम में प्रीति होती है, रस होता है। शब्द दुरुपयोग में उत्तेजना है, भावना और आस्था पर आक्रमण है। विश्वविख्यात कलाकार एमएफ हुसैन ने सरस्वती व सीता के अश्लील चित्र बनाए थे। इसे विचार अभिव्यक्ति कहेंगे या विकार अभिव्यक्ति? सोशल मीडिया में आपत्तिजनक सामग्री की आंधी है। शब्द संयम में ही सौंदर्य प्रकट होता है और शब्द अनुशासनहीनता में अश्लीलता। सर्वोच्च न्यायालय ने 2005 में मौन रहने को भी अनुच्छेद 19(1क) के अधीन विचार अभिव्यक्ति का अधिकार बताया था। राजनीति शब्दों का ही खेल है, लेकिन राजनीतिक शब्दकोष से शालीनता के तत्व गायब हैं। यहां आरोप-प्रत्यारोप हैं। संसद और विधानमंडल में बोले गए शब्दों पर न्यायालय कार्रवाई नहीं कर सकते, इसलिए संसदीय शब्द अराजकता अपनी सीमा पार कर गई है।

वाक् स्वातंत्र्य के अधिकार का सदुपयोग सामाजिक परिवर्तन में होना चाहिए। वाद-विवाद में मधुमय संवाद की प्राचीन संस्कृति को बढ़ाना चाहिए। समाज के छोटे से हिस्से की भी भावनाओं को आहत करने वाले शब्दों का प्रयोग अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग है। इसी तरह बात-बे-बात किसी विचार, संगीत, कला, काव्य या फिल्म को लेकर हल्ला बोलना भी स्वतंत्र समाज के लिए बहुत घातक है। राष्ट्र राज्य अपना कर्तव्य निभाए और नागरिक अपना।

आधुनिकता सच्चाई है। समाज जड़ नहीं होते। गतिशील होना जगत का मूल गुण है। भारती समाज भी आधुनिक है, उसे और भी आधुनिक होना चाहिए, लेकिन आधुनिकता का अर्थ जीवन मूल्यों का यूरोपीयकरण या अमेरिकीकरण नहीं होता। कपड़ा-लत्ता, भाषा, व्यवहार और खानपान, रहन-सहन का अंधानुकरण ही आधुनिक नहीं कहा जा सकता। आखिरकार छात्रों को सोशल मीडिया को ही पूरा समय देना कहां तक उचित है? इसके व्यवस्थित संचालन के लिए नियामक आयोग जैसी संस्था अति आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट की पहल स्वागत योग्य है। भारत शब्द अराजकता से निपट सकता है। केवल सांस्कृतिक परंपरा को ही मजबूत करते हुए स्वस्थ वातावरण बनाया जा सकता है।

मोबाइल फोन बच्चों को बना रहा है आक्रामक

राजस्थान के धौलपुर जिले के कुरेंद्रा गांव में 13 साल के विष्णु ने पिता की मामूली डांट के बाद आत्महत्या कर ली। वजह सिर्फ इतनी थी कि वह मोबाइल गेम खेल रहा था और पिता ने टोक दिया। धौलपुर का यह अकेला मामला नहीं है। मध्यप्रदेश के झांसी में एक महिला ने अपने आठवीं में पढ़ने वाले बेटे की मोबाइल गेम की लत से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। मोबाइल में उलझा बच्चा पढ़ाई नहीं करता था, जिससे उसकी मां डिप्रेशन में थी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में नौवीं कक्षा की एक लडक़ी ने मोबाइल चलाने से रोके जाने पर नदी में कूदकर जान दे दी। थाणे में मोबाइल छीनने पर 16 वर्षीय लड़के ने सुसाइड कर लिया। यूपी के आजमगढ़ के एक गांव में 14 साल का किशोर मात्र इस वजह से फंदे पर झूल गया कि उसे गेम खेलने के लिए फोन नहीं मिला। पिछले साल जयपुर में एक महिला ने बेटी का मोबाइल छिपा दिया। इस बात पर मां-बेटी का झगड़ा हो गया। इसी दौरान मां ने रॉड उठा कर दे मारी, जिससे बेटी की जान चली गई।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

मोबाइल फोन की वजह से ऐसे मामले अब हर महीने, हर जिले और हर शहर से सामने आ रहे हैं। स्मार्टफोन अब एक उपकरण मात्र नहीं रहा, बल्कि वह बच्चों के दिमाग का मालिक बन गया है और बच्चों के दिमाग को बदल रहा है। इसकी वजह से बच्चों में शारीरिक समस्याएं भी बढ़ रही हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर के एक अध्ययन के मुताबिक भारत में पांच साल से कम उम्र के बच्चे औसतन 2.22 घंटे रोज स्क्रीन पर बिताते हैं। ये समय विश्व स्वास्थ्य संगठन और इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के सुझाए गए समय से दोगुना है।

यह भी चिंताजनक है कि दो साल से कम उम्र के बच्चे भी स्क्रीन पर रोज 1.23 घंटे बिता रहे हैं, जबकि इस उम्र के बच्चों के लिए डॉक्टर पूरी तरह नो स्क्रीन के पक्ष में हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों में रोज 1-1.5 घंटे से ज्यादा स्क्रीन टाइम उनके दिमाग के विकास को धीमा कर देता है। इससे भाषा सीखने की गति कम होती है। ध्यान और समझने की क्षमता घटती है, सामाजिक कौशल कमजोर पड़ते हैं और मोटापा और नींद आने की दिक्कतें बढ़ती हैं।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से दिल्ली के दो प्राइवेट स्कूलों के छात्रों पर दो वर्ष तक किए गए अध्ययन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार बच्चे और किशोर झुककर घंटों मोबाइल या टैबलेट चला रहे हैं। क्लास रूम में भी छह से सात घंटे बैठने और शारीरिक व्यायाम न के बराबर होने से पॉश्चर और मांसपेशियों और हड्डियों की समस्याएं आ रही हैं।

> पिछले कुछ महीनों में मोबाइल फोन की वजह से कई बच्चों ने जान दे दी। इन सभी को मोबाइल फोन के इस्तेमाल से रोका गया था। यही नहीं, एक मां ने इसलिए खुदकुशी कर ली, क्योंकि उसका बच्चा मना करने के बावजूद लगातार फोन यूज कर रहा था।

विशेषज्ञों के अनुसार स्मार्टफोन के कारण व्यवहार में आक्रामकता, एकाकीपन, देर रात जागना, ऑनलाइन चैटिंग और वर्चुअल दुनिया में जीना अब 'सामान्य' बनता जा रहा है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मोबाइल दिमाग में वही रिएक्शन पैदा करता है, जो नशे में होता है। बार-बार डोपामाइन रिलीज होने से बच्चा वास्तविक दुनिया से कटने लगता है।

सामाजिक समरसता की प्रेरक भूमि

श्री राम जन्मभूमि मंदिर के दिव्य स्वर्णमंडित शिखर पर लहराता भगवा ध्वज हमें अपनी गौरवशाली परंपरा का स्मरण करा रहा है। इस ध्वज के नीचे हमें राम मंदिर के लिए हुए असंख्य बलिदानों का स्मरण हो जाता है। यह ध्वज भारत की आशाओं-आकांक्षाओ का ही नहीं अपितु हिंदू राष्ट्र के तेज पुंज का प्रतीक है। राम मंदिर का पावन प्रांगण सामाजिक समरसता की दिव्यता का अनुभव कराता है।

जाति-पांति पूछे नहिं कोई हरि को भजे सो हरि को होई। यह पंक्ति राम मंदिर में चरितार्थ होती है। रामलला के दर्शन का स्थान नियत है, वहीं से सबको दर्शन करना होता है। श्याम वर्ण की रामलला की मूर्ति जो गर्भगृह में स्थापित है, वह सामाजिक समरसता का प्रतीक है।

श्रीराम मंदिर के परकोटे में महर्षि अगस्त्य व महर्षि वाल्मीकि के अलावा देवी अहिल्या , निषादराज गुहा और माता शबरी का मंदिर बना है। संत तुलसीदास का मंदिर है, तो जटायु और गिलहरी की प्रतिमाएं भी स्थापित की गई हैं। इस नाते श्रीराम की जन्मभूमि सामाजिक समरसता की दिव्य भूमि व एकात्मता की सामार्थ्य भूमि बन गई है। यह संतों की पूजा भूमि, हिंदुओं की पुण्यभूमि, कारसेवकों की शौर्य भूमि, जन-जन की श्रद्धा भूमि, जन कल्याण की प्रेरणा भूमि और भारतीयता की आदर्श भूमि है।

अब यहां से युगों-युगों तक समरसता की सरिता प्रवाहित होती रहेगी। रघुवंश के परम रक्षक व राम के कुलगुरु गुरु वशिष्ठ ने परशुराम के कोप से रघुवंश की रक्षा की थी। राम के समय तक वह सशरीर अयोध्या में रहे। परकोटे में ही महर्षि विश्वामित्र का मंदिर है। यज्ञ की रक्षा के लिए राम व लक्ष्मण को वही वन में लेकर गए। सब प्रकार के अस्त्र-शस्त्र संचालन की विद्या राम को विश्वामित्र ने ही दी। भगवान शंकर से प्राप्त समस्त दिव्यास्त्र उन्होंने ही श्रीराम को दिए।

बृजनंदन राजू
वरिष्ठ पत्रकार

भगवान राम के जीवन चरित्र को सबसे पहले महर्षि वाल्मीकि ने ही देवर्षि नारद की प्रेरणा से रामायण के रूप में लिपिबद्ध करने का काम किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ध्वजारोहण के दिन सबसे पहले महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर पुष्पार्चन कर समरसता का संदेश दिया। निषाद राज गुह और राम की मित्रता से कौन परिचित नहीं है। वह राम के सखा हैं, इसलिए उनको भी स्थान दिया गया है।

देवी अहिल्या का उद्धार श्रीराम ने किया था। राम की अनन्य भक्त मां शबरी ने वनवास के दौरान श्रीराम को मीठे बेर खिलाए थे, तो शबरी का भी मंदिर है। म सेतु बंधन के समय गिलहरी ने अपना योगदान दिया था। मंदिर परिसर में एक टीले पर गिलहरी की प्रतिमा भी स्थापित की गई है। इसके अलावा परिसर में पक्षीराज जटायु की प्रतिमा भी स्थापित की गई है। लंकाधिपति रावण जब माता जानकी का हरण कर आकाश मार्ग से लंका की ओर जा रहा था, तब गिधराज जटायु ने सीता का विलाप सुनकर रावण से घनघोर युद्ध किया था। रावण ने जटायु के पंख काट दिए थे। राम की आंखों के सामने उनका शरीर छूटा। राघव ने अपने हाथों से उनकी अंतिम क्रिया संपनन्न की और पिता का दर्जा उन्हें दिया।

सभी की भूमिका से होगा लोकतंत्र स्वस्थ

देश की सुदृढ़ लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए मतदाता सूचियों का सटीक व वास्तविक होने के लिए चुनाव प्रक्रिया का पारदर्शी होना अतिआवश्यक है। सरकार मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण व हर समय किसी न किसी निकाय, विधानसभा, या लोकसभा के चुनाव चलते रहने के कारण आचार संहिता के लागू रहते विकास कार्यों के बाधित होने के प्रति एक राष्ट्र एक चुनाव की अवधारणा को स्पष्ट कर चुकी है। एक राष्ट्र एक चुनाव पर निश्चित स्तर पर संगोष्ठियां, बैठकें आयोजित कर जनता का नजरिया प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है।

चुनाव आयोग ने मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कराकर बिहार का चुनाव कराया। विपक्ष के तमाम तर्क-कुतर्क को दर किनार कर बिहार विधानसभा का चुनाव हुआ और उल्लेखनीय बात यह रही कि किसी भी पोलिंग बूथ पर पुनः मतदान की नौबत नहीं आई। एसआईआर के बाद बिहार चुनाव से उत्साहित राष्ट्रीय चुनाव आयोग कई प्रदेशों में एसआईआर करा रहा है। बीएलओ को एसआईआर के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए हैं। विपक्ष एसआईआर को वर्ग विशेष को परेशान करने वाली कार्रवाई बता रहा है, जबकि सत्ता पक्ष इसके माध्यम से घुसपैठियों को चिन्हित कर बाहर करने व एक ही व्यक्ति के एक से अधिक स्थान पर वोट न बनने के लिए उचित व आवश्यक मानता है।

नोटा को प्रभावी बनाने के लिए एक मत प्रतिशत निर्धारण किया जाना चाहिए और निर्धारित मत प्रतिशत नोटा का होने पर उस क्षेत्र का चुनाव रद्द घोषित कर प्रत्याशियों की पार्टियों से चुनाव व्यय वसूल कर नए प्रत्याशियों के बीच चुनाव का प्रावधान करना चाहिए।

देश की लोकसभा में नेता विपक्ष सारे देश में वोट चोरी का राग अलापते व इसके लिए जेन जी को आगे आने का आह्वान करने से भी नहीं हिचकते। मतदाता सूचियों की अशुद्धि पर हाइड्रोजन बम फोड़ रहे हैं, लेकिन एसआईआर में पार्टी कार्यकर्ताओं से सक्रिय सहभागिता की अपील नहीं करते। देश का सर्वोच्च न्यायालय एसआईआर के प्रति अपना नजरिया स्पष्ट कर चुका है तथा आवश्यक दिशा-निर्देश भी निर्गत कर चुका है, जिसके परिणामस्वरूप एसआईआर का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर में बेसिक शिक्षा राजस्व विभाग और निकाय कर्मी बतौर बीएलओ जुटे हैं और घर-घर जाकर मतदाताओं की पुष्टि, मृतकों का सत्यापन व पलायन करने वाले मतदाताओं को सूचियों से बाहर कर रहे हैं, क्योंकि पारदर्शी व वास्तविक मतदाता सूची समयबद्ध चुनाव आयोग को सौंपनी है।

सवाल यह है कि विशेष गहन पुनर्रीक्षण की आवश्यकता क्यों है? देश के लोकतंत्र के स्थायित्व के लिए मतदाता सूची निर्माण में जुटे कर्मियों का दायित्व निर्धारण कर सेवा शर्तों में दायित्व संयोजन के अनुरूप गांव, नगर पंचायत, नगर पालिका, महापालिका वार्ड नगर निगम में नागरिक रजिस्टर पर जन्म मृत्यु और मतदान की आयु प्राप्त करने वालों को मताधिकार प्रदान करने की प्रक्रिया यदि निरंतर चलाई जाए तो इस कार्य में जुटे किसी भी कर्मचारी अथवा अधिकारी पर न तो अतिरिक्त मानसिक दबाव पड़ेगा और न ही कोई अतिरिक्त व्यय होगा।

ओमकार सिंह रघुवंशी
अधिवक्ता

लोकतंत्र को स्वस्थ रखना हम सभी का दायित्व है। इसके लिए देश के प्रत्येक नागरिक से इसमें योगदान की अपेक्षा की जाती है। प्रत्येक नागरिक को मतदान के प्रति जागरूक होना ही चाहिए और मतदान न करने वालों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। कुछ बुद्धिजीवी तर्क देते हैं कि वोट देना या न देना, उनका मौलिक अधिकार है, तो उनसे निवेदन है कि वे नकारात्मकता को त्याग कर अपने वोट देने को ही मालिक अधिकार मानें।

चुनाव में भाग लेने वाले सभी राजनीतिक दल राजनीतिक व जातीय समीकरण के आधार पर अपना प्रत्याशी उतारते हैं और कभी-कभी तो ऐसा भी देखा गया है कि मतदाता को कोई भी प्रत्याशी चुने जाने के योग्य नहीं लगता, तो उसका चुनाव में भाग लेने का रुझान ही नहीं रहता और वह मतदान से दूर रहकर अपनी हताशा को जाहिर करता है। चुनाव आयोग ने ऐसे लोगों की मनोदशा का आकलन करने से लिए 'नोटा' का विकल्प दिया।

नोटा के विकल्प से यह तो पता चला कि क्षेत्र विशेष में कितने मतदाता किसी प्रत्याशी को चुने जाने के योग्य नहीं समझते, लेकिन नोटा का मत व्यक्त करने वालों को नजरअंदाज कर डाले गए मतपत्रों की गणना के आधार पर बहुमत पाने वाले प्रत्याशी को चयनित घोषित कर दिया जाता है। इस तरह नोटा का कोई अर्थ ही नहीं है, तो ऐसा मतदाता लाइन में अपनी बारी का इंतजार कर मतदान करे ही क्यों?

अंतरशक्तियों के जागरण से मीरा अमृत की तरह पी गईं जहर

भक्तिकाल की कवयित्री तथा संतों की सूची में 'मीराबाई' का नाम शामिल है। मीरा थीं तो राजघराने की, लेकिन मीरा की स्थिति-परिस्थिति देखकर तो प्रतीत होता है कि उनमें शिवत्व का वास था, क्योंकि धर्मग्रंथों में विष का संबंध या तो देवाधिदेव शिव से मिलता है या मीरा से। जहां देव-समूह की रक्षा के लिए शिवजी बड़े आह्लाद के साथ विषपान करते हैं, वहीं कृष्ण की भक्ति के बल पर उन्हें विष दिया गया, तो उसे उसमें देव-तत्व का अमृत मिलाकर मीरा पी गईं।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

मीरा के जीवन का इतिहास है कि उच्चस्तरीय परिवार में उनका विवाह हुआ। राजमहल में रहने वाली मीरा पर जन्म-जन्मांतर की भक्ति का असर था, लिहाजा वह जोगन (योगी) बन गईं। इस कथ्य पर गौर किया जाए तो मनुष्य का शरीर किसी राजमहल से कम नहीं है। इस महल में दस द्वार और सात झरोखे हैं। द्वार के रूप में दस ज्ञानेंद्रियां और कर्मेन्द्रियां हैं तो सात झरोखों में मूलाधार, स्वाधिष्ठान, मणिपुर, अनहत, विशुद्ध, आज्ञा और सहस्रार चक्र शामिल हैं।

मीरा का जोगन बनना यह प्रमाणित करता है कि बाह्यजगत के बजाय अंतर्जगत में स्थित होकर इन चक्रों को उन्होंने जागृत कर लिया। योग दर्शन में इन चक्रों को साधने को ही कुंडलिनी जागरण भी कहते हैं। मीरा के अत्यंत प्रचलित भजन में एक पद 'महलों में पली बन के जोगन चली, मीरा गली गली हरि गुण गाने लगी...' का उल्लेख है, जिसका सीधा अर्थ है कि मीरा ने अंतर्जगत में स्थित आह्लाद रूप में स्थित ईश्वरीय शक्तियों से जब संबंध बनाया तो शरीर की नस-नाड़ियों के रूप में जितनी गलियां हैं, सब से गोविंद शब्द स्वतः निकलने लगा।

योग की सिद्धि में रोम-रोम से 'ऊँ' और 'राम' की गूंज होने लगती है। इसी 'राम' गूंज को डाकू जीवन जी रहे रत्नाकर को महर्षि नारद ने बताया और इसकी साधना कराई तो डाकू प्रवृत्ति छूट गई तथा ऋषित्व भाव जागृत हो गया। फिर तो वाल्मीकि होकर रामायण की रचना की तथा प्रथम कवि कहलाए।

मीरा की अंतरशक्तियों के जागरण का यह परिणाम रहा कि वह जहर को अमृत की तरह पी तो गईं ही, साथ ही समुद्र के खारापन को दूर करने के लिए मीठी सरिता का मिलन करा दिया।

कंपनियों के 'लचीलेपन' से दबाव में काम कर रहे कर्मचारी

दफ्तर अब चहारदीवारों तक सीमित नहीं रह गए हैं। कभी कंप्यूटर स्क्रीन के सामने, तो कभी फोन के कैमरे पर, तो कभी घर के डाइनिंग टेबल पर ही मीटिंग शुरू हो जाती है। वैश्विक प्रतिस्पर्धा, तकनीकी क्रांति और कारोबारी प्राथमिकताओं के बदलते समीकरण ने नौकरी और करियर की दुनिया को बिल्कुल नई शक्ल दी है। एक पीढ़ी पहले जिन अवसरों की कल्पना भी मुश्किल थी, वे आज दरवाज़े पर दस्तक दे रहे हैं, लेकिन इस उजली तस्वीर के पीछे एक साया भी है। लगातार बढ़ता दबाव, अस्थिरता का डर और वह असर, जो हमारे जीवन के बाकी हिस्सों तक पहुंच रहा है।

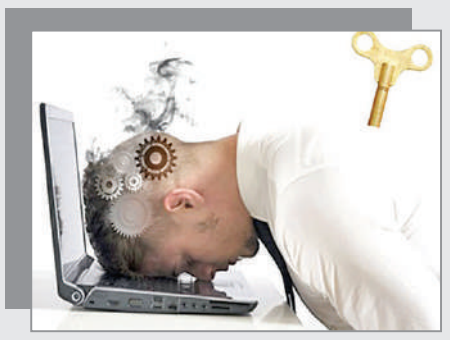

कभी 'पक्की नौकरी' सुनकर मन में एक सुकून उतर आता था। आज यह शब्द बहुतों के लिए बीते समय की कहानी हो चुका है या मूल रूप से सरकारी नौकरियों के संदर्भ में ही उचित लगता है। स्थायी पदों की जगह अब ठेका, कॉन्ट्रैक्ट, आउटसोर्सिंग और गिग वर्कर ने ले ली है। कंपनियां इसे 'लचीलापन' कहती हैं, लेकिन इस लचीलेपन की कीमत कर्मचारी अपने भविष्य की अनिश्चितता और लगातार बढ़ते दबाव से चुकाते हैं। हर समय यह चिंता साथ रहती है, कहीं प्रदर्शन में कमी न रह जाए, कहीं पद न चला जाए। शहरों में लाखों लोग ऊंची डिग्री लेकर भी ऐसे काम कर रहे हैं, जो उनके ज्ञान और योग्यता से मेल नहीं खाते, जबकि दूसरी तरफ़ कंपनियां कहती हैं कि उन्हें सही कौशल वाले लोग नहीं मिल रहे। यह असंगति न केवल नौकरी के आनंद को कम करती है, बल्कि आत्मविश्वास को भी चोट पहुंचाती है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर
मथुरा

दफ्तर के माहौल में भी बदलाव साफ़ है। अब समय पर काम पूरा करना 'बेसिक' है। असली अपेक्षा है हर वक्त उपलब्ध रहना, हर संदेश का जवाब तुरंत देना और हर कॉल उठाना। चाहे वह रात हो या छुट्टी का दिन। वर्क-फ्रॉम-होम और तेज़ डिजिटल कनेक्टिविटी ने काम को घर का स्थायी मेहमान बना दिया है। जो मोबाइल और ईमेल कभी सुविधा के प्रतीक थे, अब दबाव के प्रतीक बन चुके हैं।

कहानी यहीं खत्म नहीं होती। इसका असर हमारे परिवार, रिश्तों और सामाजिक जीवन तक जाता है। क्वालिटी ऑफ वर्क लाइफ का मतलब सिर्फ़ अच्छा वेतन या सुविधाजनक दफ्तर नहीं है। इसमें शामिल है सम्मानजनक माहौल, प्रबंधन का व्यवहार, सीखने और आगे बढ़ने के मौके और सबसे अहम, निजी समय का सम्मान। जब काम की मांग इन सब पर हावी हो जाती है, तो घर के दृश्य भी बदल जाते हैं। बच्चों के साथ खेलने का वक़्त, बुजुर्ग माता-पिता की बातें सुनने का सुकून, पति-पत्नी के बीच का खुला संवाद, दोस्तों से मिलने-जुलने का मौका, सब धीरे-धीरे सिमटने लगता है।

दुनिया में इस प्रवृत्ति को बदलने की कोशिशें हो रही हैं। फ्रांस और स्पेन में 'राइट टू डिस्कनेक्ट' कानून है, जो कर्मचारियों को कार्य समय के बाद डिजिटल रूप से अलग रहने का अधिकार देता है। जापान में 'प्रोडक्टिविटी विद वेल-बीइंग' मॉडल पर काम हो रहा है, जिसमें कर्मचारियों का स्वास्थ्य कंपनी की प्रतिस्पर्धा का हिस्सा माना जा रहा है। आइसलैंड और ब्रिटेन में 'फोर डे वीक' के प्रयोग से पता चला कि कार्य-दिवस कम करने से उत्पादन और रचनात्मकता घटती नहीं, बल्कि कई बार बढ़ती है।

भारत के लिए यह चर्चा और भी अहम है, क्योंकि यहां कार्यबल का बड़ा हिस्सा युवा हैं और देश की आर्थिक रफ्तार इन्हीं कंधों पर टिकी है। ऐसे में वर्क-लाइफ़ बैलेंस का सवाल सिर्फ़ कर्मचारियों की सुविधा का नहीं, बल्कि आने वाले दशकों की आर्थिक स्थिरता का है। समाधान के तीन बड़े स्तंभ हैं, शिक्षा और उद्योग के बीच कौशल का मेल, श्रम नीतियों में स्पष्ट और मानवीय सीमाएं और कंपनियों में कर्मचारी कल्याण को प्राथमिकता देना, लेकिन बात केवल नीतियों तक सीमित नहीं है। असली बदलाव तब होगा जब दफ्तर की संस्कृति बदले, प्रबंधन की सोच में परिपक्वता आए और कर्मचारियों के समय और ऊर्जा का सम्मान किया जाए। संतुलन सिर्फ़ व्यक्तिगत आदत नहीं है, यह उस पूरे माहौल का परिणाम है जिसमें व्यक्ति काम करता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

इस सर्दी ट्रेंड में रहेंगे ये ड्रीमी हेयर कलर

सर्दियों का मौसम शुरू हो गया है। इस मौसम में वूमेन फैशनेबल गर्म कपड़ों पर खूब ध्यान देती हैं, लेकिन हेयर कलर को लेकर वह ज्यादा नहीं सोचतीं। यह आपको एक नया और शानदार लुक देने का भी सही समय है। इस सर्दी में हेयर कलरिंग की दुनिया में कुछ रोमांचक बदलाव देखने को मिलेंगे। इस बार सारा जोर ऐसे रंगों पर होगा, जो आपके प्राकृतिक रूप को निखारते हुए शानदार लुक दें। इस सीजन के ट्रेंड्स गहरे, चमकदार रंगों के साथ ही सोच-समझकर किए गए फ्यूजन पर होगा। हेरिटेज गोल्ड (सर्दियों की धूप से प्रेरित) से लेकर गॉथिक ब्रुनेट तक, हर किसी के लिए एक नया हेयर कलर है।

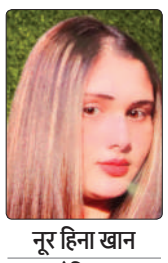

नूर हिना खान
लेखिका

ख्याल रखने वाली बातें

सर्दियों के महीनों में रंगीन बालों को अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है, ताकि वे स्वस्थ और जीवंत बने रहें।

- अपने बालों के रंग को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए सल्फेट-मुक्त शैंपू और कंडीशनर का उपयोग करें।
- सर्दियों की शुष्क हवा बालों को सुखा सकती है। हाइड्रेटिंग हेयर मास्क और तेलों का नियमित रूप से उपयोग करें।
- अत्यधिक हीट स्टाइलिंग से रंग फीका पड़ सकता है और बाल खराब हो सकते हैं। हीट प्रोटेक्टेंट स्प्रे का उपयोग करें और कम तापमान पर स्टाइल करें।

गोल्डन स्ट्रॉबेरी ब्लोंड

यह एक ऐसा हेयर कलर है, जिसकी चमक और धूप वाली वाइब्स की वजह से कुछ ऐसा लुक आता है, जो सर्दियों के फीके महीनों को चटख बना देगा। यह शेड ब्लोंड की चमक को कॉपर वार्मथ के साथ मिलाता है, जिससे एक ग्लोइंग लुक मिलता है, जो फ्रेश लगता है। यह उन लोगों के लिए बहुत अच्छा है, जो वार्मथ और डेप्थ चाहते हैं, या उन ब्रुनेट्स के लिए जो थोड़ा लाइटर होना चाहती हैं। बस गोल्डन कॉपर अंडरटोन या फेस-फ्रेमिंग पीस वाला वार्म हनी बेस मांगें।

हेरिटेज गोल्ड

यह हेयर कलर ट्रेंड पुराने ज़माने से लिया गया है। यह एक हल्का ब्लॉन्ड है, जो रेट्रो और नॉस्टैल्जिक लगता है, फिर भी फ्रेश है। ठंडे महीनों के लिए यह एकदम सही है। यह हल्की गर्माहट देता है। यह नेचुरल ब्लॉन्ड या ब्रुनेट के लिए सबसे अच्छा काम करता है, जो डेप्थ और मीडियम कंट्रास्ट बनाए रखते हुए मैच्योर, एलिगेंट तरीके से गर्माहट जोड़ना चाहते हैं। अपने कलरिस्ट से हाइलाइट्स के बाद म्यूट गोल्डन बैलेज या वार्म ग्लॉस लगाने के लिए कहें, ताकि आपके बालों में रिचनेस वापस आ सके।

गॉथिक ब्रुनेट

गॉथिक ब्रुनेट शेड उन लोगों के लिए सबसे अच्छा काम करता है, जिनका बेस नैचुरली डार्क होता है। आप अपने कलरिस्ट से एस्प्रेसो या ब्लैक चेरी-टोंड ग्लॉस मांगें, ताकि आपका नैचुरल कलर एक या दो शेड और गहरा हो जाए। बाल जितने डार्क होंगे, लाइट में उतने ही ग्लॉसी दिखेंगे।

म्यूटेड मिड

म्यूटेड मिड असल में सॉफ्ट, न्यूट्रल-वार्म शेड्स जो ब्लॉन्ड, ब्रुनेट और कॉपर के बीच आते हैं, सबसे ऊपर रहेंगे। यह सभी हालिया ट्रेंड्स का एक फ्यूज़न है, लेकिन जानबूझकर हल्का और बिना किसी शर्त के। इस तरह के शेड्स कम मेंटेनेंस वाले, वर्सेटाइल और शानदार होते हैं। बस अपनी पसंद के शेड के लिए एक नेचुरल मिट्टी जैसा अंडरटोन मांगें और इसे ग्लॉसिंग ट्रीटमेंट से बनाए रखें, ताकि फिनिश रिफाइंड रहे और रंग चमकदार और खास दिखे।

मशरूम मोका

यह अर्थियर शेड एक कूल-न्यूट्रल ब्लेंड है, जो डायमेंशन जोड़ता है और ब्रुनेट बालों को एक क्लासी लुक देता है। यह कई तरह की स्किन टोन पर अच्छा लगता है और आसानी से बढ़ता है, जिससे यह उन लोगों के लिए परफेक्ट है, जो कम मेंटेनेंस वाला कलर चाहते हैं। आप अपने कलरिस्ट से पूरे बालों में ऐश बैलेज के साथ एक न्यूट्रल ब्रुनेट बेस मांगें। इससे मोचा-टोंड ट्रांजिशन में आसानी होगी।

हनी बटर ब्लोंड

हनी बटर ब्लोंड सर्दियों में छा जाने वाला है, क्योंकि वार्म, क्रीमी शेड्स आखिरकार फिर से स्पॉटलाइट में आ रहे हैं। इस शेड को सॉफ्ट कैंडललाइट ग्लो से डिफाइन किया जाता है, जो मूडी मौसम में बालों में चमक और शाइन लाता है। लुक पाने के लिए, अपने कलरिस्ट से वार्म-न्यूट्रल ब्लोंड के लिए कहें, जिसमें हल्का गोल्डन डायमेंशन और ग्लॉसी फिनिश हो, ताकि बटर जैसी गर्माहट बढ़े।

चेरी कोला ब्रुनेट

चेरी कोला ब्रुनेट इस सर्दी में खास तौर से देखने लायक शेड है। यह सब चेरी टोन की गहरी और हल्के हिंट की वजह से है। यह गहरे बालों को बिना पूरी तरह लाल हुए एक मूडी, पॉलिश्ड ग्लो देता है, जो इसे उन ब्रुनेट्स के लिए एक बढ़िया ऑप्शन बनाता है, जो कुछ नया चाहती हैं। अच्छी बात यह है कि चेरी कोला ब्रुनेट सभी पर सूट करता है। अपने स्टाइलिस्ट से डीप ब्रुनेट बेस के लिए कहें, जिसे सॉफ्ट वायलेट-रेड लोलाइट्स या चेरी-टोंड ग्लॉस से बेहतर बनाया गया हो, ताकि कोला जैसी रिचनेस मिल सके।

मॉडल आफ द वीक

नामः आंचल स्वरूप

टाउनः कानपुर

एजुकेशनः स्नातक

अचीवमेंटः मिस ग्लैम ऑफ उत्तर प्रदेश 1st रनर अप

ड्रीमः प्रोफेशनल मॉडलिंग, एक्टर

जिंदगी का सफर

बॉलीवुड के हीमैन 'गरम धरम'

धर्मेंद्र सिंह देओल बॉलीवुड के 'हीमैन' थे। फिल्मों में उनके गुस्से से भरी खास डायलॉग डिलीवरी की वजह से ही उन्हें 'गरम धरम' भी कहा जाता था। वह भारतीय सिनेमा के सबसे लोकप्रिय और प्रभावशाली अभिनेताओं में से एक थे। पंजाब के एक छोटे से गांव से आकर फिल्मी दुनिया में आला मुकाम बनाना उनकी दृढ़ता और जुनून की कहानी है।

धर्मेंद्र का जन्म आठ दिसंबर, 1935 को पंजाब के लुधियाना जिले के नसराली गांव में हुआ था। उनके पिता, केवल कृष्ण सिंह देओल, सरकारी स्कूल में हेडमास्टर थे। धर्मेंद्र ने अपनी मैट्रिक तक की पढ़ाई पंजाब में ही पूरी की। बचपन से ही उन्हें फिल्मों का शौक था और दिलीप कुमार की फिल्म 'शहीद' देखकर उन्होंने अभिनेता बनने का सपना देखा। अपने सपने को पूरा करने के लिए, वह फिल्मफेयर की 'न्यू टैलेंट' प्रतियोगिता में चुने जाने के बाद मुंबई आ गए। मुंबई में शुरुआती संघर्ष के बाद, धर्मेंद्र ने 1960 में फिल्म 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। 1960 के दशक में उन्होंने रोमांटिक हीरो की भूमिकाएं निभाईं, लेकिन 1970 के दशक में वह एक्शन हीरो के रूप में उभरे। उनकी बहुमुखी प्रतिभा ने उन्हें हर तरह की भूमिकाओं में चमकने का मौका दिया।

धर्मेंद्र के करियर में मील का पत्थर साबित हुई 1975 की ब्लॉक बस्टर फिल्म 'शोले'। इसमें 'वीरू' का उनका किरदार आज भी अमर है। उन्होंने 300 से अधिक फिल्मों में काम किया, जिनमें 'सत्यकाम', 'चुपके चुपके', 'यमला पगला दीवाना' जैसी कई सफल फिल्में शामिल

हैं। धर्मेंद्र ने आखिरी समय तक अभिनय नहीं छोड़ा था। उनके निधन के बाद उनकी आखिरी फिल्म रिलीज होगी। उसका नाम है 'इक्कीस'। उन्हें 1997 में भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा साल 2012 में उन्हें भारत सरकार ने पद्म भूषण से सम्मानित किया था।

धर्मेंद्र ने दो शादियां कीं। उनकी पहली पत्नी प्रकाश कौर हैं, जिनसे उन्हें सनी देओल, बॉबी देओल और दो बेटियां हैं। बाद में, उन्होंने अभिनेत्री हेमा मालिनी से शादी की, जिनसे उनकी दो बेटियां ईशा और अहाना देओल हैं। अभिनय के अलावा, वह एक सफल निर्माता और राजनीतिज्ञ भी रहे। उन्होंने 2004 से 2009 तक बीकानेर से संसद सदस्य के रूप में कार्य किया।

इंडिगो शुरू करेगी कई नई उड़ानें

नई दिल्ली। इंडिगो ने शनिवार को नवी मुंबई एयरपोर्ट से अतिरिक्त उड़ानों की घोषणा की। वाणिज्यिक उड़ानें 25 दिसंबर से शुरू होंगी। इंडिगो ने बताया कि वह 26 दिसंबर से नवी मुंबई से उत्तरी गोवा (मोपा) के लिए उड़ान शुरू करेगी जो सोमवार और गुरुवार छोड़कर सप्ताह में पांच दिन उपलब्ध होगी। 29 दिसंबर से कोयंबटूर और चेन्नई के लिए दैनिक उड़ानें शुरू की जाएंगी।

अमृत विचार

हल्द्वानी, रविवार ,30 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

कॉरपोरेट प्रावधानों का पालन न करने पर जीआरएसई को नोटिस

कोलकाता। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) को शनिवार को बताया कि उसे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बीएसई से नोटिस मिला है। ये नोटिस 30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही में सेबी के सूचीबद्धता नियमों के तहत कंपनी प्रशासन के कई प्रावधानों का पालन न करने के कारण मिला है। शेयर बाजार को दी जानकारी में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने कहा कि दोनों शेयर बाजारों ने विनियम 17(1), 18(1) तथा 19(1)/19(2) के उल्लंघन को चिह्नित किया है। इन उल्लंघनों में स्वतंत्र निदेशकों की अनिवार्य उपस्थिति, लेखा परीक्षा समिति तथा नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति के गठन से जुड़े नियम शामिल हैं।

लेंसकार्ट का मुनाफा दूसरी तिमाही में 20 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। चश्मे और आंखों की देखभाल से जुड़े उत्पाद बेचने वाली कंपनी लेंसकार्ट सॉल्यूशंस ने शनिवार को बताया कि 30 सितंबर, 2025 को समाप्त हुई चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 19.8 प्रतिशत बढ़कर 103.4 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने एक साल पहले इसी अवधि में 86.3 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। लेंसकार्ट ने समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन से एकीकृत आय में 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। यह आंकड़ा सालाना आधार पर 1,735.68 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,096.14 करोड़ हो गया।

तेलंगाना को 1.39 लाख मेगावाट बिजली की जरूरत

हैदराबाद। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस सरकार के लक्ष्य के अनुसार तेलंगाना को 2047 तक तीन हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए राज्य को 1,39,310 मेगावाट बिजली की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य को हर साल 13 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि और 10 प्रतिशत बिजली मांग वृद्धि दर्ज करनी होगी।

महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात के लिए 80 करोड़ डॉलर का ऋण देगा एडीबी

परियोजनाओं के लिए होगा इस्तेमाल, भारत सरकार के साथ एमओयू पर साइन

नई दिल्ली, एजेंसी

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में विभिन्न परियोजनाओं के लिए लगभग 80 करोड़ डॉलर का ऋण देगा। एडीबी ने इस संबंध में शुक्रवार को भारत सरकार के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये। वार्ता के दौरान केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व आर्थिक मामलों के विभाग के संयुक्त सचिव (एडीबी और जापान) ने किया।

भारत की ओर से विभाग के उपसचिव सौरभ सिंह और एडीबी की ओर से भारत में मिशन की निदेशक मियो ओका ने समझौतों पर हस्ताक्षर किए। एक समझौता महाराष्ट्र में बिजली वितरण से जुड़ा है जिसके लिए 50 करोड़ डॉलर का ऋण दिया जायेगा। इंदौर में मेट्रो रेल परियोजना के लिए 19.06 करोड़ डॉलर और गुजरात कौशल विकास कार्यक्रम के लिए करीब 11 करोड़ डॉलर का कर्ज मिलेगा। इसके अलावा, 10 लाख डॉलर की तकनीकी सहायता अनुदान पर भी हस्ताक्षर किए गए जो असम में आगामी सस्टेनेबल वेटलैंड एंड इंटिग्रेटेड फिशरीज ट्रांसफ़ॉर्मेशन (स्विफ्ट) परियोजना के कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करेगा। यह परियोजना राज्य के वेटलैंड पारिस्थितिक तंत्र और मत्स्य संसाधनों को सुदृढ़ करने के लिए बनाई गई है।

● महाराष्ट्र को मिलेगा सर्वाधिक 50 करोड़ डॉलर का ऋण

महाराष्ट्र में बिजली परियोजना के तहत ग्रामीण बिजली अवसंरचना का आधुनिकीकरण करना, विकेन्द्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना और किसानों को सिंचाई के लिए दिन में सौर ऊर्जा आधारित विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराकर कृषि उत्पादकता में सुधार करना है। इंदौर मेट्रो परियोजना के तहत 27,14,72,00,000 जापानी येन (19.06 करोड़ डॉलर) से 8.62 किमी लंबी भूमिगत मेट्रो लाइन के निर्माण के लिए धन उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें सात स्टेशन होंगे। यह लाइन इंदौर के भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों को हवाई अड्डे से जोड़ेगी। परियोजना में बस और फीडर सेवाओं के साथ मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन शामिल है, जिससे शैक्षणिक संस्थानों और बाजारों तक पहुंच आसान होगी।

गुजरात कौशल विकास कार्यक्रम के तहत राज्य की कार्यशक्ति को ऐसे उन्नत, उद्योग-उन्मुख कौशल प्रदान किया जायेगा जो उच्च-विकास वाले क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों को बढ़ाते हैं। इन क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स, ऑटोमोबाइल, विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और एग्री-टेक शामिल हैं।

अक्टूबर में हवाई यात्रा की मांग 6.6 % बढ़ी

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर अक्टूबर में हवाई यात्रा की मांग में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई जिसमें अंतर्राष्ट्रीय मांग 8.5 प्रतिशत और घरेलू यात्रा की मांग 3.4 प्रतिशत बढ़ी है। हवाई यात्रा की मांग को राजस्व यात्री किमी के रूप में मापा जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में 2024 के मुकाबले अक्टूबर 2025 में मांग 6.6 प्रतिशत बढ़ी है। कुल क्षमता (उपलब्ध सीट किमी) 5.8 और लोड फैक्टर (भरी सीटों का अनुपात) 84.6 प्रतिशत पर पहुंच गया जो एक साल पहले के मुकाबले 0.7 प्रतिशत अधिक है।

टीयर-2 शहरों में घरों की बिक्री चार प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। देश के 15 प्रमुख टीयर-2 शहरों में जुलाई-सितंबर तिमाही में घरों की बिक्री मूल्य के लिहाज से चार प्रतिशत बढ़कर 37,409 करोड़ रुपये हो गई, जबकि बिकने वाली इकाइयों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई।

रियल एस्टेट डेटा मंच प्रॉपइक्विटी के आंकड़ों के मुताबिक इन 15 शहरों में कुल घरों की बिक्री पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में चार प्रतिशत घटकर 39,201 रह गई। इन 15 टीयर-2 शहरों में अहमदाबाद, सूरत, गांधीनगर, वडोदरा, जयपुर, नासिक, नागपुर, मोहाली, भुवनेश्वर, लखनऊ, भोपाल, कोयंबटूर, गोवा, तिरुवनंतपुरम और कोच्चि शामिल हैं। नए आवास आपूर्ति में सालाना 10 प्रतिशत की गिरावट आई और यह सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही में 28,721 इकाइयों तक रह गई। प्रॉपइक्विटी के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी समीर जसूजा ने कहा, टीयर-2 शहर भारत की विकास गाथा के प्रमुख इंजन बने हुए हैं।

सरकारी सुधारों, विनिर्माण प्रोत्साहन से दूसरी तिमाही की वृद्धि दर 8.2% हुई

वडोदरा, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि कारोबारी सुगमता बढ़ाने के लिए सरकार की ओर से उठाए गए अनेक कदमों और सुधारों की वजह से चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में अर्थव्यवस्था ने 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। गोयल ने कहा कि वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता के बावजूद देश का निर्यात भी अच्छी वृद्धि दर्ज कर रहा है।

उन्होंने यहां सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय पदयात्रा में भाग लिया और इस दौरान कहा, 8.2 प्रतिशत की यह वृद्धि सरकार द्वारा किए गए ढेर सारे सुधारात्मक उपायों को दर्शाती है। घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और कारोबार में सुगमता लाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। गुजरात सरकार इस पदयात्रा का आयोजन करमसद से राज्य के नर्मदा जिले स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक सरदार पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में कर रही है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि दर उन दावों का खंडन करती है जो कुछ वर्गों द्वारा किए जा रहे थे, और यह दर्शाती है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। गोयल ने कहा, हम निरंतर और मजबूत वृद्धि देखते रहेंगे।

● वडोदरा में आयोजित कार्यक्रम में बोले वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री

उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्टूबर अवधि के दौरान भारत के माल और सेवाओं के निर्यात ने भी उच्च वृद्धि दर्ज की है। अप्रैल-अक्टूबर अवधि में माल निर्यात मामूली 0.63 प्रतिशत बढ़कर 254.25 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 6.37 प्रतिशत बढ़कर 451.08 अरब डॉलर रहा। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में सेवा निर्यात 237.55 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि

क्रिसिल ने जीडीपी वृद्धि अनुमान बढ़ाकर सात प्रतिशत किया

कोलकाता। क्रिसिल ने चालू वित्त वर्ष के लिए देश की जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है। यह फैसला पहली छमाही में अपेक्षा से ज्यादा आठ प्रतिशत वृद्धि के बाद लिया गया है। क्रिसिल के मुख्य अर्थशास्त्री धर्मकीर्ति जोशी ने कहा कि दूसरी तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 8.2 प्रतिशत रही, जो अनुमान से अधिक है। हालांकि मुद्रास्फीति में नरमी के कारण चालू कीमतों पर जीडीपी वृद्धि 8.7 प्रतिशत ही रही। जोशी ने बताया कि पहली छमाही में आठ प्रतिशत वृद्धि हुई है और दूसरी छमाही में अमेरिकी शुल्क बढ़ने के असर से वृद्धि के 6.1 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। क्रिसिल के अनुसार वास्तविक जीडीपी की ऊंची वृद्धि की मुख्य वजह निजी खपत रही। आपूर्ति पक्ष से देखें तो विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की वृद्धि में उल्लेखनीय तेजी आई। जोशी ने कहा कि खाद्य मुद्रास्फीति कम होने से देश में वैकल्पिक खर्च बढ़ा है।

एसुस दूसरी तिमाही में भारत की दूसरी सबसे बड़ी कंज्यूमर नोटबुक कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी

ताइवान की प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनी एसुस इंडिया ने वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के लिए भारत में कंज्यूमर नोटबुक कंपनी के रूप में दूसरा स्थान हासिल कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। आईडीसी क्वार्टरली पर्सनल कम्प्यूटिंग डिवाइस ट्रैकर, 2025 क्यू3 की रैंकिंग में उसने यह उपलब्धि हासिल की है।

कंपनी ने कहा कि इस बात से स्पष्ट है कि एसुस हर साल उल्लेखनीय वृद्धि कर रहा है। यह वृद्धि ब्रांड के प्रति ग्राहकों के भरोसे को बनाए रखने, प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के विस्तार और देश के 600 से अधिक जिलों में खुदरा टचपॉइंट्स बढ़ाने के प्रयासों का परिणाम है। कहा गया है कि एसुस इंडिया ने एसुस एआई पीसी, कंज्यूमर और गेमिंग नोटबुक्स के साथ-साथ एआईओ, डेस्कटॉप और एक्सेसरीज़ श्रेणियों में महत्वपूर्ण नवाचार पेश किए हैं। इस साल कंपनी ने मल्टी-कलर विवोबुक, आरओजी एली एक्स और कई सफल अभियानों की शुरुआत की जो काफी लोकप्रिय हुए। एआईओ सेग्मेंट में भी इसने बाजार में दबदबा बनाये रखा और प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर सबसे ज्यादा बिकने वाले उत्पाद में शामिल रहा। एसुस इंडिया ने सबसे हल्का कोपायलट प्लस पीसी, आरओजी एली ज़ेनबुक ए14 लॉन्च किया और भारत में एनवीडिया आरटीएक्स 5000 सीरीज़ में नंबर एक बाजार हिस्सेदारी हासिल की।

मछली पालन पर आधारित स्टार्ट अप व इनोवेशन के लिए साझेदारी

कोच्चि। मत्स्य पालन पर आधारित स्टार्टअप्स और इस क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज टेक्नोलॉजी ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस साझेदारी के तहत आईसीएआर-सीआईएफटी का जेडटीएम-एबीआई सेंटर राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय केंद्र (नेशनल-लेवल कोऑर्डिनेशन हब) की भूमिका निभाएगा। यह केंद्र योग्य उद्यमियों की पहचान करेगा तथा उन्हें तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण और मेंटरिंग प्रदान करेगा।

जेडटीएम-एबीआई में पंजीकृत स्टार्टअप्स को एसबीआई से वित्तीय सहायता प्राप्त करने में प्राथमिकता दी जाएगी। इसमें वर्किंग कैपिटल, टर्म लोन तथा स्टार्टअप फाइनेंसिंग जैसी सुविधाएँ शामिल हैं, जो प्रोजेक्ट की पात्रता और बैंक के मानदंडों के अधीन होंगी। अधिकारियों के अनुसार इस सहयोग से मत्स्य पालन क्षेत्र में नवाचार को गति मिलेगी तथा स्टार्टअप्स की वृद्धि और इंडस्ट्री के विकास को मजबूत बढ़ावा मिलेगा।

राष्ट्रीय

शीतकालीन सत्र में भी सुनाई देगी एसआईआर की गूंज

दिल्ली में विस्फोट, वायु प्रदूषण और नए श्रम कानूनों के मुद्दे भी विपक्ष की लिस्ट में, भाजपा बना रही जवाबी रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष के मौजूदा तेवरों को देखते हुए संसद के शीतकालीन सत्र में भी इसके छाए रहने की संभावना है। इस सत्र में विपक्ष दिल्ली कार विस्फोट, राजधानी दिल्ली में प्रदूषण की समस्या और नए श्रम कानूनों जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाएगा। विपक्ष और सरकार ने सोमवार से शुरू हो रहे संक्षिप्त सत्र के लिए कमर कस ली है और दोनों पक्ष अपनी-अपनी रणनीति बनाने में जुटे हैं।

शीतकालीन सत्र एक दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा और इस दौरान केवल 15 बैठकें होंगी। विपक्ष सत्र को संक्षिप्त रखे जाने पर भी सरकार पर हमलावर है। सरकार ने जहां इस सत्र में कॉरपोरेट कानून, परमाणु ऊर्जा और शिक्षा सहित दस विधेयकों को पारित कराने का एजेंडा तैयार किया है वहीं विपक्ष एसआईआर, ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगातार किए जा रहे दावों, चीन के साथ संबंधों, आतंकवाद, प्रदूषण और अन्य मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की तैयारी में है। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, समाजवादी पार्टी और कुछ अन्य दलों ने एसआईआर के मुद्दे पर सरकार और चुनाव आयोग के बीच सांठ-गांठ का आरोप लगाते हुए इसे संसद में जोर शोर से उठाने का संकेत दिया है। एसआईआर के मुद्दे पर तृणमूल के एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से मुलाकात भी की है।

विपक्ष एसआईआर के दौरान बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) पर दबाव का मुद्दा भी उठा रहा है। कांग्रेस ने शीतकालीन सत्र से पहले संसद में पार्टी की रणनीति बनाने के लिए रविवार को पार्टी संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के आवास पर 'संसदीय रणनीतिक समूह' की बैठक बुलाई है। संकेत है कि कांग्रेस अन्य विपक्षी दलों के साथ राज्यसभा और लोकसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बार-बार किये जा रहे दावों, चीन के साथ व्यावसायिक संबंधों तथा अन्य मुद्दों पर चर्चा की मांग करेगी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी दिल्ली में प्रदूषण को गंभीर मुद्दा बताते हुए सीधे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इस पर संसद में चर्चा कराने की मांग कर चुके हैं। दूसरी ओर सत्तारूढ़ भाजपा ने भी सत्र की रणनीति बनाने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर बुधवार को पार्टी नेताओं के साथ बैठक की। संसदीय कार्य मंत्री किरेण रिजिजू ने संसद सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार की ओर से रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

● कल से शुरू होने जा रहे सत्र के लिए बनाई जा रही है रणनीति

एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा कराने से इन्कार कर चुकी है सरकार

सरकार की ओर से बार-बार यह स्पष्ट किया जा चुका है कि वह राष्ट्रीय हित के सभी मुद्दों पर नियमानुसार संसद में चर्चा कराने को तैयार है। एसआईआर के मुद्दे को चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक निकास की प्रक्रिया का हिस्सा बताते हुए सरकार का कहना है कि इस पर संसद में चर्चा नहीं कराई जा सकती। सरकार का यह भी कहना है कि एसआईआर का मामला उच्चतम न्यायालय के समक्ष भी है। पिछले सत्र में भी इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग को लेकर विपक्ष ने संसद की कार्यवाही में बाधा डाली थी। सत्र के दौरान सरकार के एजेंडे में 12 विधेयक विचार के लिए सूचीबद्ध हैं जिनमें से दो जनविश्वास (प्रावधानों का संशोधन) विधेयक, 2025 और दिवालिया एवं दिवालियापन संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025 पहले से ही लोकसभा की प्रवर समिति के पास हैं।

इन विधेयक पर होगा फैसला

सत्र के दौरान पेश किये जाने वाले विधेयकों में कॉरपोरेट कानून (संशोधन) विधेयक 2025, सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड विधेयक 2025, बीमा कानून (संशोधन) विधेयक 2025, मणिपुर जीएसटी (संशोधन) विधेयक 2025, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा आयोग विधेयक 2025, परमाणु ऊर्जा विधेयक 2025, राष्ट्रीय राजमार्ग (संशोधन) विधेयक, 2025, निरसन एवं संशोधन विधेयक 2025, मध्यस्थता एवं सुलह (संशोधन) विधेयक 2025 शामिल है।

पुतिन के आने से पहले रूसी संसद भारत के साथ दे सकती है सैन्य समझौते को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अगले महीने होने वाली बहुप्रतीक्षित भारत यात्रा से पहले रूसी संसद के निचले सदन स्टेट डूमा में भारत के साथ एक महत्वपूर्ण सैन्य समझौते को मंजूरी दिए जाने की संभावना है। पुतिन 23 वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए चार से पांच दिसंबर तक भारत की दो दिन की यात्रा पर आ रहे हैं।

दोनों देशों के बीच पारस्परिक लॉजिस्टिक्स समर्थन समझौते (आरईएलओएस) को लेकर लंबे समय से बातचीत चल रही है। इसका उद्देश्य लंबे समय से चले आ रहे रणनीतिक सैन्य सहयोग को और सुदृढ़ करना है। इस समझौते पर गत 18 फरवरी को मास्को में भारत के राजदूत विनय कुमार और रूस के तत्कालीन रक्षा उप मंत्री अलेक्ज़ेंडर फोमिन ने हस्ताक्षर किए थे। रूस की आधिकारिक समाचार एजेंसी इतर तास के अनुसार रूसी सरकार ने स्टेट डूमा में इस समझौते के अनुमोदन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। इस समझौते में दोनों देश एक-दूसरे की भूमि पर सैन्य कर्मियों, युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों की पारस्परिक तैनाती की प्रक्रिया को निर्धारित किया गया है। इस प्रस्ताव में रूस और भारत के बीच उस समझौते को मंजूरी देने की बात कही गई है जिसके तहत रूसी सैन्य इकाइयों, युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों की तैनाती भारतीय ठिकानों पर और भारत की सैन्य इकाइयों, युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों की तैनाती रूसी ठिकानों पर की जा सकती है साथ ही उन्हें तकनीकी और लॉजिस्टिक सहयोग भी प्रदान किया जाएगा।

प्रस्ताव के अनुसार सैन्य बलों को संयुक्त अभ्यासों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, मानवीय सहायता, आपदा राहत तथा दोनों पक्षों द्वारा सहमत अन्य परिस्थितियों में भेजा जा सकता है। रूसी सरकार का मानना है कि इस दस्तावेज के अनुमोदन से भारत और रूस के बीच सैन्य क्षेत्र में सहयोग और मजबूत होगा। भारत इससे पहले अमेरिका के साथ भी इसी तरह का समझौता कर चुका है।

● लॉजिस्टिक समर्थन समझौते पर लंबे समय से चल रही है बातचीत

भारत-रूस के बीच पहले से है सशक्त रक्षा साझेदारी

भारत और रूस के बीच सशक्त रक्षा साझेदारी है जिसे नियमित त्रि-सेवा अभ्यास इंद्र और कई उच्च-स्तरीय संयुक्त सैन्य कार्यक्रमों जैसे ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल परियोजना, पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान (एफजीएफए) कार्यक्रम, और सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान कार्यक्रमों से मजबूती मिल रही है।भारतीय सेनाओं के पास रूसी मूल के अनेक प्लेटफॉर्म जिनसे दोनों देशों के बीच दशकों पुराने घनिष्ठ सहयोग का पता चलता है। इनमें एस- 400 ट्रायंफ वायु रक्षा प्रणाली, मुख्य युद्धक टैंक टी-90, विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य और ए के-203 असॉल्ट राइफल शामिल हैं। इसके अलावा, भारत मेक इन इंडिया पहल के तहत 200 कामोव केए -226 हेलीकॉप्टरों का विनिर्माण करने जा रहा है जो द्विपक्षीय सैन्य-प्रौद्योगिकी सहयोग को और मजबूत करता है।

सिद्धरमैया और शिवकुमार ने एक साथ नाश्ता कर अटकलों को किया खारिज

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को एक साथ नाश्ता किया। इस मुलाकात से कर्नाटक के दोनों कद्दावर नेताओं के बीच सत्ता की खींचतान कम होती दिखी। शिवकुमार शनिवार को सिद्धरमैया के आवास 'कावेरी' पर नाश्ते के लिए पहुंचे थे, जिसके बाद दोनों नेताओं ने एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को भी संबोधित किया।

दोनों नेताओं ने जोर देकर कहा कि उनके बीच कोई मतभेद नहीं है और भविष्य में भी वे एकजुट रहेंगे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि वे पार्टी आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। ढाई साल का कार्यकाल पूरा करने वाली कांग्रेस सरकार को परेशान करने वाले इस मुद्दे पर गतिरोध को खत्म करने के लिए कांग्रेस आलाकमान के कहने पर मुख्यमंत्री ने नाश्ते पर शिवकुमार को मिलने के लिए बुलाया था। विपक्षी भाजपा ने चेतावनी दी थी कि अगर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच सत्ता संघर्ष जारी रहा तो पार्टी अविश्वास प्रस्ताव लाएगी। सिद्धरमैया ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैंने शिवकुमार के साथ नाश्ते पर मुलाकात की क्योंकि कुछ भ्रम पैदा किया गया था। यह मीडिया द्वारा फैलाया गया था। उन्होंने कहा, हमारे बीच कोई मतभेद नहीं हैं। आज भी कोई मतभेद नहीं हैं, भविष्य में भी नहीं होंगे। वे एकजुट हैं और मिलकर 2028 का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

शिवकुमार ने कहा कि जनता ने कांग्रेस का समर्थन कर उसे सत्ता सौंपी है इसलिए पार्टी को उनकी उम्मीदों पर खरा उतरना होगा। शिवकुमार ने मुख्यमंत्री के साथ मतभेदों को खारिज करते हुए कहा, हमारे बीच कोई गुटबाजी नहीं है। हम साथ चलेंगे, सबको साथ लेकर चलेंगे और पार्टी आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने 2028 के विधानसभा चुनावों में विपक्षी दलों और बेलगावी में कर्नाटक विधानसभा के आगामी शीतकालीन सत्र में भाजपा द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पेश किए जाने की स्थिति में निपटने के तरीकों पर भी चर्चा की।

● कहा- हमारे बीच कोई मतभेद नहीं भविष्य में भी रहेंगे एकजुट

लेह हिंसाः आयोग ने बयान दर्ज कराने का समय 10 दिन बढ़ाया

लेह/जम्मू। लेह हिंसा की जांच कर रहे न्यायिक जांच आयोग ने बयानों को दर्ज कराने और सबूत जमा कराने की समय-सीमा लेह एपेक्स बॉडी के अनुरोध के बाद 10 दिन बढ़ा दी है।

गृह मंत्रालय ने 17 अक्टूबर को इस उद्देश्य से आयोग का गठन अधिसूचित किया था कि 24 सितंबर को लेह में कानून-व्यवस्था संबंधी गंभीर स्थिति पैदा होने से जुड़े हालात की जांच की जाए, इस स्थिति के दौरान पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा की जाए और उन घटनाओं का मूल्यांकन किया जाए जिनमें 1999 के कारगिल युद्ध के एक पूर्व सैनिक सहित चार लोगों की मौत हुई थी। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए राज्य के दर्जे की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़पों में चार आम नागरिकों की मौत हो गई थी और 90 लोग घायल हुए थे।

दिल्ली विस्फोटः न्यायिक हिरासत में भेजे गए तीन डॉक्टर और एक मौलवी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली विस्फोट मामले में गिरफ्तार तीन डॉक्टरों और एक मौलवी को शनिवार को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

इन आरोपियों में मुजम्मिल गनई, अदील राठेर और शाहीना सईद के साथ मौलवी इरफान अहमद वागय शामिल था जिन्हें प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना के समक्ष पेश किया गया। उन्होंने चारों को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब तक, एनआईए ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से भंडाफोड़ किए गए एक सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल से जुड़े हैं।

एनआईए ने कहा, एजेंसी आत्मघाती बम विस्फोट के सिलसिले में विभिन्न सुरागों की तलाश जारी रखे हुए है तथा इस बर्बर हमले में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और उनका पता लगाने के लिए संबंधित पुलिस बलों के साथ समन्वय में विभिन्न राज्यों में तलाशी अभियान चला रही है। दस नवंबर को लाल किले के बाहर विस्फोटकों से लदी आई20 कार में विस्फोट हुआ था, जिसे डॉ. उमर-उन-नबी चला रहा था।

सीमा पर सजग प्रहरी

दिल्ली में लाल किले पर आत्मघाती हमले के बाद हाई अलर्ट के दौरान जम्मू के बाहरी इलाके में नियंत्रण रेखा (एलओसी) अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर गश्त करते हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान।

ए 320 : सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

दुनिया भर की विमानन कंपनियों ने शनिवार को वाणिज्यिक विमान ए320 के सॉफ्टवेयर को अपडेट किया, जिसके चलते कई उड़ानों में देरी हुई और कई को रद्द करना पड़ा। पिछले महीने जेटब्लू के एक विमान के ऊंचाई से अचानक नीचे आ जाना इसके पीछे वजह बताई जा रही है। जेटब्लू की उस घटना को लेकर विमानों के साफ्टवेयर को अपडेट करने के निर्देश दिए गए जिसके बाद अमेरिका सहित तमाम देशों में संचालित इन विमानों के साफ्टवेयर अपडेशन का काम शुरू कर दिया गया जिसका असर विमानों के संचालन पर पड़ा। भारत में भी इसका प्रभाव पड़ा। भारत में एयर इंडिया और इंडिगो एयरलाइन एयरबस का संचालन करती हैं।

भारत में 462 एयरबस हो रहे संचालित

भारत सहित दुनिया भर में एयरबस के ए320 परिवार के विमानों के लिए अनिवार्य हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर अपडेट के आदेश जारी किए गए जिससे उड़ानें प्रभावित हुई हैं। एयर इंडिया के बेड़े में ए320 परिवार के 104 विमान हैं। इंडिगो के पास 318 और एयर इंडिया एक्सप्रेस के पास 40 विमान ए320 परिवार के हैं। इस प्रकार देश में इस समय ए320 परिवार के कुल 462 विमान परिचालन में हैं। 300 विमानों पर मॉडिफिकेशन की जरूरत होगी।

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी विमान निर्माता कंपनी

एयरबस 320 का निर्माता यूरोपीय विमान निर्माता कंपनी एयरबस है, जो दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी विमान निर्माता कंपनी है। एयरबस 320 एक विश्वसनीय विमान है, लेकिन वर्तमान सॉफ्टवेयर संकट ने इसकी सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं। भारत में कई एयरलाइन्स एयरबस 320 का संचालन करती हैं, और वर्तमान सॉफ्टवेयर संकट के कारण कई फ्लाइट्स रद्द या देरी से चल रही हैं। डीजीसीए ने आवश्यक कदम उठाए हैं और एयरलाइन्स को सॉफ्टवेयर अपडेट करने के लिए कहा गया है।

सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी से अचानक नीचे आई उड़ान

विमानों के सॉफ्टवेयर में अपडेशन वर्तमान संकट का कारण रहा। जिसके चलते कई उड़ानों में देरी हुई और कई को रद्द करना पड़ा। जांच में पता चला कि पिछले महीने जेटब्लू के एक विमान के ऊंचाई से अचानक नीचे आने में कंप्यूटर कोड की गड़बड़ी शामिल हो सकती है। एयरबस ने बताया कि जेटब्लू की उस घटना की जांच से पता चला कि सूरज की तेज किरणें (सोलर रेडिएशन) ए320 बेड़े के विमानों के उड़ान नियंत्रण को खराब कर सकती हैं। संघीय विमानन प्रशासन ने यूरोपीय संघ विमानन सुरक्षा एजेंसी (ईएएसए) के साथ मिलकर विमानन कंपनियों को नया सॉफ्टवेयर अपडेट करने का निर्देश दिया है।

करीब 6000 विमान प्रभावित

छह हजार विमानों को वापस बुलायाएक रिपोर्ट के मुताबिक 30 अक्तूबर को जेटब्लू की एक फ्लाइट कैनकन, मेक्सिको से नेवार्क, न्यू जर्सी जा रही थी। अचानक फ्लाइट काफी तेजी से ऊंचाई से गिरने लगी। इसकी वजह से कई यात्री घायल हो गए थे। फ्लाइट 1230 ने जहाज के कंट्रोल में दिक्कत और अचानक बिना किसी कंट्रोल के ऊंचाई गिरने के बाद टैम्पा, फ्लोरिडा में इमरजेंसी लैंडिंग की, जिसके बाद यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने जांच शुरू की। एयरबस के मौजूदा समय में करीब 11,300 ए320 विमान संचालित हो रहे हैं, जिनमें से कंपनी करीब 6000 ए320 विमानों को वापस बुलाया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

नेपाल में विमान से पक्षी टकराया, यात्री सुरक्षित

काठमांडू। नेपाल में पोखरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को उतरते समय एक निजी एयरलाइन के विमान से एक पक्षी टकरा गया। सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। हवाई अड्डा प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि काठमांडू से पोखरा जा रहा बुद्धा एयरलाइंस का 9एन एओसी विमान अपराह्न 3.45 बजे उतरते समय एक पक्षी से टकरा गया। घटना में विमान का प्रोपेलर ब्लेड थोड़ा क्षतिग्रस्त हो गया।

पाकिस्तान में भारतीय नागरिक गिरफ्तार

लाहौर। पाकिस्तान की पंजाब पुलिस ने अनजाने में देश में घुसे एक कथित भारतीय नागरिक को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पाकिस्तान रेंजर्स ने बिना किसी कानूनी औपचारिकता के उसे 100 दिनों से अधिक समय तक हिरासत में रखा। पुलिस के अनुसार, कथित भारतीय नागरिक बी जे सिंह 16 अगस्त को भारतीय बचन सिंह पोस्ट के सामने अजमल शहीद पोस्ट के पास से पाकिस्तान में प्रवेश कर गया। सिंह (31) असम का रहने वाला है।

धुरंधर के ट्रेलर पर आपत्ति जताई

कराची। कराची में आतंकवादी और आपराधिक गिरोहों के खिलाफ अपनी बहादुरी और एनकाउंटर विशेषज्ञ के रूप में मशहूर हुए पाकिस्तानी पुलिस अधिकारी दिवंगत चौधरी असलम की पत्नी ने धमकी दी है कि अगर उनके पति को आगामी बॉलीवुड फिल्म धुरंधर में गलत और नकारात्मक तरीके से चित्रित किया गया तो वह कानूनी कार्रवाई करेंगी। रणवीर सिंह अभिनीत और आदित्य धर द्वारा निर्देशित यह फिल्म जासूसी पर आधारित है। इस महीने की शुरुआत में जारी किया गया फिल्म का आधिकारिक ट्रेलर कराची के कुख्यात ल्यारी इलाके की कहानी की झलक पेश करता है। फिल्म में दिग्गज अभिनेता संजय दत्त चौधरी असलम का किरदार निभा रहे हैं।

बदमाशों ने एटीएम से 12 लाख रुपये लूटे

जयपुर। राजस्थान के नागौर जिले में अज्ञात बदमाशों ने शनिवार को एक सार्वजनिक बैंक की स्वचालित गणक मशीन (एटीएम) से 12 लाख रुपये लूट लिए और वहां से भागते समय मशीन में आग लगा दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना पंचोड़ी पुलिस थाने के भेड़ गांव में हुई। इसने बताया कि जब स्थानीय लोगों ने शनिवार सुबह जले हुए एटीएम को देखा तो बैंक और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

तूफान दितवा ने पकड़ी गति, आज आधी रात पहुंचेगा तमिलनाडु तट

श्रीलंका में तबाही मचाने के बाद 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा आगे

- रविवार तड़के आंध्र, पुडुचेरी और बंगाल की खाड़ी तक पहुंचेगा

चेन्नई, एजेंसी

बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना चक्रवाती तूफान 'दितवा' अब तेज हो गया है और 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। यह चेन्नई से लगभग 350 किलोमीटर दूर केंद्रित है और शनिवार आधी रात तक तमिलनाडु के तट से टकरा सकता है। मौसम कार्यालय ने नवीनतम जानकारी में बताया कि यह इस तूफान ने पहले श्रीलंका में तबाही मचाई थी जहां 100 से अधिक लोगों की जान चली गई थी और बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ था। यह तूफान पहले 8 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से आगे बढ़ रहा था लेकिन अब इसने रफ्तार पकड़ ली है।

दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी श्रीलंका के ऊपर स्थित चक्रवाती तूफान पिछले 6 घंटों के दौरान 10 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर की ओर बढ़ा और शनिवार सुबह 11:30 बजे उसी क्षेत्र पर केंद्रित था। यह अब जाफना (श्रीलंका) से लगभग 80 किलोमीटर पूर्व-उत्तरपूर्व, वेदारन्नियम (तमिलनाडु) से 110 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व, कराईकल (पुडुचेरी) से 150 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व, पुडुचेरी से 250 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व और चेन्नई (तमिलनाडु) से 350 किलोमीटर दक्षिण में केंद्रित है। इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और रविवार सुबह तड़के उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और आस-पास के दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों के पास दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक पहुंचने की अत्यधिक संभावना है।

श्रीलंका में मृतकों की संख्या 150 हुई : उष्णकटिबंधीय चक्रवात 'दितवा' के श्रीलंका से टकराने के बाद 150 से अधिक लोगों की मौत हो गई है, जबकि 130 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं। आपदा प्रबंधन केंद्र ने पुष्टि की है कि देश भर में 3,73,430 लोग प्रभावित हुए हैं। इसमें 43,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं और वर्तमान में 488 अस्थायी आश्रयों में रह रहे हैं। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने पूरे देश में आपातकाल की घोषणा कर दी है। चक्रवात दितवा शनिवार तड़के श्रीलंका से निकल गया।

चक्रवात दितवा के मद्देनजर तेज हवाओं के बीच शनिवार को चेन्नई के कासिमेदु बंदरगाह तट पर खड़ी मछली पकड़ने वाली नावें।

आंध्र प्रदेश के कई जिलों में हाईअलर्ट

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश में साइक्लोन दितवा के मद्देनजर राज्य के मुख्य सचिव पी. विजयानंद ने चित्तूर, तिरुपति, अन्नामाया, श्री सत्य साईं, नेल्लोर, बापटला और प्रकाशम जिलों के जिलाधीशों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश जारी किया है। विजयानंद ने शनिवार को जिलाधीशों के साथ वीडियो पर बातचीत कर साइक्लोन के दौरान अगले मंगलवार तक किसी भी मछुआरे के समुद्र क्षेत्र में नहीं जाने का निर्देश दिया।

वायु सेना ने 21 टन राहत सामग्री पहुंचाई : भारतीय वायु सेना ने श्रीलंका में विनाशकारी बाढ़ से विस्थापित लोगों की सहायता के लिए शनिवार को 21 टन राहत सामग्री, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के 80 से अधिक कर्मियों एवं आठ टन उपकरण पहुंचाए। भारतीय वायु सेना ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि श्रीलंका में चक्रवाती तूफान दितवा के कारण मची तबाही के मद्देनजर भारत ने राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए ऑपरेशन सागर बंधु' शुरू किया।

बांग्लादेश लौटने का फैसला अकेले मेरे बस में नहीं

ढाका/नई दिल्ली। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के स्व निर्वासित कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने शनिवार को कहा कि बेहद गंभीर बीमारी से जूझ रहीं उनकी मां और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया से मिलने के लिए उनका वतन वापस लौटना पूरी तरह उनके हाथ में नहीं है। बीएनपी की 80 वर्षीय प्रमुख जिया को छाती में संक्रमण के कारण हृदय और दोनों फेफड़े प्रभावित होने के बाद 23 नवंबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

साल 2008 से लंदन में रह रहे रहमान (60) ने शनिवार को फेसबुक पर कहा कि किसी भी बच्चे की तरह वह इस मुश्किल समय में मां के पास रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन दूसरों की तरह, इस बारे में एकतरफा फैसला लेना सिर्फ मेरे हाथ में नहीं है और न ही केवल मेरे बस में है। इस मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए ज्यादा बात नहीं कही जा सकती। रहमान ने कहा कि उनके परिवार को अब भी उम्मीद है कि एक बार राजनीतिक उथल-पुथल शांत हो जाए तो उनका स्वदेश लौटने का इंतजार खत्म हो जाएगा।

भारत ने सबसे अधिक वोट के साथ एक बार फिर आईएमओ परिषद का चुनाव जीता

लंदन, एजेंसी

- भारत पर भरोसा करने के लिए उच्चायोग ने अदा किया धन्यवाद

भारत आगामी दो वर्षों के लिए एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) की 40 सदस्यीय परिषद के लिए के लिए चुना गया है। लंदन में आईएमओ की सभा के दौरान हुए चुनाव में भारत को उसकी श्रेणी में सबसे अधिक वोट मिले।

भारत ने शुक्रवार को 'बी' श्रेणी में चुनाव जीता है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड्स, स्पेन, स्वीडन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। आईएमओ ने कहा कि नव निर्वाचित परिषद का 136वां सत्र चार दिसंबर को होगा, जिसमें अगले दो साल के लिए अध्यक्ष और सह अध्यक्ष चुने जाएंगे। लंदन में स्थित भारतीय उच्चायोग ने चुनाव के बाद कहा, भारत बी श्रेणी में सबसे अधिक 154 वोट हासिल कर दोबारा आईएमओ परिषद के लिए चुना गया है। उच्चायोग ने कहा, हम भारत पर भरोसा करने के लिए अपने साझेदारों को धन्यवाद देते हैं, और वैश्विक समुद्री क्षेत्र के लिए काम करते रहने का वादा करते हैं।

आईएमओ दुनिया की सबसे बड़ी संस्था है जो दुनिया के समुद्री क्षेत्र की देखरेख करती है। परिषद आईएमओ का कार्यकारी अंग है जो संगठन के काम की देखरेख के लिए जिम्मेदार है।

इस्कॉन ब्रिटेन ने ऐतिहासिक लंदन स्थल प्राप्त करने का जश्न मनाया

लंदन। ब्रिटेन में अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) इस सप्ताह एक नीलामी में लंदन में अपने मूल मंदिर स्थल को प्राप्त करने का जश्न मना रहा है। मध्य लंदन के ब्लूम्सबरी क्षेत्र में 7 बरी प्लेस स्थित ऐतिहासिक इमारत का इतिहास 1968 से जुड़ा है, जब इस्कॉन के संस्थापक श्रील प्रभुपाद ने तीन अमेरिकी दम्पतियों को ब्रिटेन में एक मिशन स्थापित करने के लिए भेजा था। अंतत: बीटल गायक जॉर्ज हैरिसन जैसे समर्थकों की मदद से इसे हासिल किया गया, जिन्होंने मूल पट्टे पर सह-हस्ताक्षर किए थे और यह ब्रिटेन में इस्कॉन के शुरुआती कार्यों का आधार बना। इस्कॉन ब्रिटेन के शासी निकाय आयोग (जीबीसी) के प्रघोष दास ने कहा, सात बरी प्लेस को पुन: प्राप्त करना, ब्रिटेन में हमारे आध्यात्मिक जन्मस्थान को पुन: प्राप्त करना है।

इंडोनेशिया में मृतक संख्या 279 हुई

अगम। इंडोनेशिया में बाढ़ और भूस्खलन के कारण जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 279 हो गई है तथा अधिकारियों ने मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका जताई है। उत्तरी सुमात्रा प्रांत में सड़कें खराब होने और संचार बाधित होने से इन इलाकों से संपर्क कट गया है और राहत सामग्री पहुंचाने के लिए विमानों पर निर्भर रहना पड़ा। भारी उपकरणों की कमी के कारण बचाव कार्य भी बाधित हुए। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता फेरी वालिंटुकन ने बताया कि उत्तरी सुमात्रा में बचावकर्मियों ने शनिवार को 31 शव बरामद किए, जिससे मृतकों की संख्या 279 हो गई। लापता लोगों की तलाश हो रही है।

इमरान खान के जीवित होने का सरकार दे सबूत

लाहौर, एजेंसी

- बेटे कासिम खान ने सोशल मीडिया पर लिखी पोस्ट

पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटे ने सरकार से इसका सबूत पेश करने की मांग की है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक जिंदा हैं। खान के बेटे कासिम खान ने शुक्रवार शाम एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि हम इमरान खान के जीवित होने का सबूत मांगते हैं।

ऐसी अटकलें हैं कि क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान (73) की जेल में हत्या कर दी गई है, क्योंकि ना तो उनके परिवार के सदस्यों और ना ही उनके वकीलों एवं पार्टी के लोगों को एक महीने से उनसे मिलने दिया गया है। खान कई मामलों में दो साल से अधिक समय से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। खान की तीन बहनें, पीटीआई के कार्यकर्ता और खैबर पख़्तूनख़्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफ़रीदी कुछ दिनों से अदियाला जेल के बाहर डेरा डाले हुए हैं और शहबाज शरीफ सरकार पर खान के परिवार के सदस्यों को उनसे मिलने की इजाजत देने का दबाव बना रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया के पीएम अल्बनीस ने किया विवाह

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने शनिवार को राजधानी केबनरा में अपने आधिकारिक आवास पर करीबी लोगों की मौजूदगी में अपनी संगिनी जोडी हेडन से विवाह कर लिया। ऑस्ट्रेलिया की संघीय सरकार के 124 साल के इतिहास में वह ऐसे पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री पद पर रहने के दौरान विवाह किया है। विवाह समारोह में ऑस्कर पुरस्कार विजेता अभिनेता रसेल क्रो और कई कैबिनेट मंत्रियों समेत करीब 60 मेहमान शामिल हुए। अल्बनीस और हेडन ने कहा कि हम अपने परिवार के साथ खुश हैं।

जी-20 में अफ्रीका को न बुलाना अनुचित

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

- राष्ट्रपति रामाफोसा ने की ट्रंप के फैसले की निंदा

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कहा है कि अमेरिका की अध्यक्षता के दौरान दक्षिण अफ्रीका को जी-20 में आमंत्रित नहीं किए जाने की उनके अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा अफसोसजनक है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल में घोषणा की कि दक्षिण अफ्रीका को अगले वर्ष फ्लोरिडा में उनके देश की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण नहीं मिलेगा।

अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की है और वह एक दिसंबर, 2025 से 30 नवंबर, 2026 तक इस समूह का नेतृत्व करेगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका में जी-20 में भाग नहीं लिया क्योंकि दक्षिण अफ्रीका पुर्तगाली, फ्रांसीसी तथा जर्मन प्रवासियों के मानवाधिकार हनन को स्वीकार नहीं करता है।

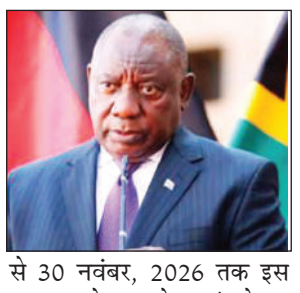

अमेरिका ने किया था बैठक का बहिष्कार

परंपरा के अनुसार, मेजबान देश जी-20 की अगली अध्यक्षता संभालने वाले राष्ट्र को लकड़ी का एक प्रतीकात्मक हथौड़ा सौंपता है लेकिन बैठक के बहिष्कार के कारण दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा से इसे लेने के लिए कोई अमेरिकी अधिकारी मौजूद नहीं था। अमेरिका अपने दूतावास से एक प्रतिनिधि भेजना चाहता था। दक्षिण अफ्रीका ने इसे अस्वीकार कर दिया था कि रामाफोसा के लिए एक कनिष्ठ अधिकारी को प्रतीक सौंपना अपमानजनक होगा। दक्षिण अफ्रीका द्वारा राजनयिक संबंधों को पुनर्स्थापित करने तमाम प्रयासों के बावजूद ट्रंप दंडात्मक कदम उठाते रहे हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 30 नवंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, दशमी 21.29 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

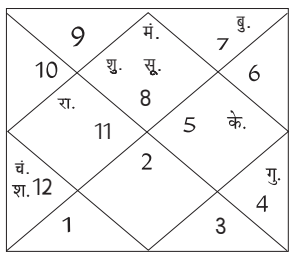

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृतिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तर भाद्रपद 01 दिसंबर 01.11 तक तत्पश्चात रेवती।

मेष — आज आपसे लोग नाराज हो सकते हैं। अपने बड़ों की अवमानना न करें। अनावश्यक कार्यों में समय बर्बाद होगा। स्वास्थ्य को लेकर बिल्कुल लापरवाही न करें। निम्न रक्तचाप के कारण समस्या हो सकती है। शाम को मित्रों से चर्चा कर सकते हैं।

वृष — आज व्यवसाय में आय बढ़ सकती है। आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। महत्वपूर्ण विषयों को लेकर जीवनसाथी से सलाह ले सकते हैं। लंबित पड़ी योजनाओं को दोबारा क्रियान्वित करने के अवसर मिलेंगे। आपका पूरा ध्यान घर-परिवार पर रहेगा।

मिथुन — आज परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। प्रेम संबंधों में एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें। मानसिक रूप से शांति महसूस करेंगे। आपको अपने आत्मसम्मान की चिन्ता रहेगी।

कर्क — आज विद्यार्थियों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। उच्च शिक्षण संस्थान में प्रवेश के अवसर मिल सकते हैं। कारोबारी यात्रा से लाभ प्राप्त होगा। उच्चाधिकारियों के बीच आपकी काफी चर्चा होगी। विदेश यात्रा में आ रही बाधा दूर होगी।

सिंह — आज व्यापार को लेकर अधिक सावधानी रखें। इसीलिए थोड़ा सोच-विचारकर ही काम करें। भावनात्मक रूप से थोड़ा कमजोर रहेंगे। बीमारियों पर धन खर्च अचानक से बढ़ सकता है। ससुराल पक्ष से शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं।

कन्या — आज जीवनसाथी आपको भावनात्मक रूप से काफी सहयोग देगा। व्यावसायिक यात्रा होने के योग बन रहे हैं। अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है। उच्च अधिकारियों से मित्रता हो सकती है। प्रभावशाली व्यक्तियों के बीच आपका सामंजस्य बढ़ेगा।

तुला — आज व्यवसाय में उन्नति के लिए प्रयास करेंगे। लोन से जुड़े हुए अवरोध दूर होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। मित्रों के साथ आप अच्छा समय बितायेंगे। पुराने अनुभव आज आपके काफी काम आने वाले हैं।

वृश्चिक — आज आपके द्वारा कही गई बात सत्य होगी। आपकी सेहत काफी अच्छी रहने वाली है। नये विषयों के अध्ययन व अनुसंधान में रुचि लेंगे। बच्चों के साथ कहीं घूमने की योजना बना सकते हैं। व्यावसायिक लक्ष्यों को सरलता से प्राप्त कर लेंगे।

धनु — आज अपनी जीवनशैली में सुधार करें। कुछ लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं। घर के बड़े बुजुर्गों का सम्मान करें। परिजनों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। एआई क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़े प्रोजेक्ट्स में काम करने का अवसर मिल सकता है।

मकर — आज सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। विवेक और संयम से निर्णय लेने से आपको लाभ होगा। आयात-निर्यात के व्यवसाय में बड़ा लाभ हो सकता है। विद्यार्थी किसी नये कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। अपने विचारों को दूसरों पर न थोपें।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। नई जॉब ढूंढ रहे हैं तो आज सफलता मिल सकती है। विरोधियों के बीच में आपकी चर्चा होगी। परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। जीवनसाथी को उपहार देने से तनाव दूर होगा। त्वचा विकार की समस्या हो सकती है।

मीन — आज आपके आकर्षक व्यक्तित्व की लोग प्रशंसा करेंगे। फाइनेंस को लेकर परेशानियां दूर होंगी। व्यवसाय को लेकर अपनी रणनीति बदल सकते हैं। युवाओं को प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं। शेयर मार्केट के माध्यम से आपको बड़ा लाभ होगा।

सुडोकू-176

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

						2		
				5				
6								
		2						
					7	6		
	8			4				
		9						

सुडोकू - 175 का हल

1	2	3	4	9	7	8	5	6
8	5	4	1	3	6	2	9	7
6	9	7	5	2	8	4	3	1
3	8	6	7	1	9	5	2	4
9	4	5	6	8	2	1	7	3
7	1	2	3	5	4	9	6	8
4	7	1	9	6	5	3	8	2
5	3	8	2	7	1	6	4	9
2	6	9	8	4	3	7	1	5

जिस तरह की पिचों पर हम खेल रहे हैं, उनमें किसी को गेंदबाज बनाने की जरूरत नहीं है क्योंकि हर गेंद स्पिन होती है या कुछ सीधी हो जाती है। एक गेंदबाज को तभी अच्छा माना जा सकता है जब वह अच्छी पिचों पर विकेट लेता है।

-हरभजन सिंह

स्टेडियम

अमृत विचार

हल्द्वानी, रविवार, 30 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

हाईलाइट

ऐसा लगता है, मानो भारत के पास ऑफ स्पिनर नहीं है : भज्जी

मुंबई। दक्षिण अफ्रीका से हाल में खत्म हुई टेस्ट सीरीज में हारने के बाद महान स्पिनर हरभजन सिंह को लगा कि भारतीय टीम के पास पांच दिन के मैच के लिए कोई विशेषज्ञ ऑफ-स्पिनर ही नहीं है और उन्होंने वाशिंगटन सुंदर का कार्यभार बढ़ाने की बात कही। आर अश्विन के संन्यास के बाद एसईएनए देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) के खिलाफ पहली घरेलू श्रृंखला में भारत के स्पिनर दक्षिण अफ्रीका के सामने कमजोर पड़ गए। मेहमान टीम के स्पिनरों ने दो टेस्ट में 25 विकेट हासिल किए। हरभजन से जब पूछा गया कि क्या भारत के पास दाएं हाथ का कोई विशेषज्ञ स्पिनर नहीं है तो उन्होंने जवाब में 'पीटीआई' से कहा ऐसा ही लगता है।

दक्षिण अफ्रीका को सुधार करना होगा: प्रिंस

रांची। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी कोच एशवेल प्रिंस ने शनिवार को कहा कि उनकी वनडे टीम को अब भी 'क्लच मोमेंट्स' को बेहतर बनाने की जरूरत है क्योंकि वे 2027 विश्व कप से पहले संयोजन का परीक्षण करना जारी रखे हैं। प्रिंस ने माना कि पिछले एक साल में टीम का फोकस टेस्ट क्रिकेट और आने वाले टी-20 विश्व कप पर रहा है जिससे 50 ओवर का प्रारूप प्रयोगात्मक चरण में है। भारत के खिलाफ पहले वनडे से पहले प्रिंस ने कहा हम 50 ओवर में अलग-अलग संयोजन आजमा रहे हैं और अंतिम टीम के करीब पहुंचने से पहले हमारे पास अब भी समय है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों की गहराई से संतुष्ट होने के बावजूद प्रिंस ने कहा अगर कोई क्षेत्र है जहां हमें सुधार करना है तो वह है 'क्लच मोमेंट्स'। सफेद गेंद का क्रिकेट हमेशा दबाव भरे माहौल भरा होता है। रविवार को यहां भारी ओस पड़ने की उम्मीद है इसलिए टॉस अहम भूमिका निभा सकता है।

रोहित और कोहली की होगी कड़ी परीक्षा

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला एकदिवसीय मुकाबला आज दोपहर 1:30 बजे से

रांची, एजेंसी

अब केवल वनडे में खेल रहे रोहित शर्मा और विराट कोहली भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार से यहां शुरू होने वाली तीन एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की श्रृंखला में आकर्षण का केंद्र होंगे जिससे वह 2027 में होने वाले विश्व कप के लिए अपना दावा भी मजबूत करने की कोशिश करेंगे।

भारतीय टीम प्रबंधन इस श्रृंखला से चयन संबंधी समस्याओं का समाधान भी करना चाहेगा। उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई टेस्ट श्रृंखला के दौरान चयन संबंधी मसलों के कारण आलोचना का सामना करना पड़ा था। रोहित और कोहली दोनों अब केवल एक ही अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप में खेलते हैं। भारत को अगले दो महीनों में केवल छह एकदिवसीय मैच खेलने हैं। दक्षिण अफ्रीका के बाद भारतीय टीम तीन जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर तीन वनडे मैच की श्रृंखला खेलेगी। ऐसे में सभी की निगाह भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गजों रोहित और कोहली पर टिके रहना स्वाभाविक है। इन मैचों में उनके प्रदर्शन का 2027 के वनडे विश्व कप में उनकी संभावनाओं पर सीधा असर पड़ सकता है। हो सकता है कि यह उनके विश्व कप के भाग्य को पक्का न करे, लेकिन यह मैच उनके लिए ऑडिशन की तरह हो सकते हैं जिससे उनके भविष्य की राह भी सुनिश्चित होगी। संयोग से 2013 में इसी जेएससीए स्टेडियम में रोहित शर्मा पहली बार पूर्णकालिक सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेले थे जिससे सीमित ओवर की क्रिकेट में उनका करियर ही बदल दिया। यह 37 वर्षीय खिलाड़ी एक दशक से भी अधिक समय बाद फिर से यहां पहुंचा है जहां वह अपने करियर को फिर से नहीं दिशा देने की कोशिश करेगा।

भारत की यह एकदिवसीय श्रृंखला अगले वर्ष घरेलू मैदान पर होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले खेली जा रही है जिसमें खिलाड़ियों का प्रदर्शन उन्हें खेल के सबसे छोटे प्रारूप के आईसीसी टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम में जगह दिलाने में अहम भूमिका निभा सकता है।

दक्षिण अफ्रीका से टेस्ट श्रृंखला में दोनों मैच में हारने के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर भी जांच के दायरे में हैं हालांकि उनके पद को किसी तरह का खतरा नहीं है क्योंकि उनका अनुबंध 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक है। टेस्ट में मिली हार के बाद उनके रणनीतिक फैसलों और टीम चयन पर सवाल उठे।

मुख्य कोच का पद संभालने के बाद से उनकी यह दूसरी बड़ी विफलता थी। ऐसे में यहां वनडे श्रृंखला गंभीर के लिए अपनी स्थिति मजबूत करने और सीमित ओवरों में भारत की दिशा को स्पष्ट करने का एक अहम मौका है।

मुख्य कोच गौतम गंभीर की निगरानी में अभ्यास करते कुलदीप यादव, तिलक वर्मा व अन्य भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्जके (दाएं) और टोनी डी जॉर्जी। एजेंसी

टीम

भारत : केएल राहुल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्क्रम, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, मार्को यानसन, टोनी डी जॉर्जी, रुबिन हरमन, ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्जके, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन।

मेरे पास स्पिन के खिलाफ परेशानी का कोई पक्का जवाब नहीं : राहुल

रांची : कार्यवाहक वनडे कप्तान केएल राहुल ने शनिवार को स्वीकार किया कि उनकी टीम की स्पिन के खिलाफ लगातार संघर्ष करना विशेषकर घरेलू पिचों पर, चिंता का विषय है लेकिन उनके पास भारत की पारंपरिक रूप से मजबूती में आई गिरावट का कोई जवाब नहीं है। उनकी यह टिप्पणी पिछले दो सत्र में टेस्ट क्रिकेट में घरेलू पिचों पर स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप के बार-बार कमजोर पड़ने के चिंताजनक पैटर्न के बीच आई है जिसमें कभी भारत का दबदबा हुआ करता था। न्यूजीलैंड ने 2024 में और फिर दक्षिण अफ्रीका ने हाल में भारत को क्रमशः 3-0 और 2-0 से हराया। राहुल ने कहा हमने पिछले कुछ सत्र में स्पिन अच्छी तरह नहीं खेली है। मुझे सच में नहीं पता कि हम पहले क्यों कर पाते थे और अब क्यों नहीं कर पा रहे। मेरे पास कोई निश्चित जवाब नहीं है। हम बस इतना कर सकते हैं कि व्यक्तिगत रूप से और बतौर बल्लेबाजी समूह यह देखें कि कैसे बेहतर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों को तकनीकी और रणनीतिक बदलावों की तलाश करनी होगी और यह एक लंबी प्रक्रिया होगी। राहुल ने कहा यह रातोंरात नहीं बदलने वाला। हम सुधार की जरूरतों को देखेंगे और उम्मीद है कि श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया सीरीज तक हम बेहतर तरीके से तैयार रहेंगे।

मिथुन पर रोमांचक जीत के साथ श्रीकांत फाइनल में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

- त्रिशा- गायत्री महिला युगल में खिताब के लिए करेंगी दावेदारी
- महिला एकल के सेमीफाइनल में तन्वी शर्मा को मिली हार

महिला डबल्स सेमीफाइनल में त्रीसा जॉली (दाएं) और गायत्री गोपीचंद। एजेंसी

अमृत विचार : पूर्व वर्ल्ड नंबर वन के.श्रीकांत ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप में रोमांचक जीत के साथ फाइनल में प्रवेश कर भारतीय चुनौती को कायम रखा।

दूसरी ओर महिला युगल में पिछली विजेता शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत की त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद पी. ने फाइनल में प्रवेश के साथ खिताब बचाने की अपनी दावेदारी पेश की। भारतीय बैडमिंटन एसोसिएशन (बीएआई) के देखरेख में उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से योनेक्स सनराइज बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में आयोजित चैंपियनशिप में शनिवार को सेमीफाइनल खेले गए। चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में उन्नति व तन्वी की हार के साथ महिला एकल में भारत का सफर समाप्त हो गया। मिश्रित युगल में भारत के हरिहरन अम्साकरुनन व त्रिशा जॉली की जोड़ी को हार मिली। पुरुष एकल में पांचवीं वरीयता प्राप्त भारत के के.श्रीकांत ने 59 मिनट चले तीन गेम के रोमांचक मैच में हमवतन मिथुन मंजूनाथ के खिलाफ 21-15, 19-21, 21-13 से जीत दर्ज की। श्रीकांत ने पहले गेम में कुछ संघर्ष के बाद जीत हासिल की। दूसरे गेम में वो आगे रहने के बाद पिछड़ गए और 9-15 के स्कोर पर फाउल के चलते प्रतिद्वंद्वी को फायदा मिला। यह गेम मिथुन मंजूनाथ ने तेज सर्विस की बदौलत अपने नाम की। तीसरे और निर्णायक गेम में श्रीकांत ने बेहतरीन कोर्ट कवरेज की बदौलत जीत से फाइनल में जगह बनाई। 2016 के चैंपियन के.श्रीकांत अब चैंपियनशिप में अपने दूसरे खिताब की दावेदारी करेंगे। मलेशियाई मास्टर्स के उपविजेता रहे श्रीकांत की कल लंबे समय बाद घरेलू टूर्नामेंट में खिताब और साथ में साल के शानदार समापन पर निगाह होगी। श्रीकांत ने इससे पूर्व फ्रेंच ओपन 2017 में खिताबी जीत दर्ज की थी। श्रीकांत की अब फाइनल में हांगकांग के जेसन गुनावन से भिड़ंत होगी जो प्रतिद्वंद्वी जापान के मिनोरू कोगा के मैच छोड़ने से फाइनल में पहुंच गए। पहला गेम कोगा ने 21-12 से जीता। दूसरे गेम में जेसन ने जीत दर्ज की। तीसरे गेम में जब जेसन 11-0 से आगे थे तब जापानी खिलाड़ी ने मैच छोड़ने का फैसला किया। वहीं, महिला एकल के पहले सेमीफाइनल मे जापान की हीना अकेची ने भारत की तन्वी शर्मा को 21-17, 21-16 से हराया। तुर्किये की नेस्लिहान अरीन ने शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत की उन्नति हुड्डा को 21-15, 21-10 से हराया।

किदांबी श्रीकांत। एजेंसी

मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच होगा पहला मैच

मुंबई, एजेंसी

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली गत चैंपियन मुंबई इंडियंस की टीम चौथी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के उद्घाटन मैच में नौ जनवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 2024 की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का सामना करेगी।

डब्ल्यूपीएल का फाइनल पहली बार सप्ताहांत पर नहीं होगा। इस बार प्रतियोगिता का फाइनल गुरुवार (पांच फरवरी) को खेला जाएगा। ऐसा पुरुषों के टी-20 विश्व कप से टकराव से बचने के लिए किया गया है जो उसी सप्ताह भारत और श्रीलंका में शुरू हो रहा है। टी20 विश्व कप की शुरुआत सात फरवरी (शनिवार) को कोलंबो में पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच मैच से होगी। इस बार डब्ल्यूपीएल 28 दिन तक चलेगा और इसमें 22 मैच खेले जाएंगे।

महिला प्रीमियर लीग कार्यक्रम

9 जनवरी : मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

10 जनवरी : यूपी वॉरियर्स बनाम गुजरात जायंट्स और मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स

11 जनवरी : दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जायंट्स

12 जनवरी : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम यूपी वॉरियर्स

13 जनवरी : मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जायंट्स

14 जनवरी : यूपी वॉरियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स

15 जनवरी : मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वॉरियर्स

16 जनवरी : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम गुजरात जायंट्स

17 जनवरी : यूपी वॉरियर्स बनाम मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

19 जनवरी : गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

20 जनवरी : दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस

22 जनवरी : गुजरात जायंट्स बनाम यूपी वॉरियर्स

24 जनवरी : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम दिल्ली कैपिटल्स

26 जनवरी : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस

27 जनवरी : गुजरात जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स

29 जनवरी : यूपी वॉरियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

30 जनवरी : गुजरात जायंट्स बनाम मुंबई इंडियंस

01 फरवरी : दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वॉरियर्स

एलिमिनेटर : तीन फरवरी

फाइनल : पांच फरवरी।

दृष्टिबाधित महिला टीम ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय दृष्टिबाधित महिला टीम ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की और उन्हें ऑटोग्राफ वाला क्रिकेट बल्ला उपहार में दिया।

राष्ट्रपति ने टीम सदस्यों को टी20 विश्व कप जीतने पर बधाई दी और कहा कि उनकी सफलता दूसरों को करियर में नयी ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित करेगी। राष्ट्रपति ने टीम की तरफ से भेंट की गई क्रिकेट गेंद पर भी हस्ताक्षर किए। भारत ने हाल में कोलंबो में फाइनल में नेपाल को हराकर पहला टी20 दृष्टिबाधित महिला विश्व कप जीता था।

ओलंपिक हॉकी के दिग्गजों को सम्मानित किया गया

चेन्नई : तमिलनाडु के उप मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शनिवार को 14वें पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप के उद्घाटन के दौरान ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय और तमिलनाडु हॉकी टीम के सीनियर खिलाड़ियों को सम्मानित किया। राज्य सरकार ने शनिवार को आधिकारिक विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी।

अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ द्वारा 1979 में शुरू किए गए जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप का 14वां चरण अभी चेन्नई और मदुरै में चल रहा है। विज्ञप्ति में कहा गया कि उप मुख्यमंत्री ने 28 नवंबर को चेन्नई में टूर्नामेंट के शुरुआती मैच भारत बनाम चिली का औपचारिक उद्घाटन किया। उप मुख्यमंत्री ने भारतीय टीम के सीनियर खिलाड़ियों को सम्मानित किया जिसमें तमिलनाडु के ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले हॉकी खिलाड़ी भी थे।

अजलन शाह हॉकी | जुगराज सिंह ने किए चार गोल, बेल्जियम से आज होगी खिताबी भिड़ंत

कनाडा को 14-3 से रौंदकर भारत फाइनल में

इपोह, एजेंसी

जुगराज सिंह के चार गोल की मदद से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को यहां बड़े स्कोर वाले मुकाबले में कनाडा को 14-3 से हराकर पूल तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर सुल्तान अजलन शाह कप के फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम को टूर्नामेंट में अभी तक सिर्फ बेल्जियम से एक गोल से हार मिली लेकिन पिछले मैच में न्यूजीलैंड पर 3-2 की शानदार जीत के बाद खिलाड़ी आत्मविश्वास से ओतप्रोत थे। भारतीय टीम रविवार को फाइनल में बेल्जियम से भिड़ेगी।

नीलकांत शर्मा ने मैच की शुरुआत चौथे मिनट में गोल दागकर की जिसके बाद सीनियर टीम में पदार्पण करने के बाद अच्छी फॉर्म में चल रहे राजिंदर सिंह ने 10वें मिनट में गोल कर दिया। यह रोमांचक शुरूआत रही। कनाडा ने शुरुआती गोल का जवाब पेनल्टी कॉर्नर हासिल करके उसे गोल में बदलकर दिया।

11वें मिनट में ब्रेंडन गुरालियुक ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। फिर अगले कुछ मिनटों में जुगराज सिंह और अमित रोहिदास ने क्रमशः 12वें और 15वें मिनट में गोल कर किए जिससे भारत की बढ़त 4-1 हो गई। इस टूर्नामेंट के लिए टीम के सीनियर स्टार खिलाड़ियों को आराम दिया गया था इसलिए बेहतर प्रदर्शन करने की जिम्मेदारी युवा खिलाड़ियों पर थी और उन्होंने कनाडा के डिफेंस को दबाव में रखकर अच्छा प्रदर्शन किया।

दूसरे क्वार्टर में गोलों की झड़ी लगी रही जिसमें राजिंदर ने 24वें मिनट में, दिलप्रीत सिंह ने 25वें मिनट में और जुगराज ने 26वें मिनट में गोल कर दिए। अब भारतीय टीम 7-1 से आगे थी जिससे कनाडा ने तीसरे क्वार्टर में अपने आक्रमण में थोड़े बदलाव किए जिससे 35वें मिनट में उन्हें पेनल्टी स्ट्रोक मिला। मैथ्यू सरमेंटो ने इसे पोस्ट में डालकर स्कोर 7-2 कर दिया। इस बीच जुगराज ने इसी क्वार्टर में 39वें मिनट में गोल करके हैट्रिक बनाई। जिसके बाद सेल्वम कार्ति ने 43वें मिनट में गोल करके भारत की बढ़त को 9-2 तक पहुंचा दिया। आखिरी क्वार्टर बस एक औपचारिकता मात्र थी लेकिन इसी में दोनों टीमों ने ज्यादा गोल किए। इस क्वार्टर में छह गोल हुए। रोहिदास ने 46वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर और इसके बाद 50वें मिनट में जुगराज के पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में तब्दील किया।

चिली और स्विट्जरलैंड (लाल जर्सी) के खिलाड़ी।

जूनियर विश्व कप : मलेशिया और नीदरलैंड्स की विजयी शुरुआत

मदुरै : मलेशिया और नीदरलैंड ने शनिवार को यहां पूल ई के मैचों में क्रमशः ऑस्ट्रिया और इंग्लैंड को हराकर एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट में अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की। मलेशिया ने दिन के पहले मैच में ऑस्ट्रिया को 5-1 से जबकि नीदरलैंड ने इंग्लैंड को 5-3 से हराया। मलेशिया के लिए दानिश खैरिल (56वें और 57वें मिनट) ने दो जबकि हैरिस उस्मान (28वें मिनट), एडम जोहरी (47वें मिनट) और नवीनेश पनिकर (55वें मिनट) ने एक-एक गोल किया। ऑस्ट्रिया का एकमात्र गोल 56वें मिनट में जूलियन कैसर ने पेनल्टी कॉर्नर पर किया। इससे पहले नीदरलैंड की इंग्लैंड पर जीत में जान वैनट लैंड (दूसरे और 49वें मिनट) ने दो मैदानी गोल करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके अलावा कैस्पर वैन डेर वीन (26वें मिनट) ने भी एक मैदानी गोल किया, जबकि जोप्पे वोलबर्ट (39वें मिनट) ने पेनल्टी स्ट्रोक पर और डैनिलो ट्राइलिंग (54वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके नीदरलैंड की जीत सुनिश्चित की। इंग्लैंड के लिए गोल कैडेन ड्रेसी (11वें), माइकल रॉयडेन (29वें) और जॉर्ज फ्लेचर (49वें) ने किए। बाद में दक्षिण अफ्रीका ने यहां पूल ए मैच में आयरलैंड को 2-1 से हराया। दक्षिण अफ्रीका के लिए रूबेन सेंडजुल (43वें मिनट) और रॉस मोंटगोमरी (54वें मिनट) ने मैदानी गोल किए।